राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 195
बौनावामन
सुपरकमांडो ध्रुव
by अनुपम
DOGA YEAR

इसी सैट के कॉमिक

▲ **बौना वामन** (सुपर कमांडो ध्रुव का विशेषांक) (पृष्ठ संख्या: 64 मूल्य: 20/-)

▲ **चमत्कारी जड़ें** (बांकेलाल का विशेषांक) (पृष्ठ संख्या: 64 मूल्य: 20/-)

■ **मसाबा** (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (कोबी और भेड़िया)

■ **समाप्त** (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (तिरंगा)

■ **फर्ज की मशीन** (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (इंस्पेक्टर स्टील)

■ **लड़ाई लड़ाई माफ करो** (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (गमराज)

कोई भी छप्पन रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हमसे डाक द्वारा घर बैठे मंगाएं। साथ ही प्राप्त करें एक आकर्षक गिफ्ट। कृपया छप्पन रुपए या अधिक का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84 के पते पर भेजें। और अपनी मनपसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में अपने पूरे पते के साथ साफ-साफ लिखकर भेजें।

आगामी सैट के कॉमिक

▲ **एक और भीष्म** (भोकाल का विशेषांक) (पृष्ठ संख्या: 64 मूल्य: 20/-)

▲ **जोरो** (परमाणु का विशेषांक) (पृष्ठ संख्या: 64 मूल्य: 20/-)

■ **चार किलोमीटर आगे** (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (डोगा)

■ **मां** (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (शक्ति)

■ **गायब होजा** (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (तिरंगा)

■ **बोझ हटाओ** (पृष्ठ संख्या: 32 मूल्य: 10/-) (गमराज)

सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन: प्रकाशक: राजा पॉकेट बुक्स, 330/1 बुराड़ी दिल्ली-84. फोन: 7221410.
visit us at: www.rajcomics.com

दिल्ली में वितरक: प्रकाशक: राजा पॉकेट बुक्स, 313, दरीबा कलां, दिल्ली-11006. फोन: 3278397.

मुसीबत जितनी छोटी लगती है, कभी-कभी उतनी ही घातक सिद्ध होती है! और इस बात का जीता-जागता उदाहरण है...

बौना वामन

संजय गुप्ता की पेशकश

कथा: जॉली सिन्हा • चित्र: अनुपम सिन्हा • इंकिंग: विट्ठल कांबले   सुलेख व रंग: सुनील पाण्डेय • सम्पादक: मनीष गुप्ता.
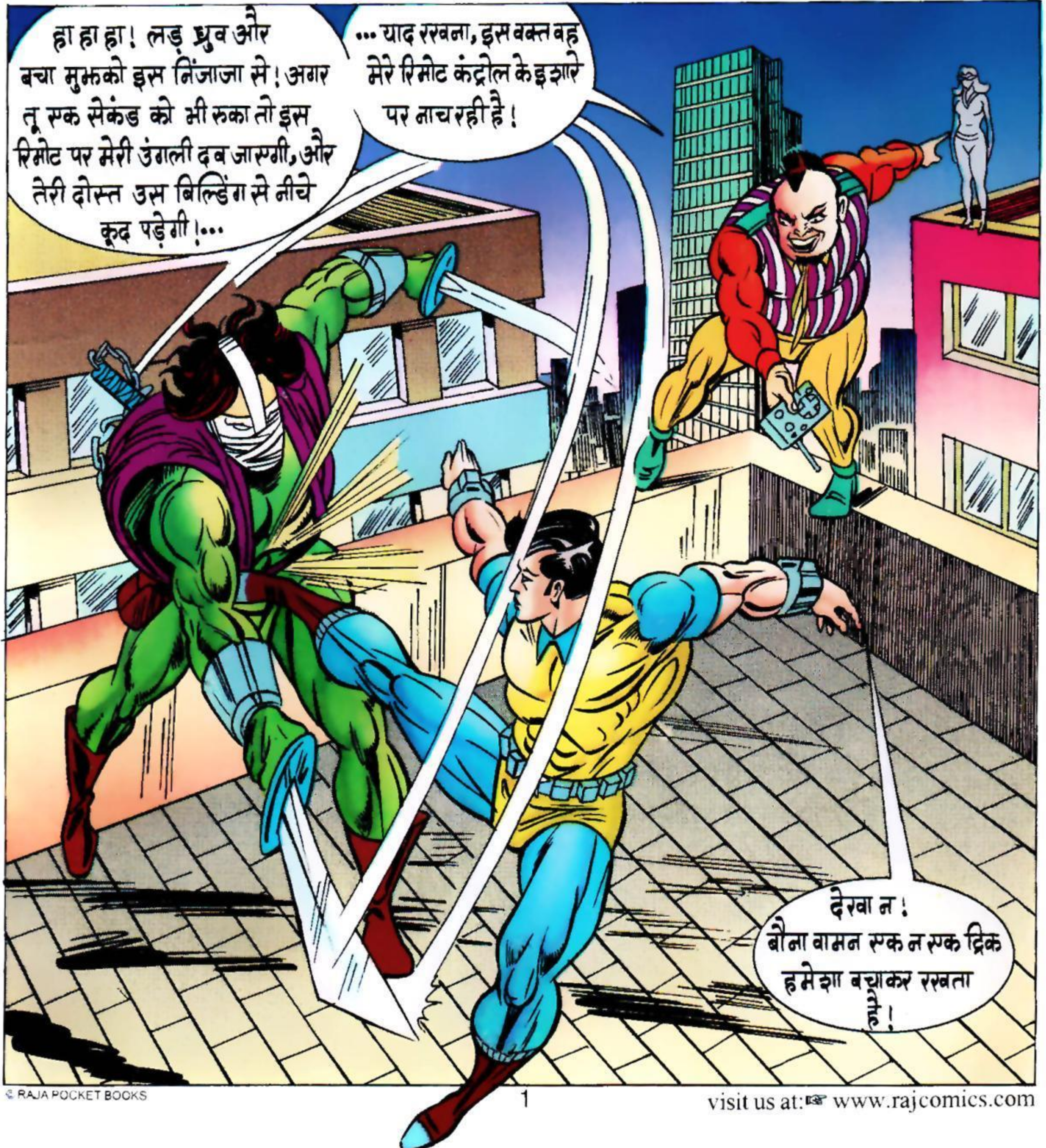
नारका जेल- राजनगर से कुछ दूर पर, समुद्र में स्थित एक द्वीप पर बनी दुनिया की सबसे आधुनिक जेलों में से एक-

यहां पर लगी अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा प्रणाली के कारण यहां पर ज्यादा गॉर्डों की आवश्यकता नहीं पड़ती! क्योंकि अनधिकृत लोगों का यहां पर घुसना भी उतना ही मुश्किल है जितना कि बाहर निकलना-

इसीलिए बौना वामन, ध्वनिराज और चुंबा जैसे शातिर अपराधियों को यहीं पर रखा जाता है-

लेकिन जरा ठहरिए! यह कौन शख्स है जो जेल की दीवारों पर छिपकली की तरह चढ़ता चला जा रहा है?

और वह भी 'सर्विलेंस क्लोज सर्किट कैमरों' के ठीक सामने-

और कैमरों में उसकी तस्वीर तक नहीं आ रही है-

आ ऽऽऽऽऽऽऽ

-ध्वस्त करता हुआ वह शख्स ऐसे आगे बढ़ता गया, जैसे वह किसी बच्चे की गुल्लक तोड़ रहा हो-
2395....
कितने भी कोड लगा लो! ट्रॉनिका हर कोड को तोड़ देगा! हर रुकावट को हटा देगा!
रुकावटें, ताश के घर की तरह गिरती चली गईं-
?
कौन हो तुम? और बिना अलॉर्म बजे यहां तक कैसे आ गए?
लेकिन नारका जेल का प्रशासन सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों पर ही निर्भर नहीं था-
जवाब, काफी 'शॉकिंग' था-
आहऽऽ
ईईऽऽ
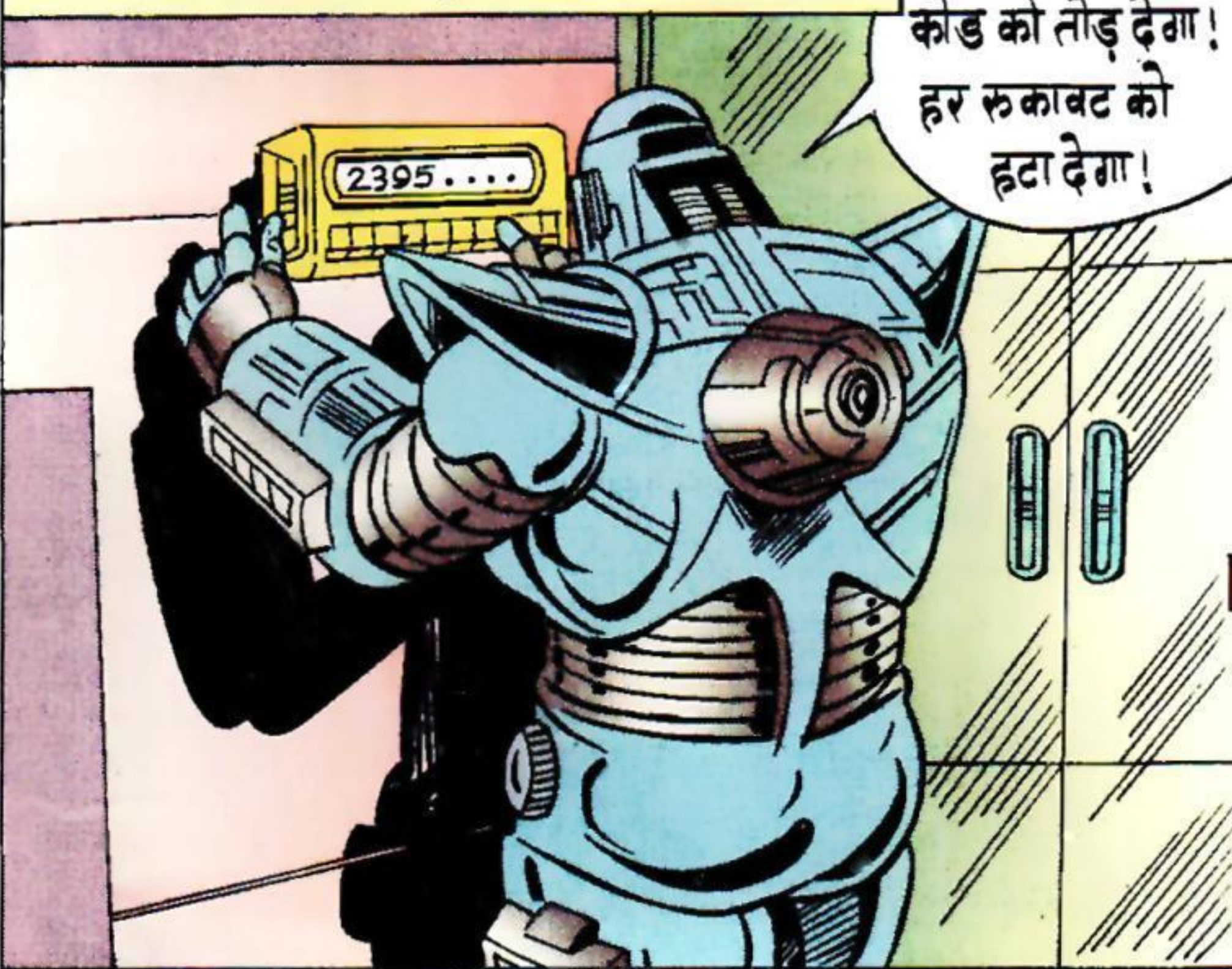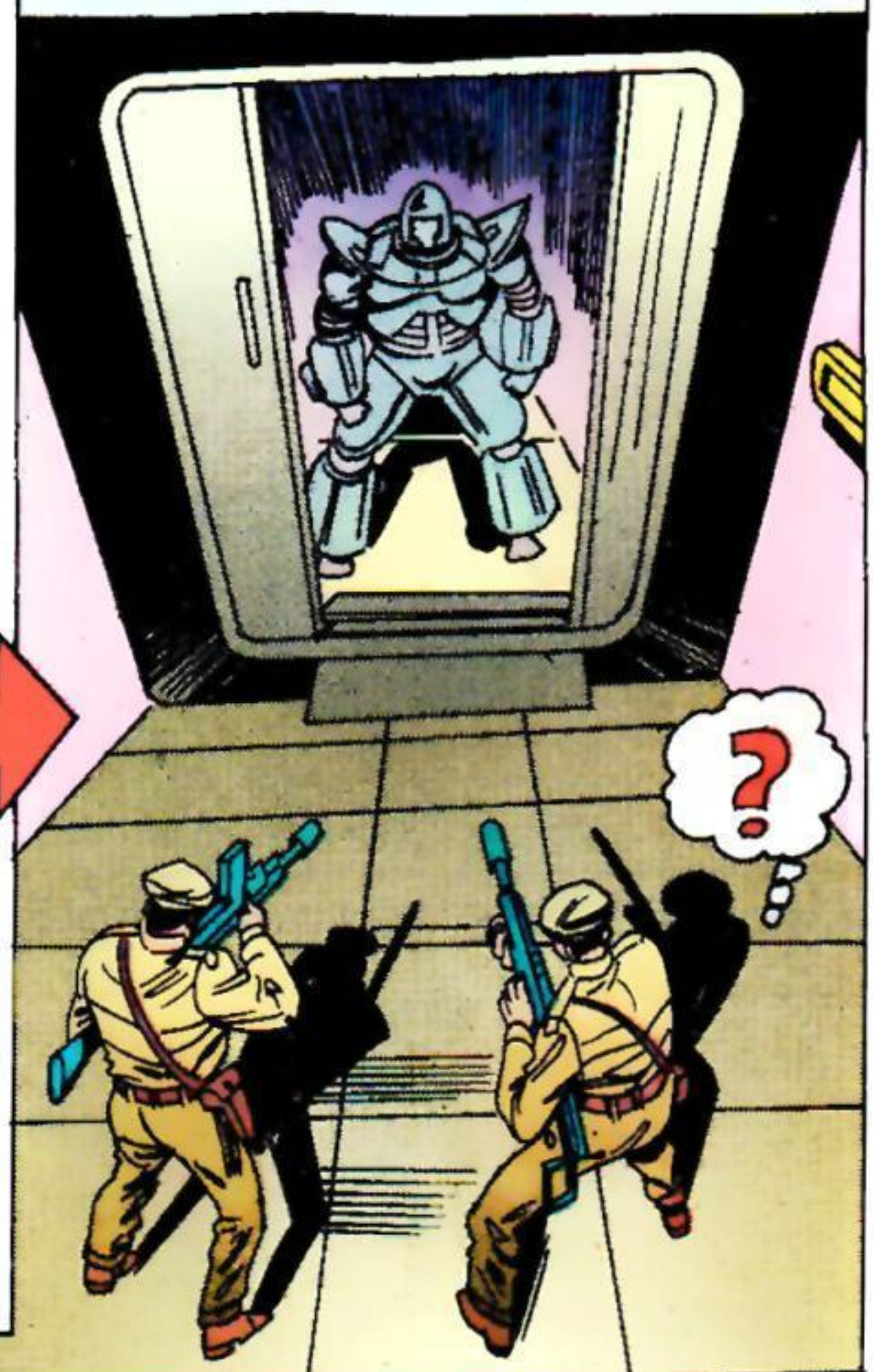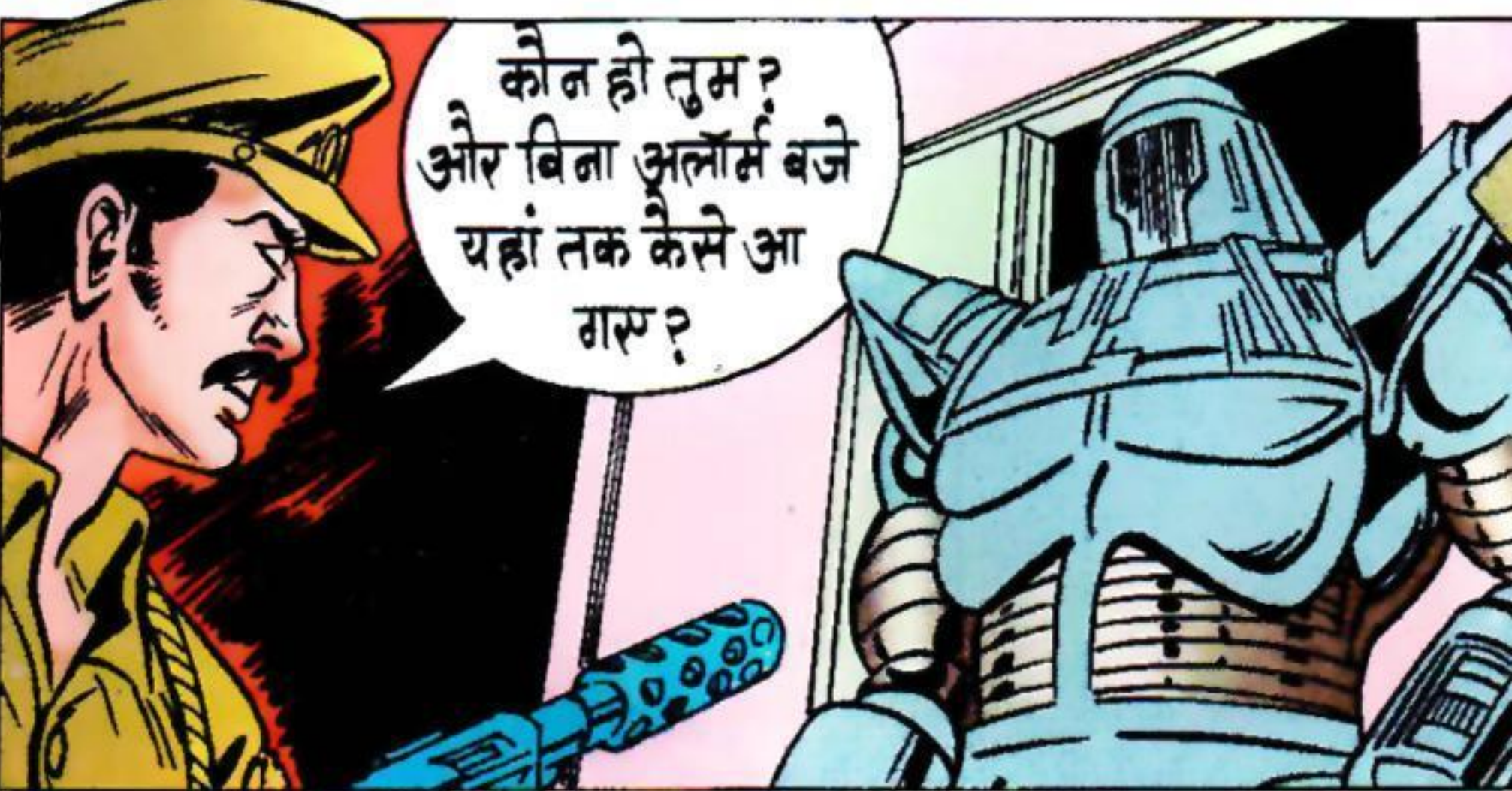
बौना वामन का सेल सामने ही था-
शक्तिशाली मेल्टिंग बीम, स्टील के उस मोटे दरवाजे को मक्खन की तरह काटती चली गई-
र्र्र्र्र्र्र्र्र्र्र्स
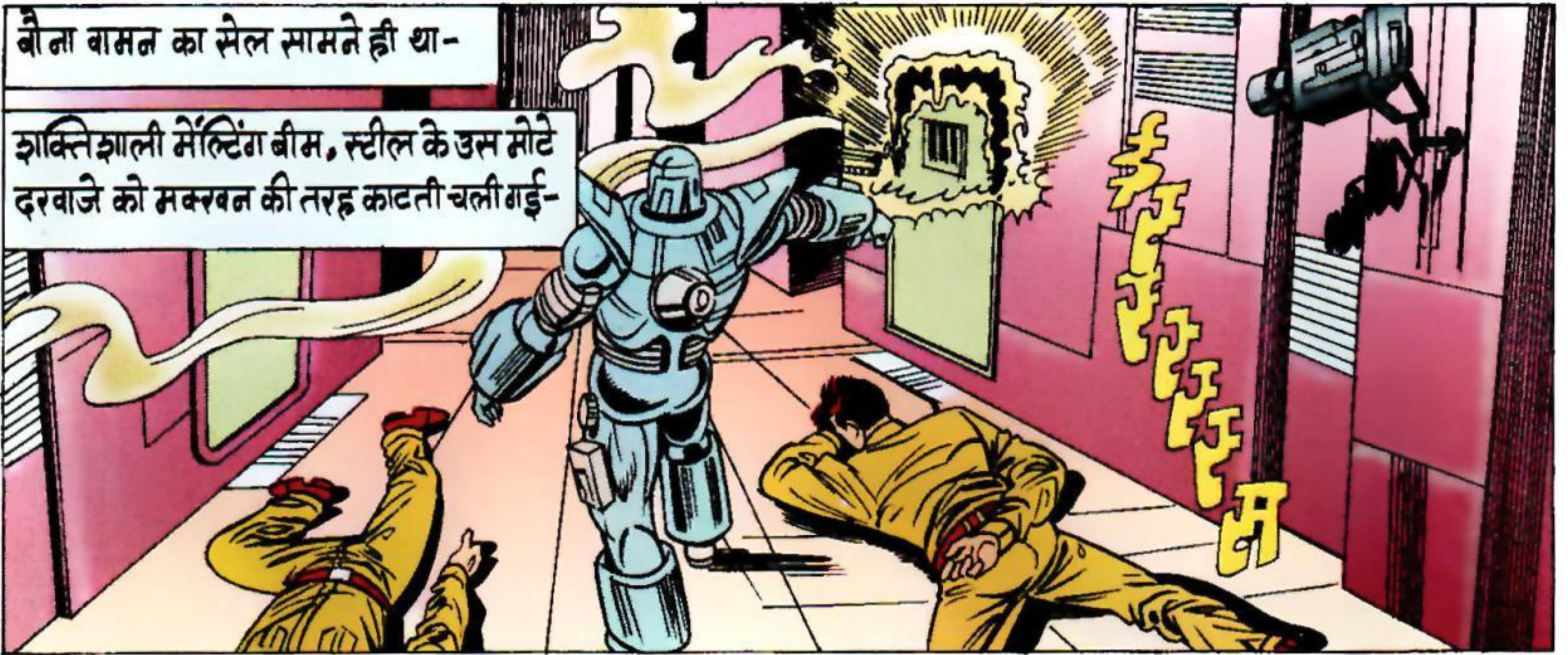
अब ट्रॉनिका और बौना वामन के बीच में सिर्फ हवा थी-
तुमको मेरा मैसेज मिल गया था?
हां! सुबह तुम्हारा आदमी मैसेज लेकर आया था। लेकिन तुम 'सर्विलेंस कैमरों' और सिक्योरिटी सिस्टम से बचते हुए यहां तक पहुंचे कैसे? मैं तो दो बार भागने की कोशिश कर चुका हूं, लेकिन दोनों बार पकड़ा गया!
मेरे कवच में ढेर सारे इलेक्ट्रॉनिक यंत्र फिट हैं वामन! कैमरे जो फोटो खींचते हैं, उनको इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों में बदलकर ही मॉनीटर तक भेजते हैं। मेरा एक इलेक्ट्रॉनिक यंत्र उन तरंगों में ऐसी गड़बड़ कर देता है कि उनसे आ रही मेरी तस्वीर साफ हो जाए!
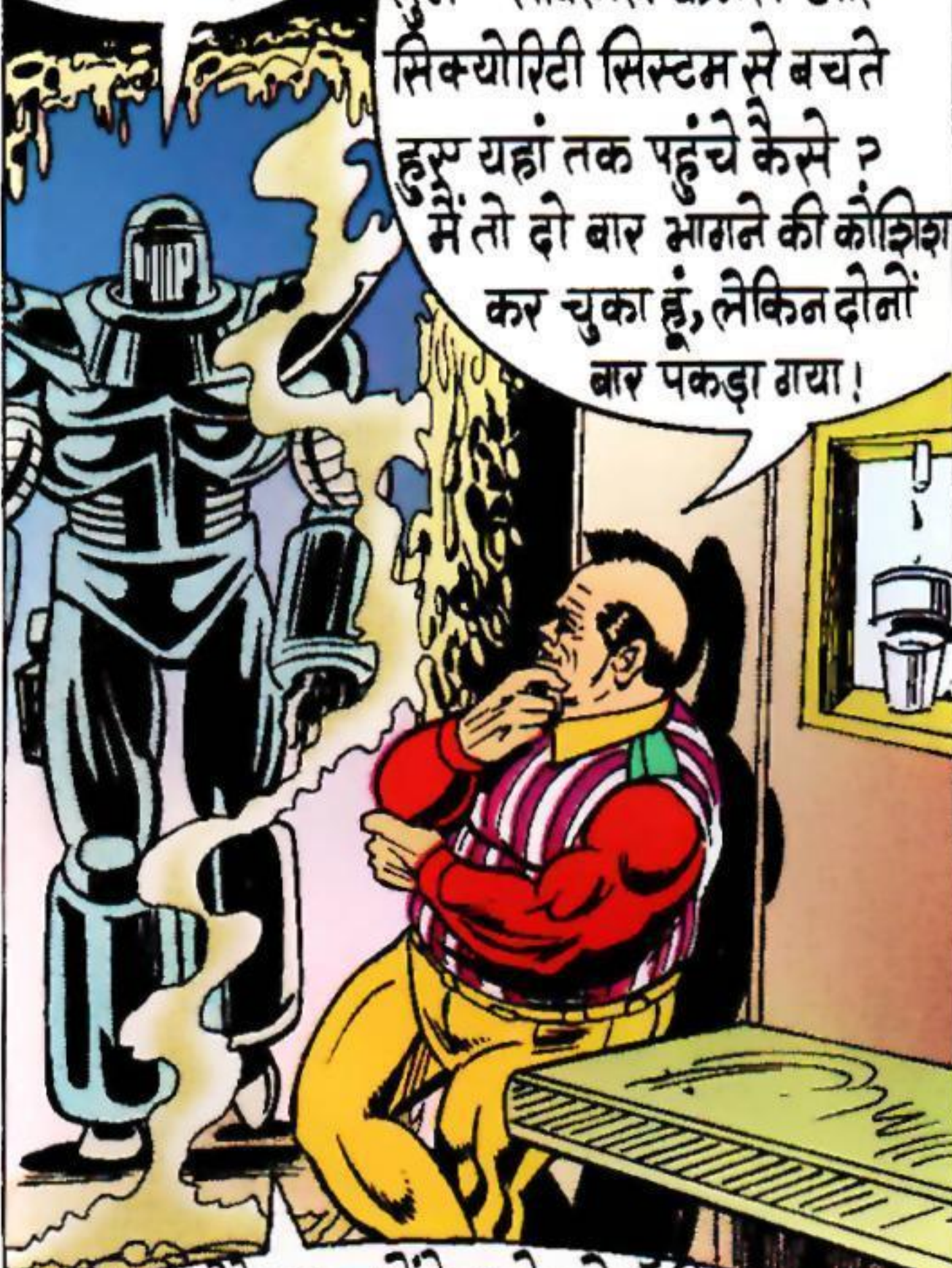
और बाकी रहे सिक्योरिटी सिस्टम के कोड और पासवर्ड, तो उनका पता लगाना तो मेरे जैसे इलेक्ट्रोनिक्स एक्सपर्ट के बाएं हाथ का खेल है!
अब यहां से बाहर कैसे जाएंगे? मेरा मतलब... राजनगर तक कैसे पहुंचेंगे?
मेरी मिनी 'पनडुब्बी' पानी के नीचे तैयार खड़ी है। बस एक बार उस तक पहुंच जाएं, फिर हमको कोई हाथ तक नहीं लगा सकता!
हमें भी ले चलो भाई!
मुझे भी!
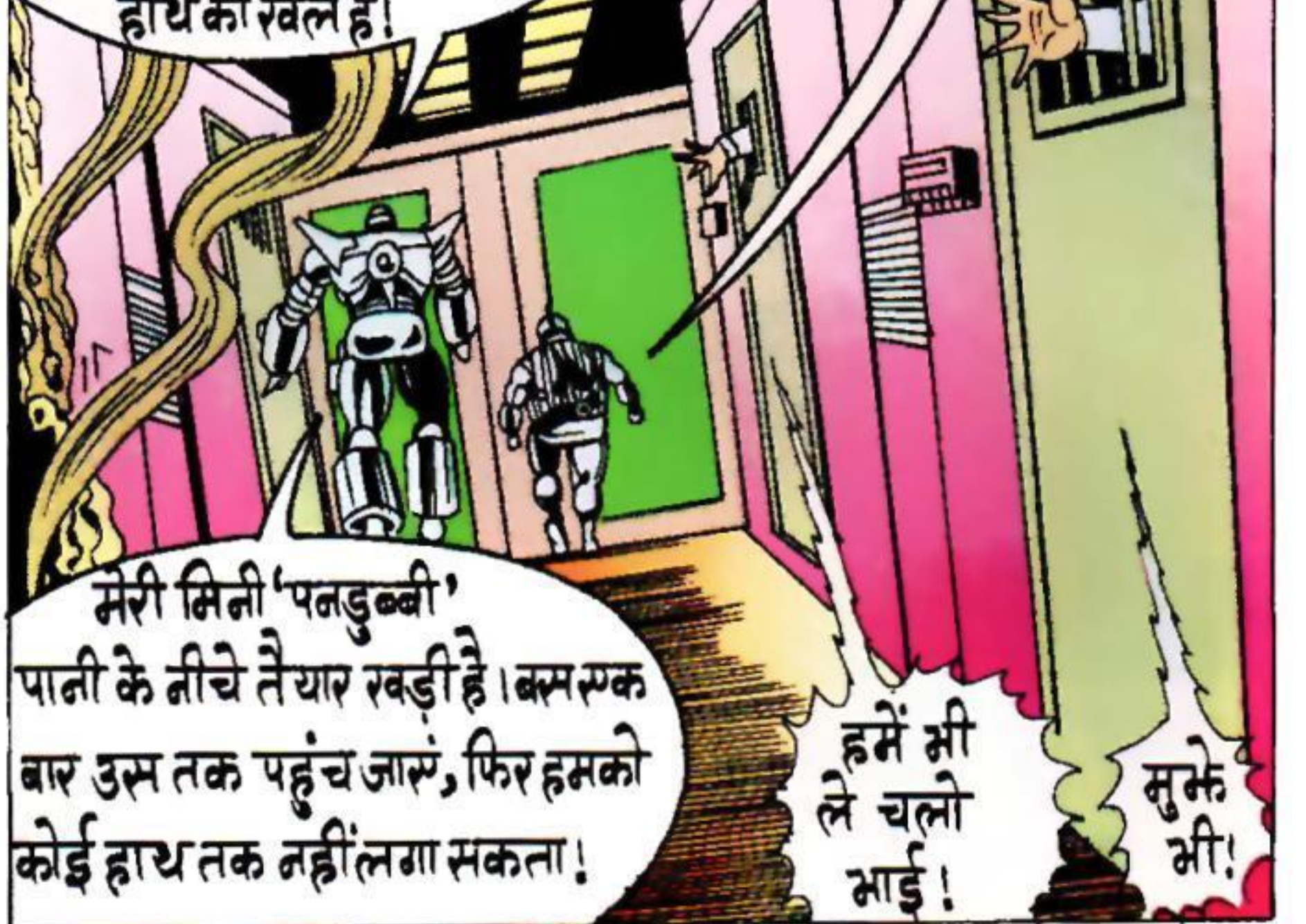
ट्रॉनिका और बौना वामन के बाहर आते-आते कैदियों की चीखों ने जेल प्रशासन को सतर्क कर दिया था-
ओह! वे गोलियां चला रहे हैं! अब हम समुद्र तट तक भी नहीं पहुंच पाएंगे!
घबराओ मत, वामन!
हमको समुद्र तट तक जाना भी नहीं है!

इस गड्ढे में समुद्र का पानी ही भरा है! और यहां से एक सुरंग, समुद्र की तरफ जाती है! इससे हम जमीन के नीचे-नीचे ही अपनी पनडुब्बी तक जा पहुंचेंगे, और ये सिक्योरिटी गार्ड्स हाथ मलते रह जाएंगे!
छपाक

पनडुब्बी तक पहुंचने में दोनों को ज्यादा देर नहीं लगी-

और कुछ ही देर बाद वह पनडुब्बी दो सवारियां लेकर राजनगर की तरफ बढ़ रही थी-
हां, तो अब बताओ ट्रॉनिका! तुम्हारा मुझको नारकाजेल से छुड़ाने के पीछे क्या मकसद है?
तुमको मेरा एक छोटा सा काम करना है। राजनगर में 'यूकाहारो इलेक्ट्रॉनिक्स' नाम की एक जापानी कंपनी है! उसने एक नई माइक्रो चिप बनाई है! तुमको वह माइक्रोचिप वहां से उड़ानी है! यह काम मैं खुद इसलिए नहीं कर सकता, क्योंकि उनकी इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा व्यवस्था को भेद पाना मेरे बस के बाहर की बात है!
हुम! इस काम में एक बहुत बड़ी अड़चन है। सुपर कमांडो ध्रुव! वह राजनगर का रखवाला है। और मुझे राजनगर में ही काम करना है। उसके रहते सफलता की उम्मीद बहुत कम है!
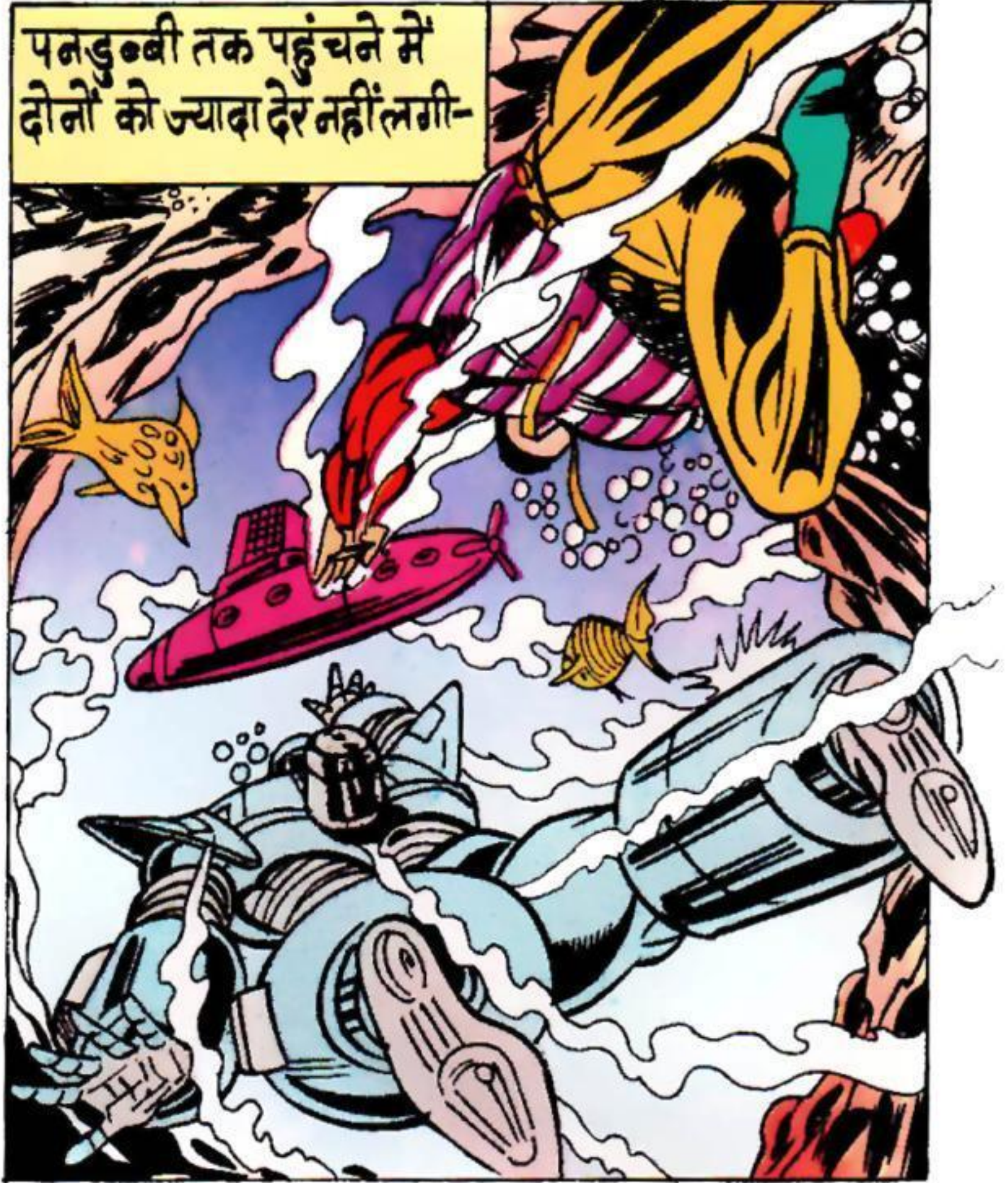
ध्रुव को मैं उस वक्त वहां से कहीं दूर ले जाऊंगा! फिर वो काम आसान हो जाएगा, न?
हां! फिर कोई समस्या नहीं। पर इस काम के दस करोड़ रुपए लगेंगे!
और जो मैंने तुमको नारका जेल से छुड़ाया, उसका क्या?
भाई, ऐसा है तो तू मुझे वापस नारका जेल छोड़ आ, और अपना काम किसी और से करवा ले!
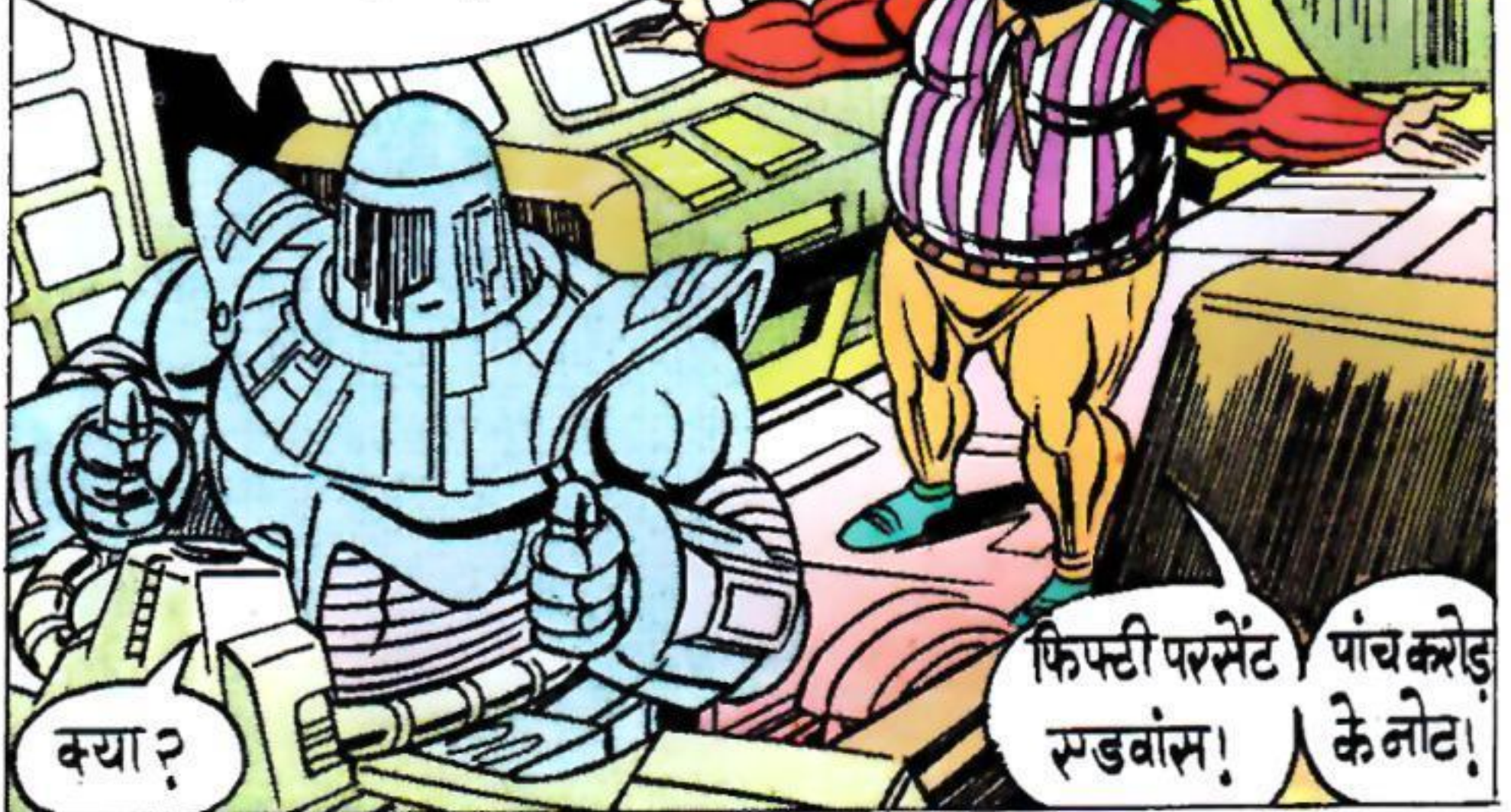
भारत ने जबसे 'मुक्त व्यापार' की नीति अपनाई है, तबसे भारत में कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपने पैर जमा लिए हैं! और इनमें से ही एक है मशहूर जापानी इलेक्ट्रॉनिक कंपनी 'यूकाहारो इलेक्ट्रॉनिक्स'-

इतने अंजान मत बनिए मिस्टर हराकी! आप इस कंपनी के दो पार्टनरों में से एक हैं! इसलिए इस कंपनी से संबंधित हर खबर आपके पास तो तुरन्त पहुंच जाती होगी!
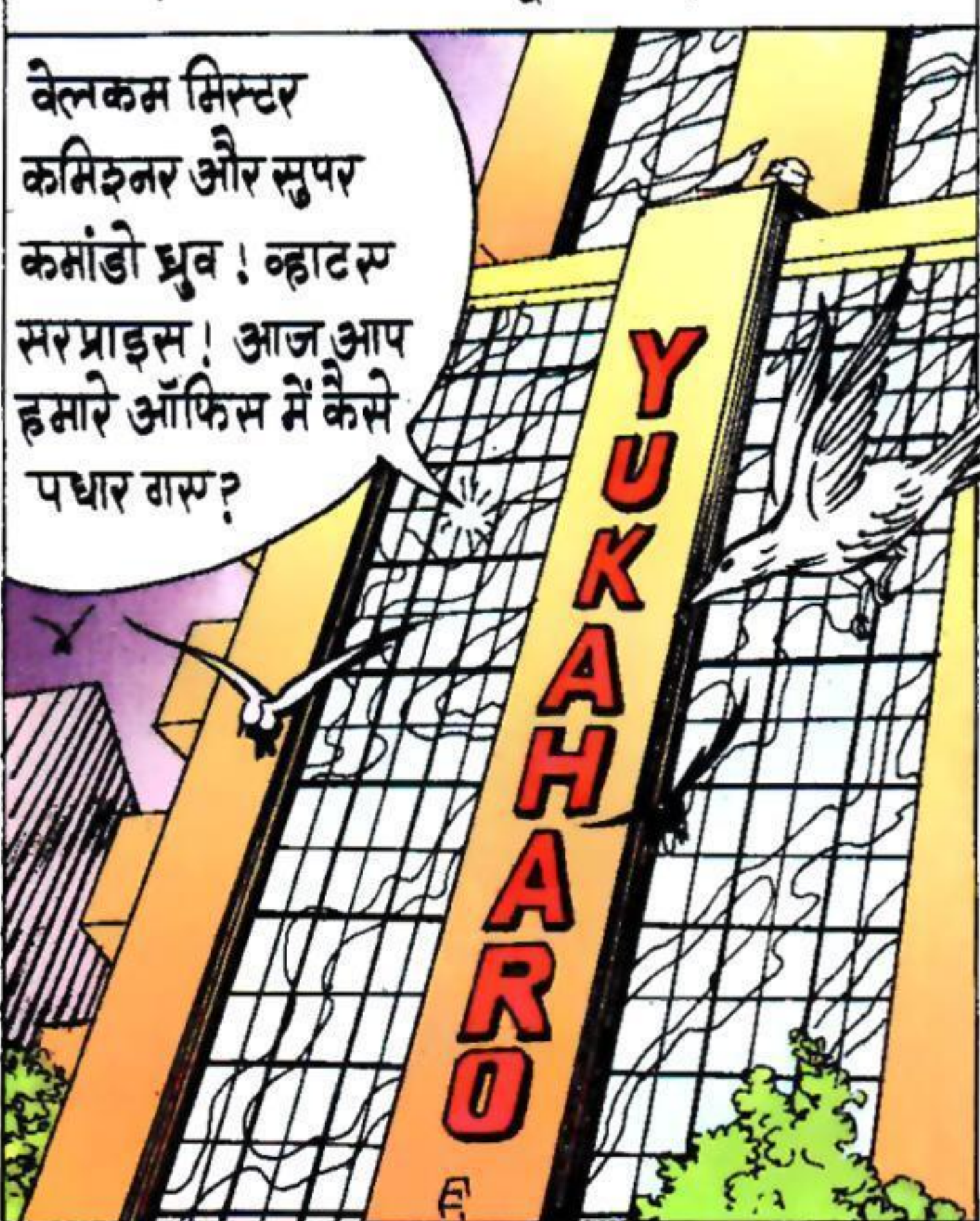
तुम किस खबर की बात कर रहे हो ध्रुव?

नारका जेल से एक खतरनाक कैदी बौना वामन के भागने की खबर की! उस जेल का इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी सिस्टम यूकाहारो इलेक्ट्रॉनिक्स ने ही डिजाइन किया था!

आई नो दैट! हम इस बात की छान-बीन कर रहे हैं कि हमारी सिक्योरिटी को कैसे तोड़ा गया!

क्या आपको किसी पर शक है ?
मेरे ख्याल से ये काम जेल के किसी अधिकारी का है, जो जेल के सिक्योरिटी सिस्टम के बारे में जानता था।

हमारी रिपोर्ट के अनुसार बौना वामन को जेल से छुड़ाने वाला व्यक्ति, स्टील के जिरह बख्तर से लैस था, जिसमें कई तरह के इलेक्ट्रॉनिक यंत्र लगे हुए थे।
ऐसी पोशाक जेल के किसी अधिकारी के हाथ लगनी तो मुश्किल है। हां, आपके यहां ऐसी पोशाक जरूर बनाई जा सकती है।

मिस्टर कमिश्नर! हमारी कंपनी बेईमान लोगों को नौकरी पर नहीं रखती। और ये बात तो आप भी जानते होंगे। ऑफ्टर ऑल... आपकी बेटी श्वेता भी तो हमारी ही कंपनी में अपनी समर ट्रेनिंग कर रही है!
बट, आई मस्ट से दिस। आपकी बेटी सचमुच जीनियस है। उसने एक नई माइक्रो चिप बनाने में हमारे वैज्ञानिकों के ग्रुप की बहुत मदद की है!

मैं यहां पर आपके किसी कर्मचारी की तारीफ सुनने नहीं आया हूं मिस्टर हराकी! चूंकि आप एक विदेशी नागरिक हैं, इसीलिए मैंने बेहतर यही समझा कि आपको पुलिस हैडक्वार्टर बुलाने के बजाय, आपसे यहीं पर आकर मिला जाए!
वैसे अगर आपको किसी पर शक हो तो हमको तुरंत सूचित करिएगा!

श्योर मिस्टर कमिश्नर! जरूर, जरूर!
सायोनारा!

और फिर थोड़ी देर बाद मैनेजिंग डायरेक्टर हराकी के रूम में-

आहा! तो ये है वह चिप, जो खिलौनों की दुनिया में क्रांति मचा देगी! इसकी कीमत पैसों में नहीं आंकी जा सकती! आप नहीं जानते डॉक्टर पिल्ले कि आपने कितना बड़ा काम किया है!

हमारी पूरी टीम ने किया है, मिस्टर तकाशी! और इस लड़की श्वेता का योगदान भी कम नहीं है!

उसकी जरूरत नहीं पड़ेगी, पार्टनर! मैं जान दे दूंगा पर ये चिप किसी गलत हाथ में नहीं पड़ने दूंगा। और इसकी सिक्योरिटी का इंतजाम मैंने पहले से ही कर रखा है!

देखो!

हराकी के ताली बजाते ही-

तड़ तड़

एक प्रभावशाली आकृति ने कमरे में प्रवेश किया-

निंजाजा! तुमने जापान से निंजाजा को बुलवा भेजा है!

अब मैं निश्चिंत हो गया! इसके यहां रहते कोई चिप तो क्या, उसकी फोटो कॉपी तक यहां से नहीं ले जा सकता।

राजनगर में आज की रात बहुत कुछ घटना था! और यह उसकी शुरुआत थी-
बॉल!
बोल, बैट!
वह आ रहा है! नंबर तो उसी कार का है!
तो फिर देख मेरा जवागल श्रीनाथ वाला एक्शन! एक बॉल में क्लीन बोल्ड कर दूंगा!
बॉल हवा में उड़ी, और कार में बैठे डॉक्टर पिल्लै की आंखें फट गईं-
य... ये क्या है? बॉल! कुछ गड़बड़ है। गड़बड़ है!
अगर ऐन टाइम पर कार ने दिशा न बदल ली होती तो उसके टायर उस लाल ग्रेनेड का शिकार हो गए होते-
बड़ूम
तेरी बॉल वाइड हो गई रे! अब तू देख बैट का कमाल!
एक हल्के से दबाव से बैट ने बूमरैंग का आकार ले लिया-
और हवा में घूमता हुआ वह बूमरैंग बैट, डॉक्टर पिल्लै की कार की विंड स्क्रीन तोड़ता वापस चला आया-
छनाक
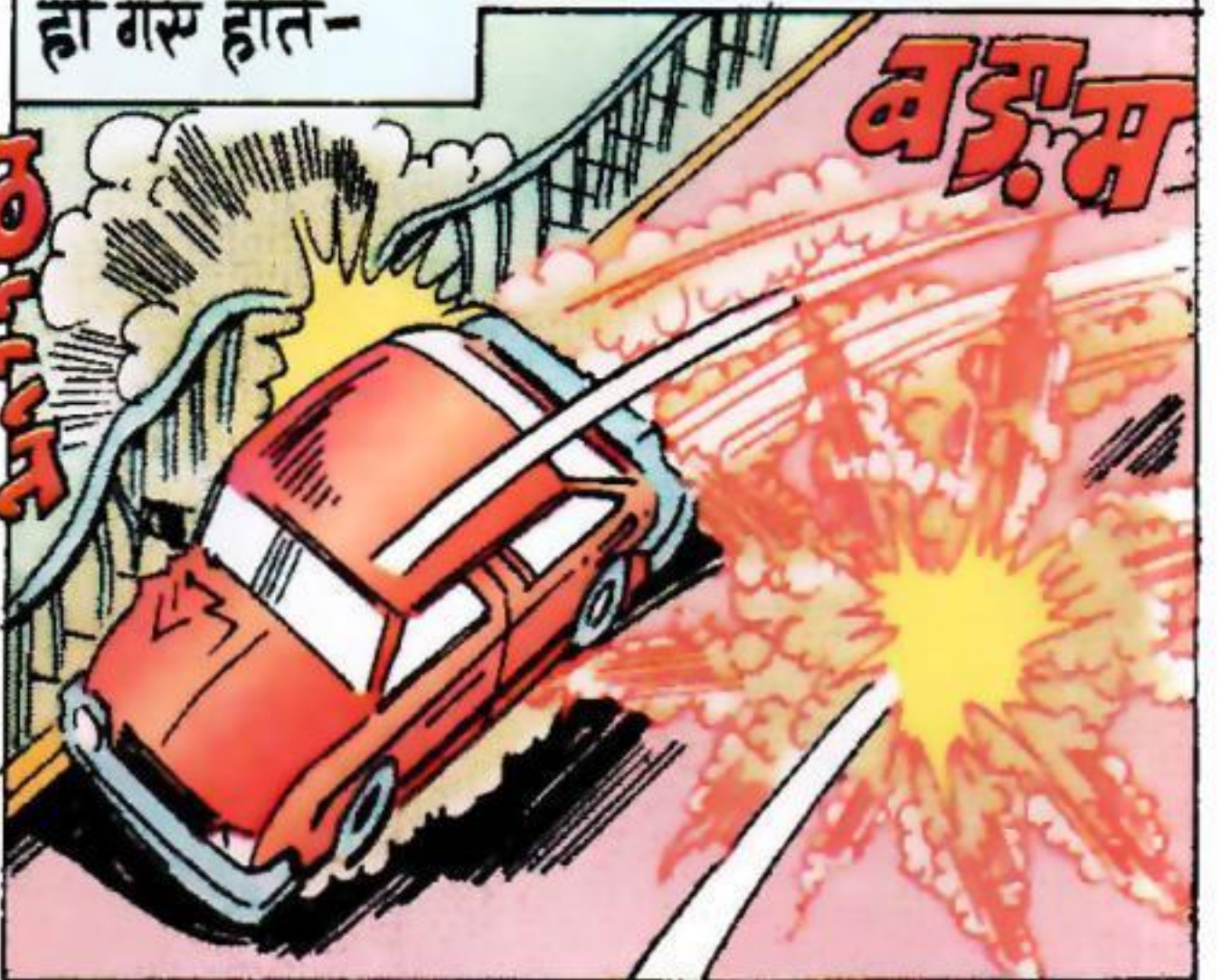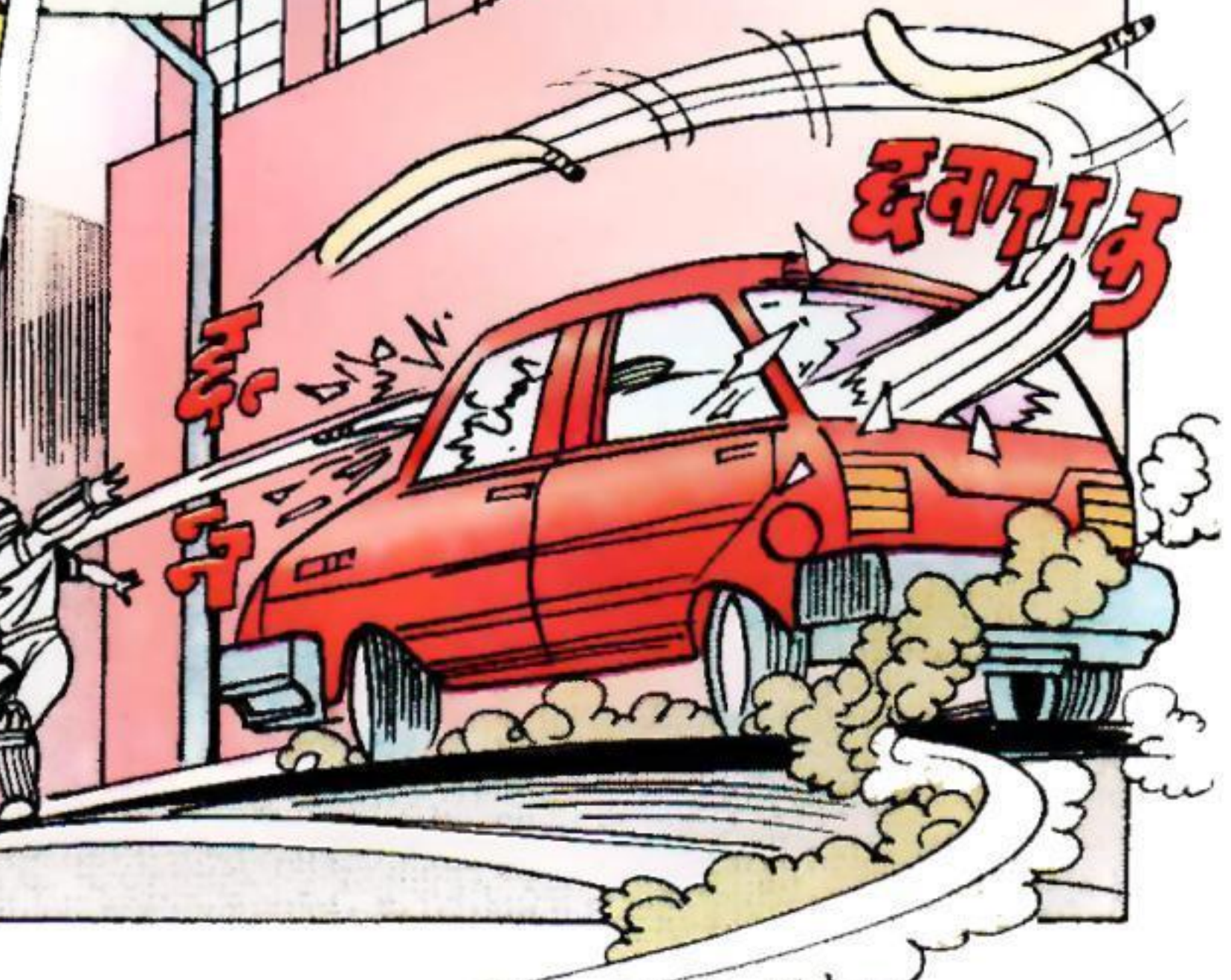
लेकिन डॉक्टर पिल्लै ने भी कार न रोकने की कसम खा ली थी-
अरे! अरे! ये तो निकला जा रहा है! बॉस तो हमें दुनिया की टीम से निकाल देगा!
अगर इसे जिन्दा न पकड़ना होता तो मैं अब तक बाऊंसर मार चुका होता! अब तो मैच खेलना पड़ेगा!
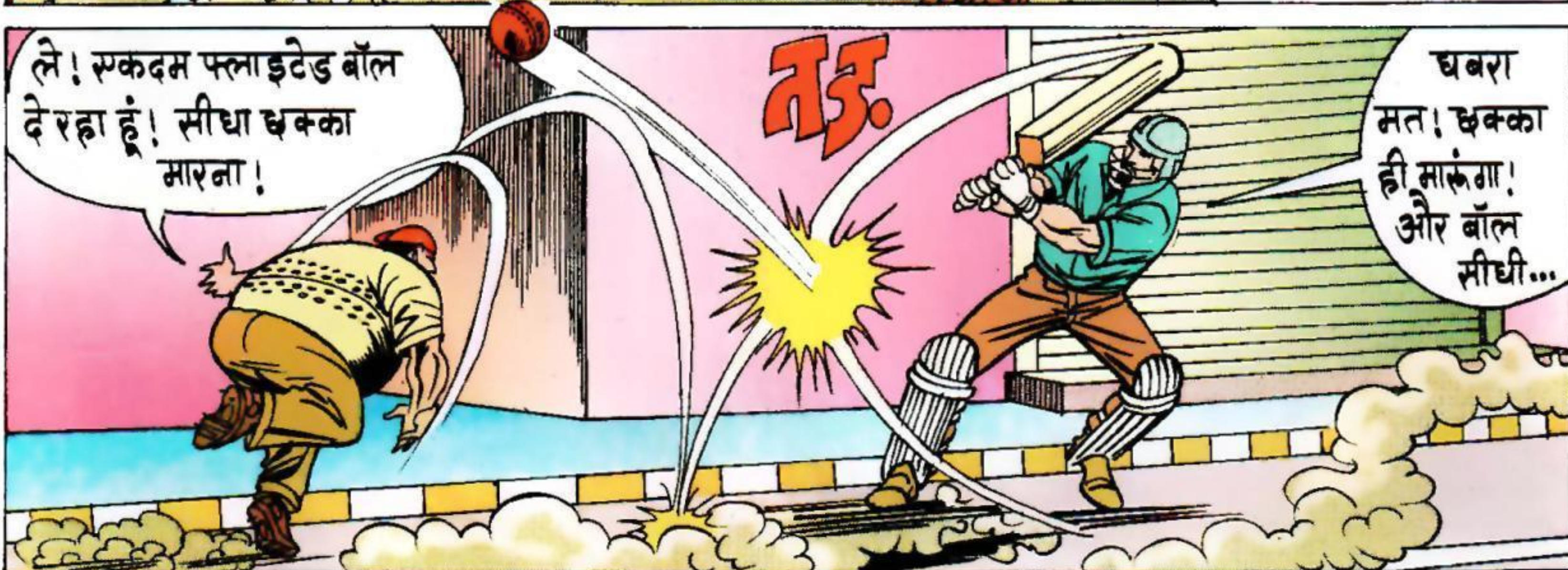
ले! एकदम फ्लाइटेड बॉल दे रहा हूं! सीधा छक्का मारना!
तड़.
घबरा मत! छक्का ही मारूंगा! और बॉल सीधी...

"...कार के आगे जाकर गिरेगी"-
बड़ामममम

इस बार डॉक्टर पिल्लै अपने होशो-हवास कायम नहीं रख पाए-
अब देखता क्या है? निकाल इसको इस खटारे से, और डाल अपनी गाड़ी में! हम मैच जीत गए!
बॉस हमें ट्रॉफी देगा!

इसी वक्त- राजनगर के मुख्य 'ब्लैक हार्बर' बंदरगाह पर-
हैलो, हैलो! क... कमांडो फोर्स के हैडक्वार्टर से बोल रहे हैं? हांजी, हांजी! ध्रुव साहब को एक खबर देनी है। हम ब्लैक हार्बर से बोल रहे हैं! हांजी, ब्लैक हार्बर से! यहां... यहां पर एक लोहे के आदमी ने बहुत उत्पात मचाया हुआ है। सब चीजों की तोड़-फोड़ रहा है! ... आप...
... तेरा काम खत्म हुआ...
... भाग जा यहां से!
कैप्टेन!
मैंने सब सुन लिया है, करीम! ब्लैक हार्बर यहां से ज्यादा दूर नहीं है!
मुझको वहां पहुंचने में पांच मिनट से ज्यादा नहीं लगेंगे!
ध्रुव, आम वाहनों द्वारा बीस मिनट में तय की जाने वाली इस दूरी को पांच मिनट में तय तो कर रहा था-

लेकिन इतनी देर में बंदरगाह की शक्ल ही बदल जाने वाली थी–
ओह! ये क्या मुसीबत है? ये है कौन और आखिर ये तोड़-फोड़ कर क्यों रहा है? इसको तुरन्त रोकने का सिर्फ एक ही तरीका है!...
...और वह है एक हाई-स्पीड टक्कर!
धड़ाककककक
ट्रॉनिका पर हमला करने वाला जिन्दा नहीं बचेगा!
शांत हो जा भाई! और ये बता कि ये तोड़-फोड़ तू क्यों कर रहा है?
तुझे यहां... बुलाने के लिए! और फिर तुझे मारने के लिए!
ध्रुव ने भारी भरकम ट्रॉनिका से इस फुर्ती की उम्मीद नहीं की थी–
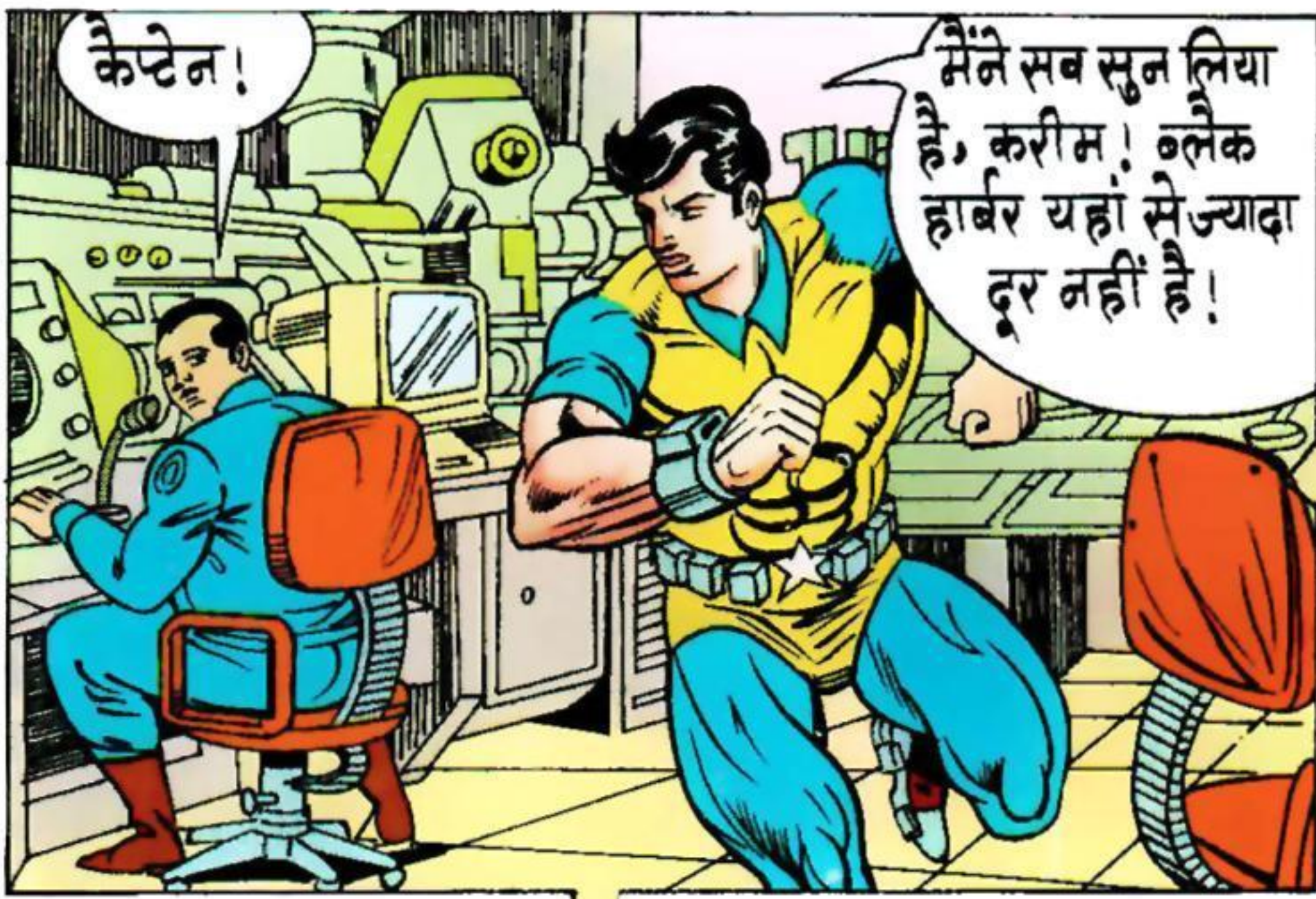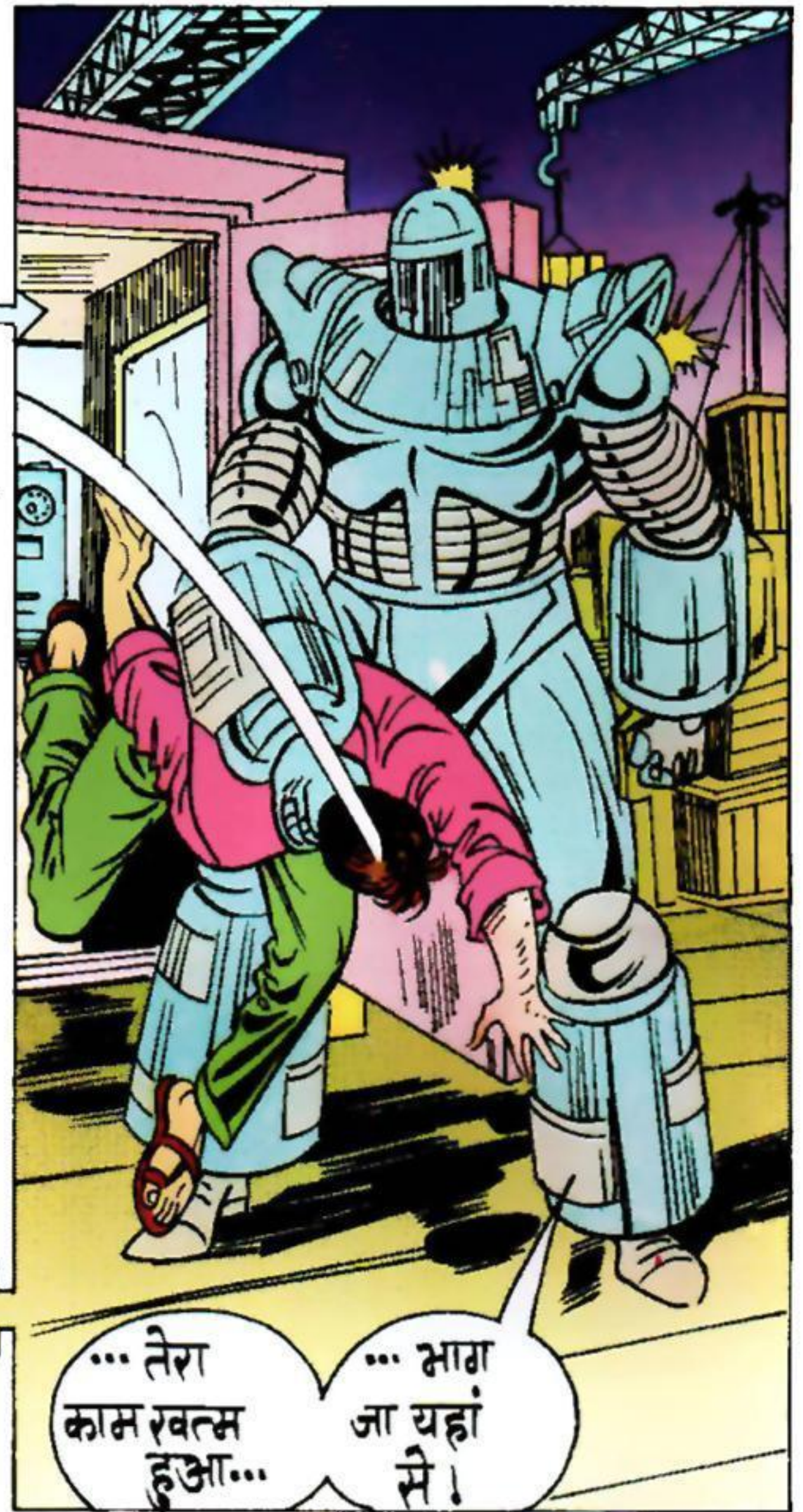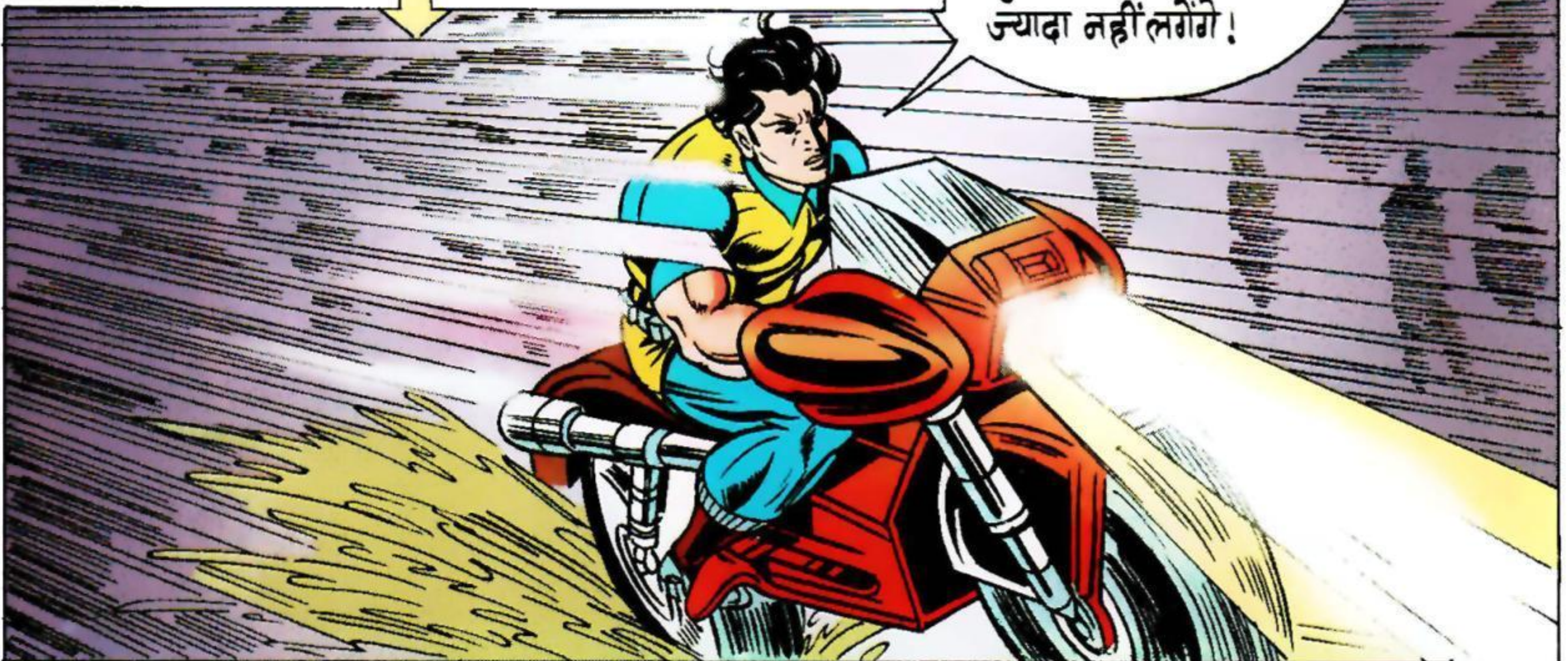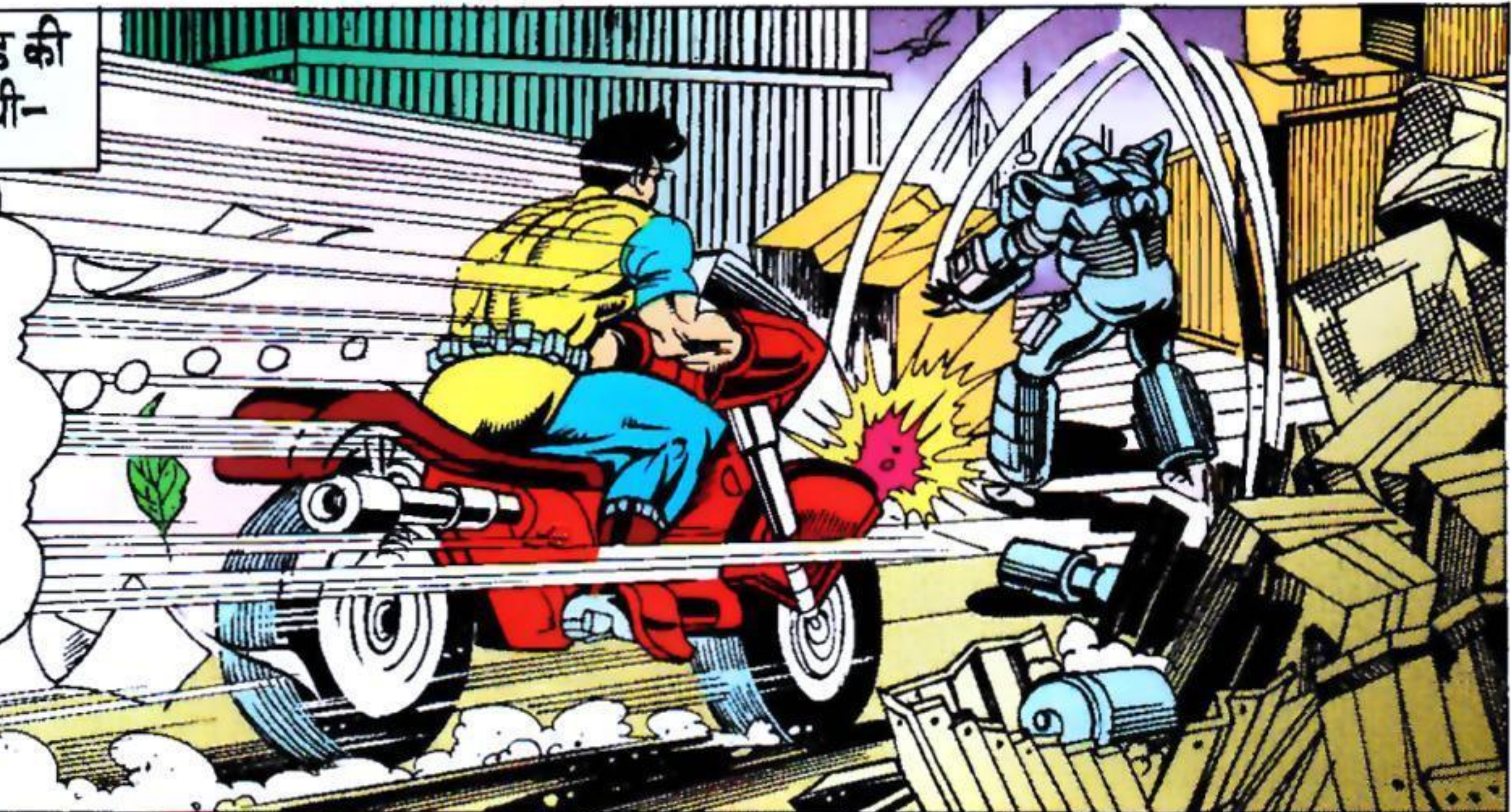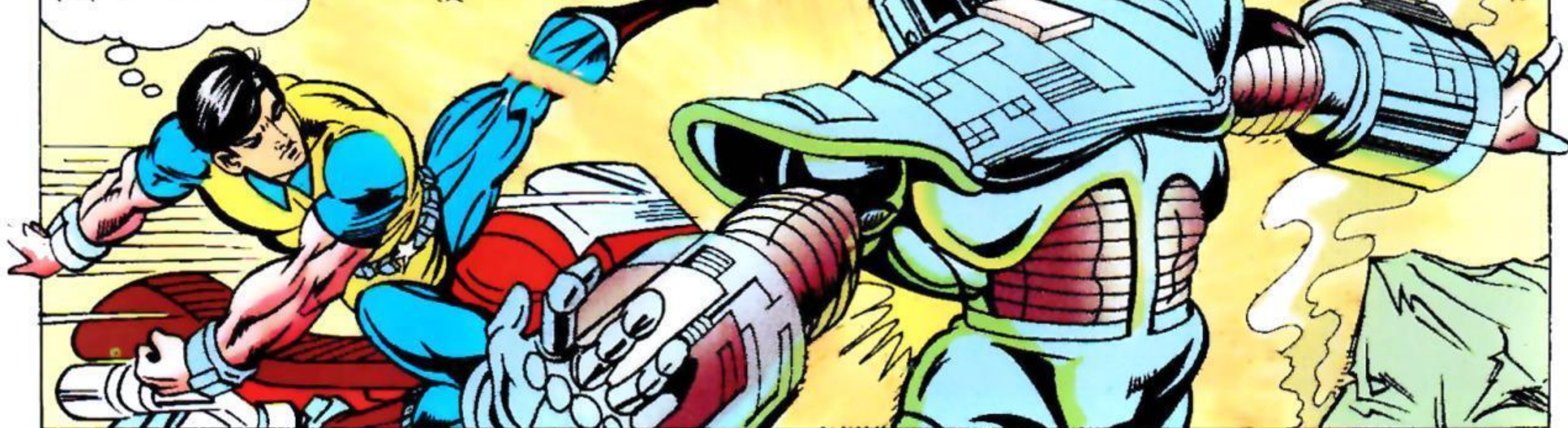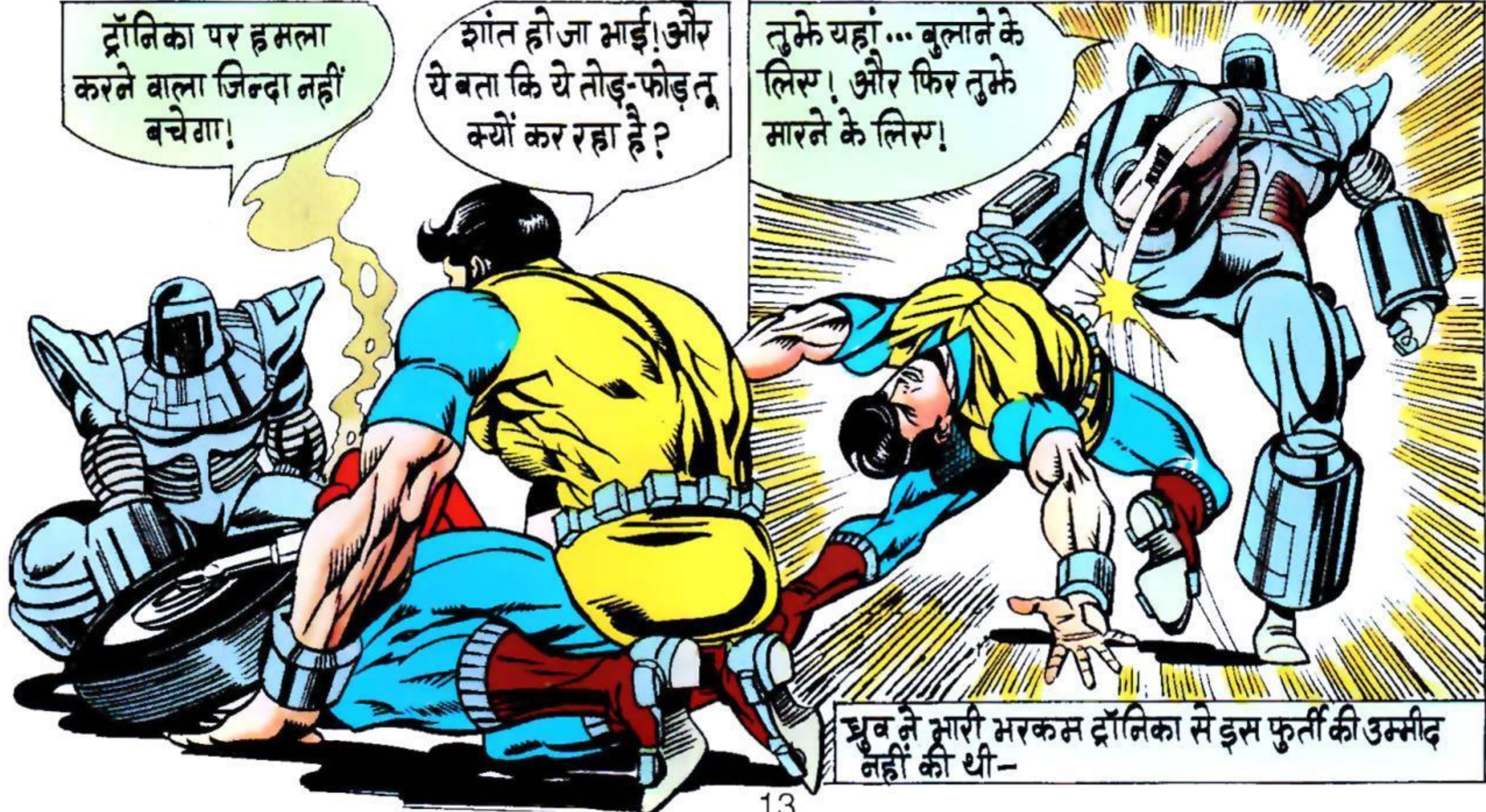
आऽऽऽह! ये इसकी किक थी, या घोड़े की दुलत्ती। इसका हुलिया तो उसी शख्स जैसा लगता है, जिसने बौना वामन को जेल से छुड़ाया था! लेकिन अगर यह वही है तो इसको मुझे बुलाकर मारने की जरूरत क्यों आ पड़ी? या... शायद ये बौना वामन का आदमी है! और उसी ने इसको भेजा है!
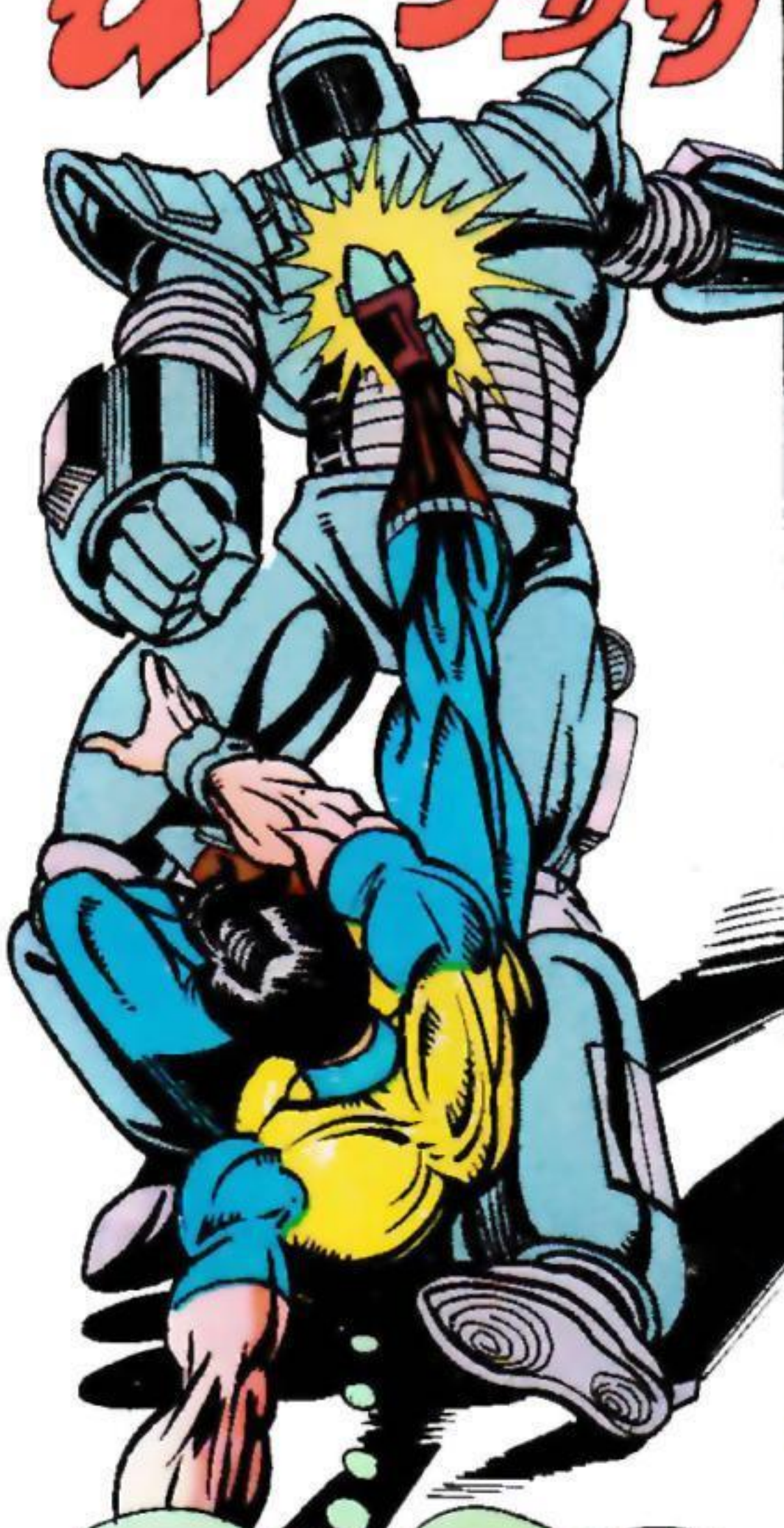
घड़ःककक
इसी वक्त- वहां से कई किलोमीटर दूर- राजनगर के दूसरे भाग में स्थित यूकाहारो टॉवर्स में-

टक
मेरे सर पर क्या गिरा?

खिलौना! नहीं नहीं, कई खिलौने हैं! पर ये आए कहां से?
हराकी ने बेख्याली में ही एक खिलौने को छूने के लिए हाथ बढ़ाया-

और वह झटका खा गया-
ओऽऽऽऽ इसमें तो करेंट दौड़ रहा है!
ये 'सेफ्टी यंत्र' मैं अपने हर खिलौने में लगाकर रखता हूं!
खैर, जो भी हो! अगर मेरा ख्याल सही है तो इसको पकड़ना और भी जरूरी है! क्योंकि सिर्फ यही बता सकता है कि बौना वामन जेल से भाग-कर आखिर कहां गया है?
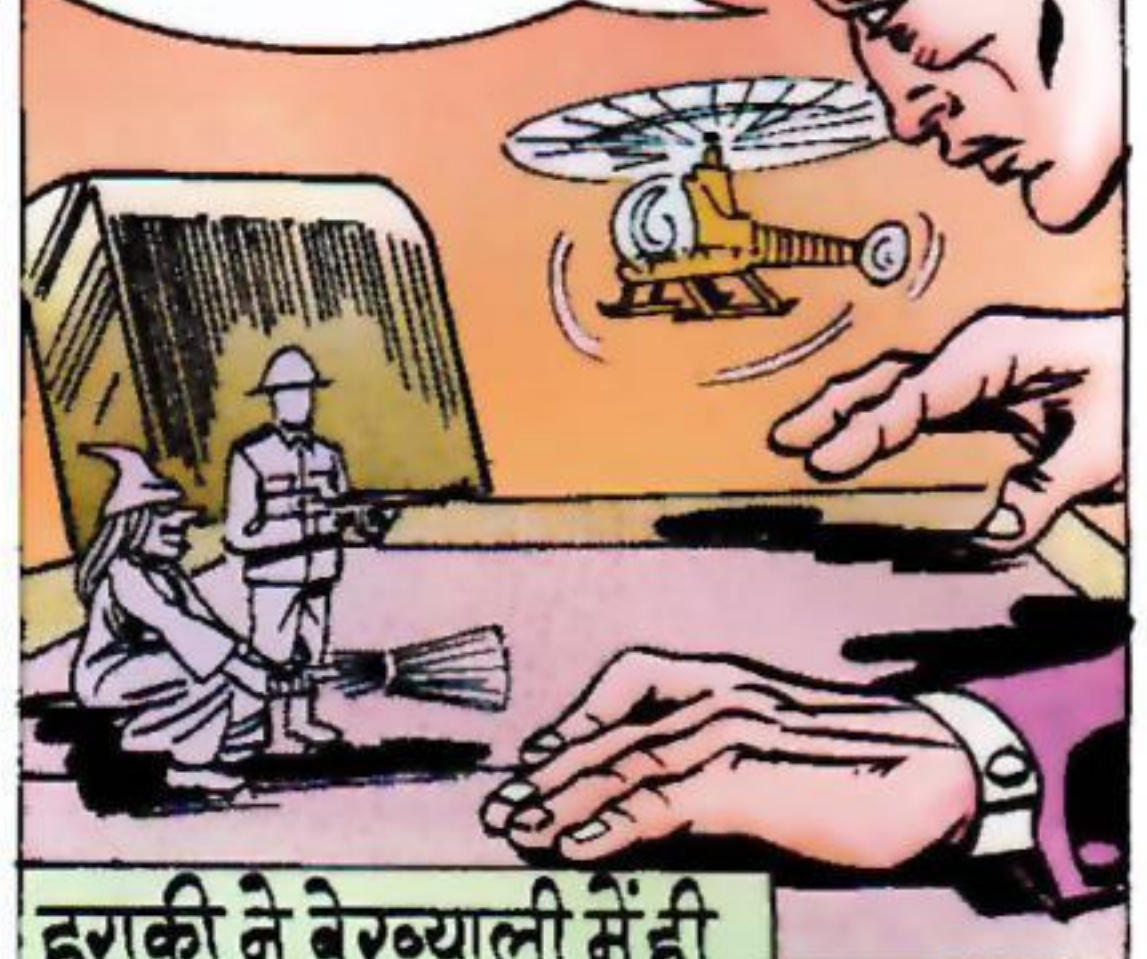
वर्ना क्या पता, मेरे खिलौने कोई चुरा ले जाए ?
कौन हो तुम ? और ये क्या बदतमीजी है! मैं दिल का मरीज हूं! अगर इस झटके से मुझे हार्ट-अटैक पड़ जाता तो ?

कमाल है! तू बौना वामन को नहीं जानता ?... वामन तुझे तब तक हार्ट-अटैक नहीं पड़ने देगा, जब तक तू मुझे उस 'माइक्रो चिप' का पता नहीं बता देता, जो तेरी कंपनी ने ताजा-ताजा बनाई है!

तू... तू एयरकंडीशनिंग डक्ट से आया है, इसीलिए तू हमारे सिक्योरिटी सिस्टम से बचता हुआ यहां तक पहुंच गया है!
और तुझे माइक्रोचिप के बारे में भी पता है। यानी तुझे हमारी किसी प्रतिद्वन्द्वी कंपनी ने भेजा है। लेकिन यहां तू माइक्रोचिप लेने नहीं, अपनी जान देने आया है!
निंज...

गूं गूं गूं
भाई हराकी, माफ करना!
मुझे चीखो-पुकार एकदम पसंद नहीं है!
फटाक

और इससे पहले कि हराकी, उस 'सक्शन कैप' को अपने मुंह से हटा पाता-
तड़
वह अपनी कुर्सी से बंध चुका था-
हां तो भाई हराकी! अब बता, कहां पर है वह 'चिप'?
नहीं बताएगा? फिर तो मुझे चुड़ैल की मदद लेनी होगी!
अगले ही पल- रसायनों से लिपटी झाड़ू की सीकें हराकी के शरीर में घुसकर भयंकर जलन पैदा करने लगीं-
ओऽऽऽ! आऽऽऽ! मुझसे तेरी हालत देखी नहीं जा रही है, हराकी! बता दे, गर्दन के इशारे से बता दे कि कहां पर है वह माइक्रो चिप?
उम्म्म उम्म्म
गूंऽऽऽ
भीषण जलन से तड़पते हराकी में प्रतिरोध करने की ताकत नहीं बची थी-
ओह! तू सेफ की तरफ इशारा कर रहा है!... नहीं... नहीं...
... नंबर बताने की जरूरत नहीं है!
सेफ को तो मैं ऐसे ही खोल लूंगा!
धड़ाम
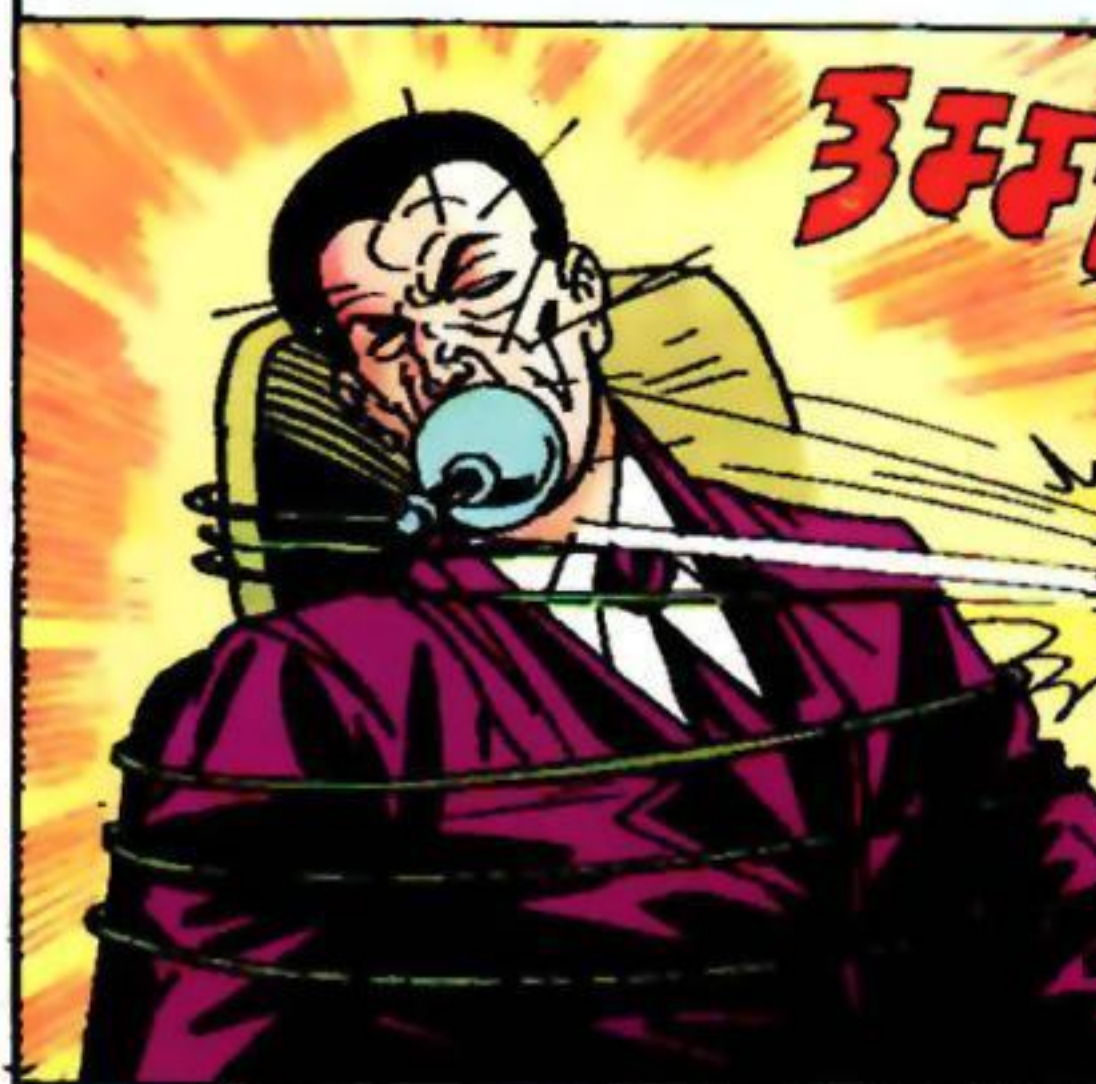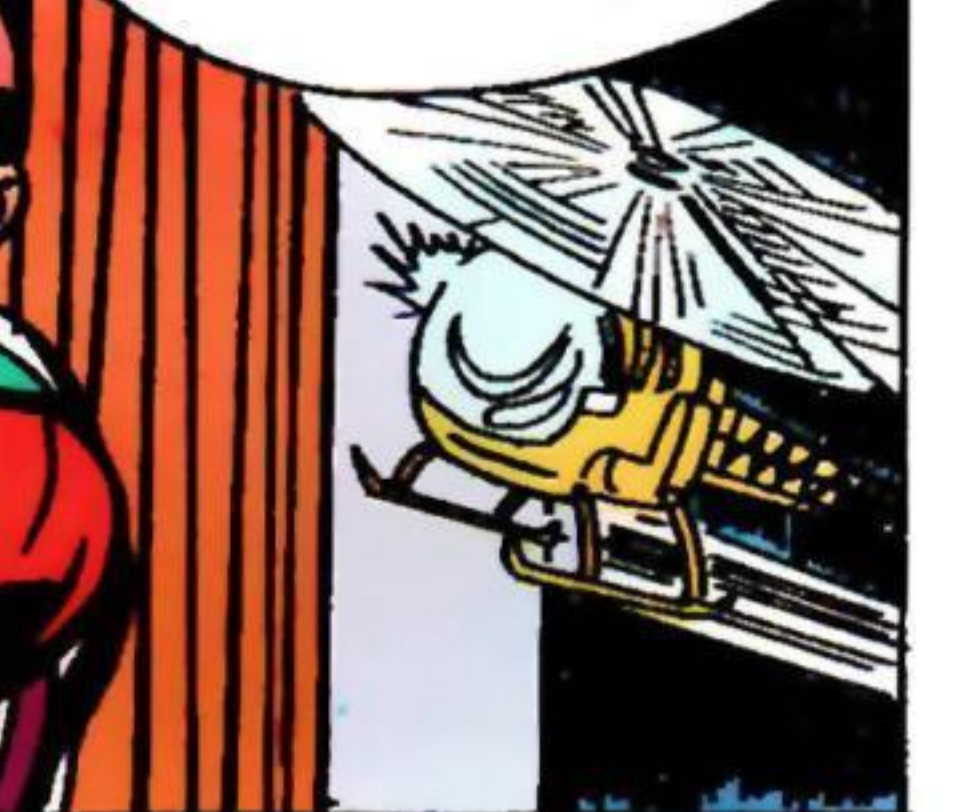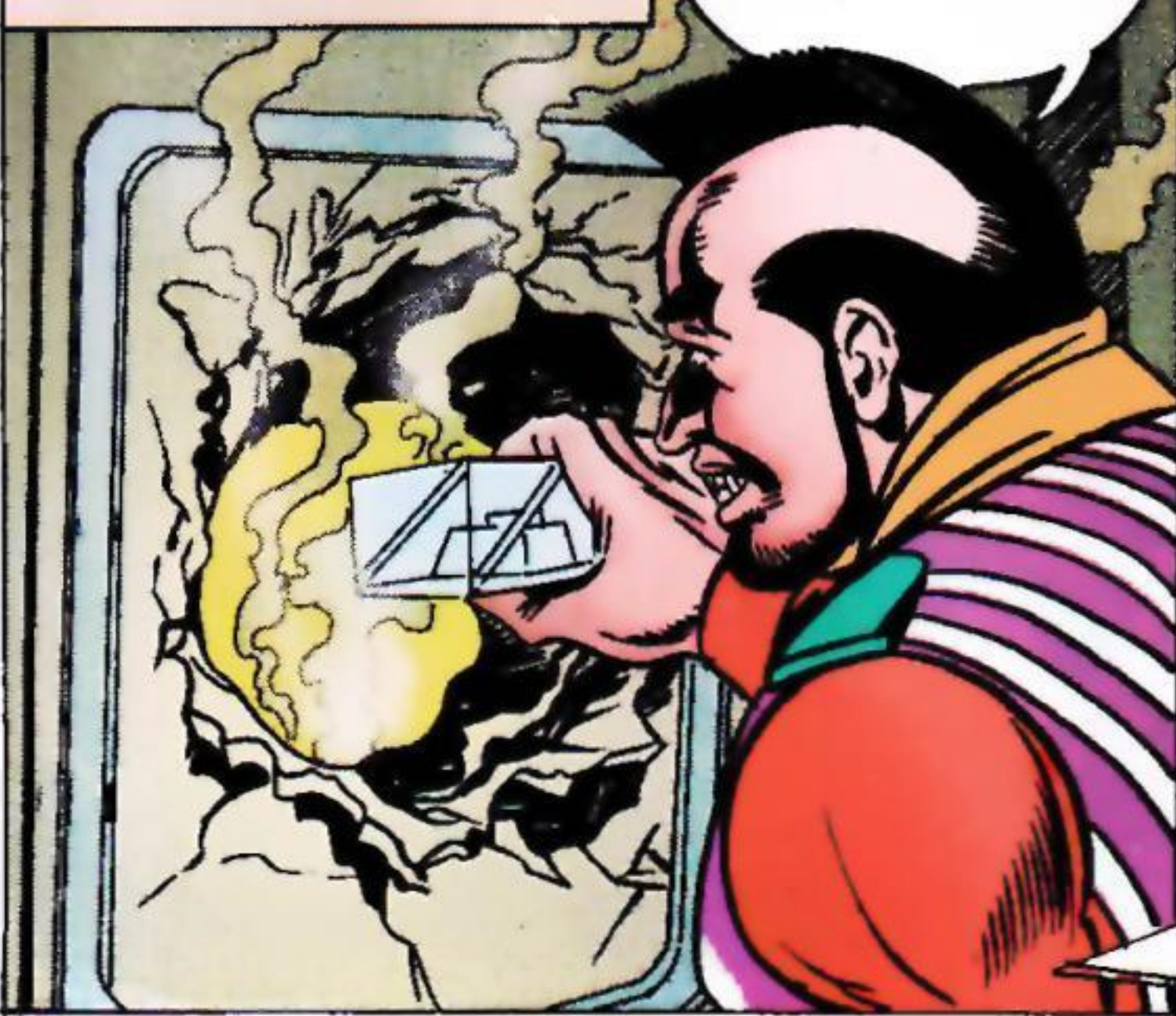
आखिर ये तलवार है किसकी? ओह!

ये निंजाजा की तलवार है बौने...

...और इसकी धार लोहे का खंभा तक काट सकती है। फिर सोच, ये तेरे मांस के बदन का क्या करेगी?

बड़ा बदतमीज है तू निंजाजा! इतना भी नहीं जानता कि बॉस के कमरे में नॉक करके आना चाहिए!
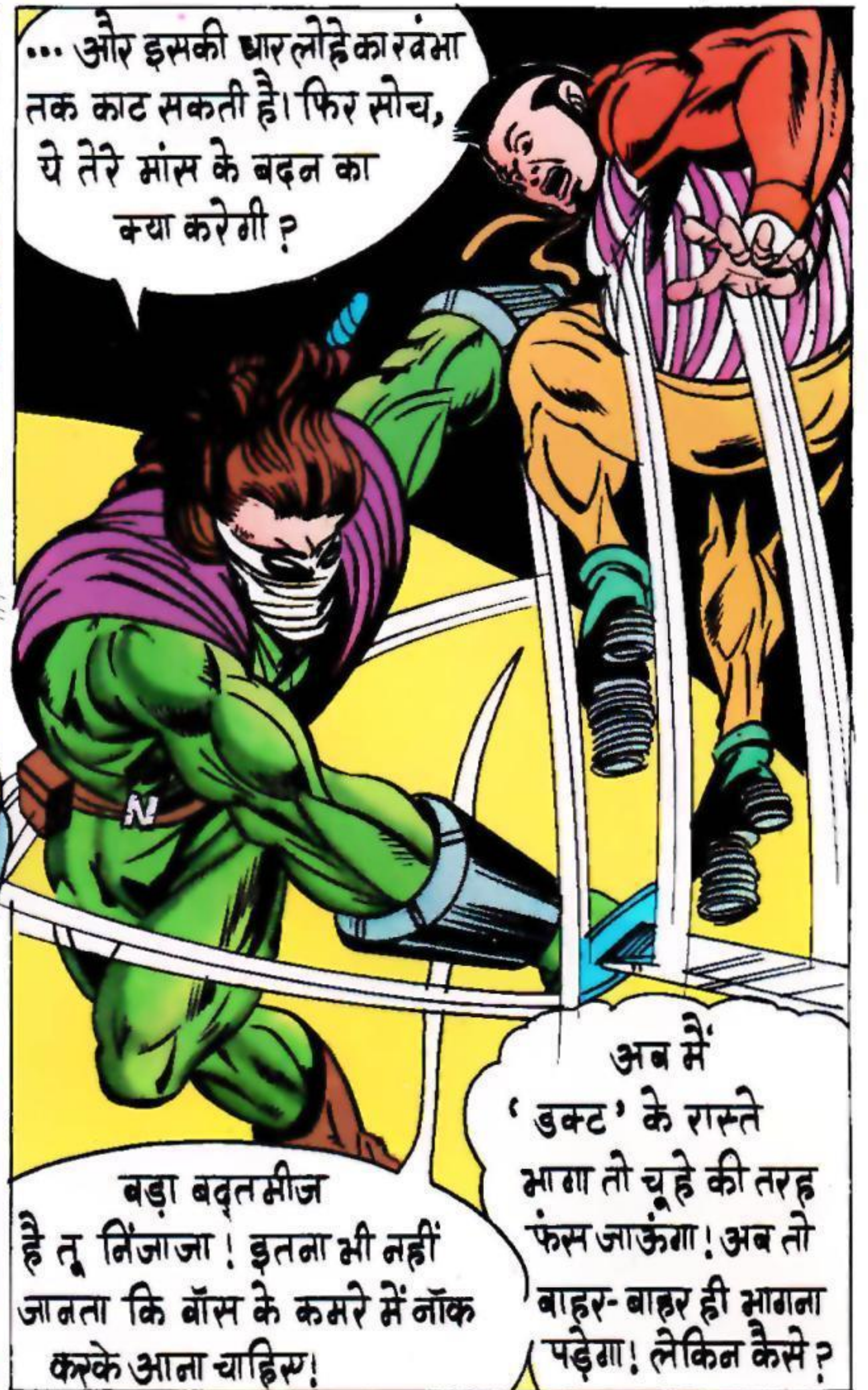
अब मैं 'डक्ट' के रास्ते भागा तो चूहे की तरह फंस जाऊंगा! अब तो बाहर-बाहर ही भागना पड़ेगा! लेकिन कैसे?

और वहां से दूर- वादे के अनुसार ट्रॉनिका ने ध्रुव को उलझाया हुआ था-
तड़ाकक
ओफ! मैंने इसको पकड़ने की ठान ली है, लेकिन इसको पकड़ने का तरीका क्या है? मुझसे तो इसके हेलमेट का शीशा तक नहीं टूट रहा! ये जरूर बुलेटप्रूफ होगा!
और ऊपर से ये मुझ पर ऐसी किरणों का वार कर रहा है, जो लोहे के सरिये तक को पिघला दे रही हैं। नारका जेल के गार्डों के अनुसार यह पानी में कूद-कर भागा था। यानी... यानी पानी भी इसके पुर्जों को खराब नहीं कर सकता ...
... लेकिन... यस! मैं कम से कम इसको थोड़ी देर के लिए अंधा तो कर ही सकता हूं! और वह भी इसकी ही मेहरबानी से!
इस सरिये के पिघले लोहे को...
...इसके हेलमेट के शीशे पर डालकर!
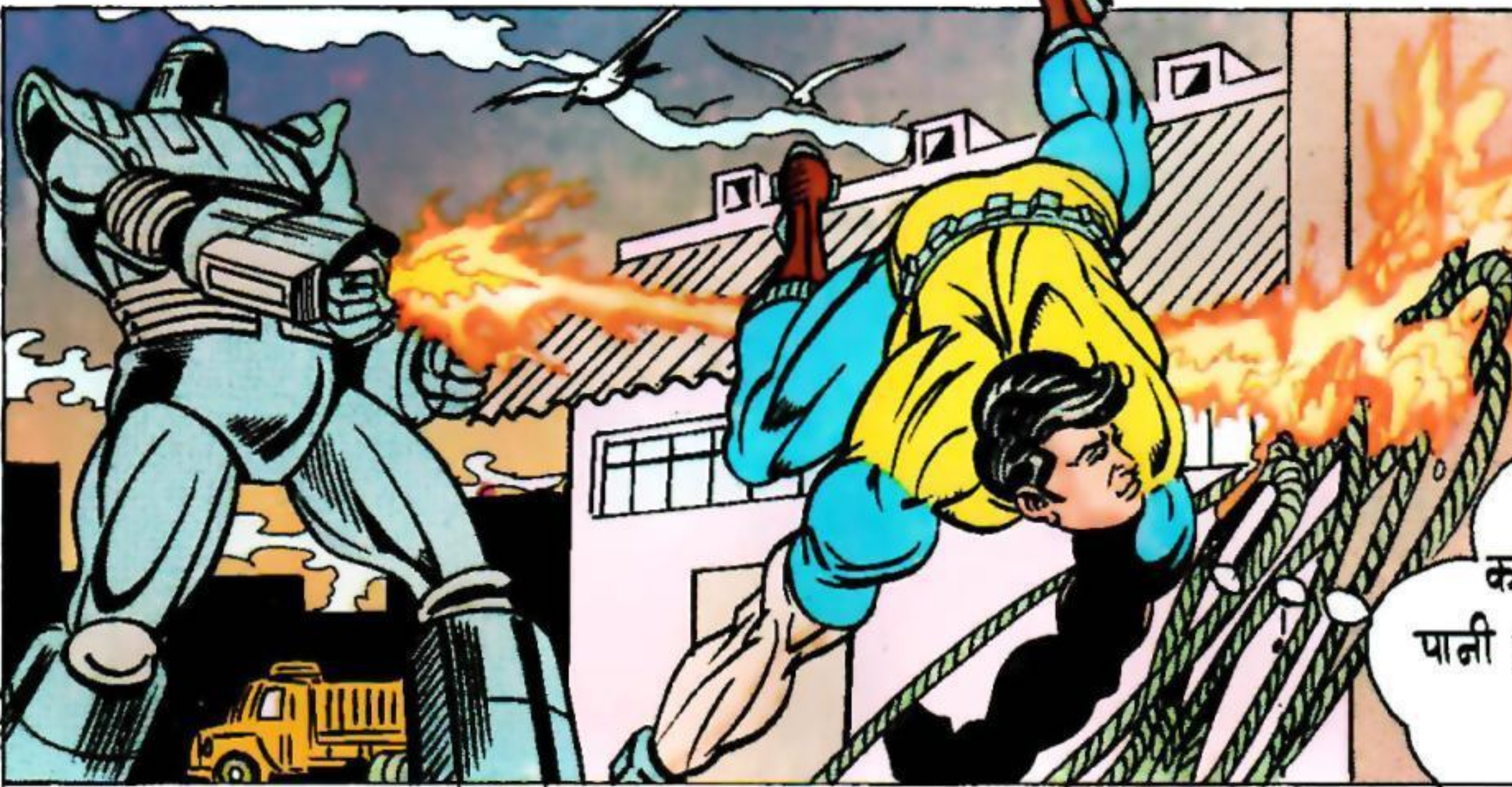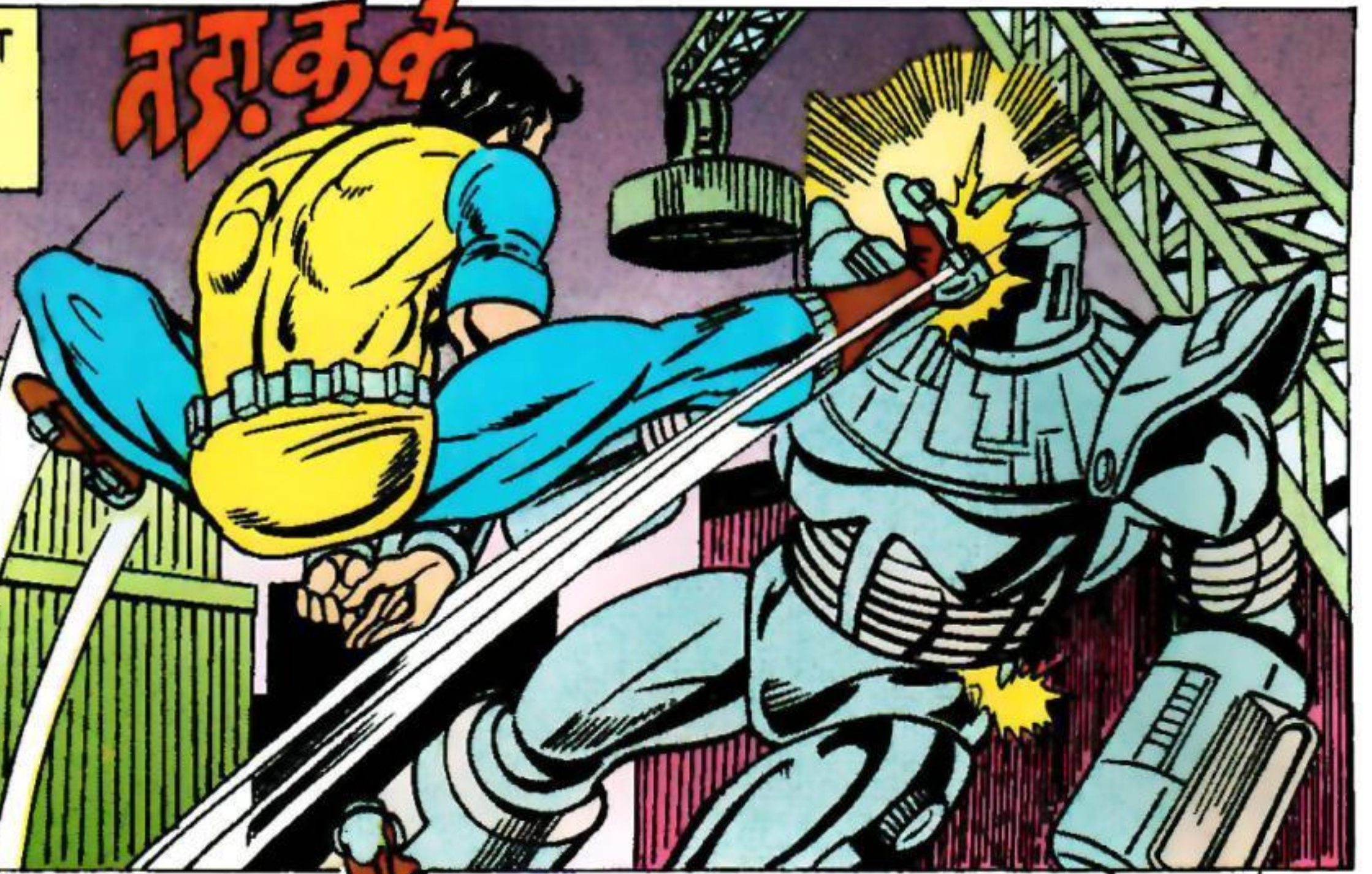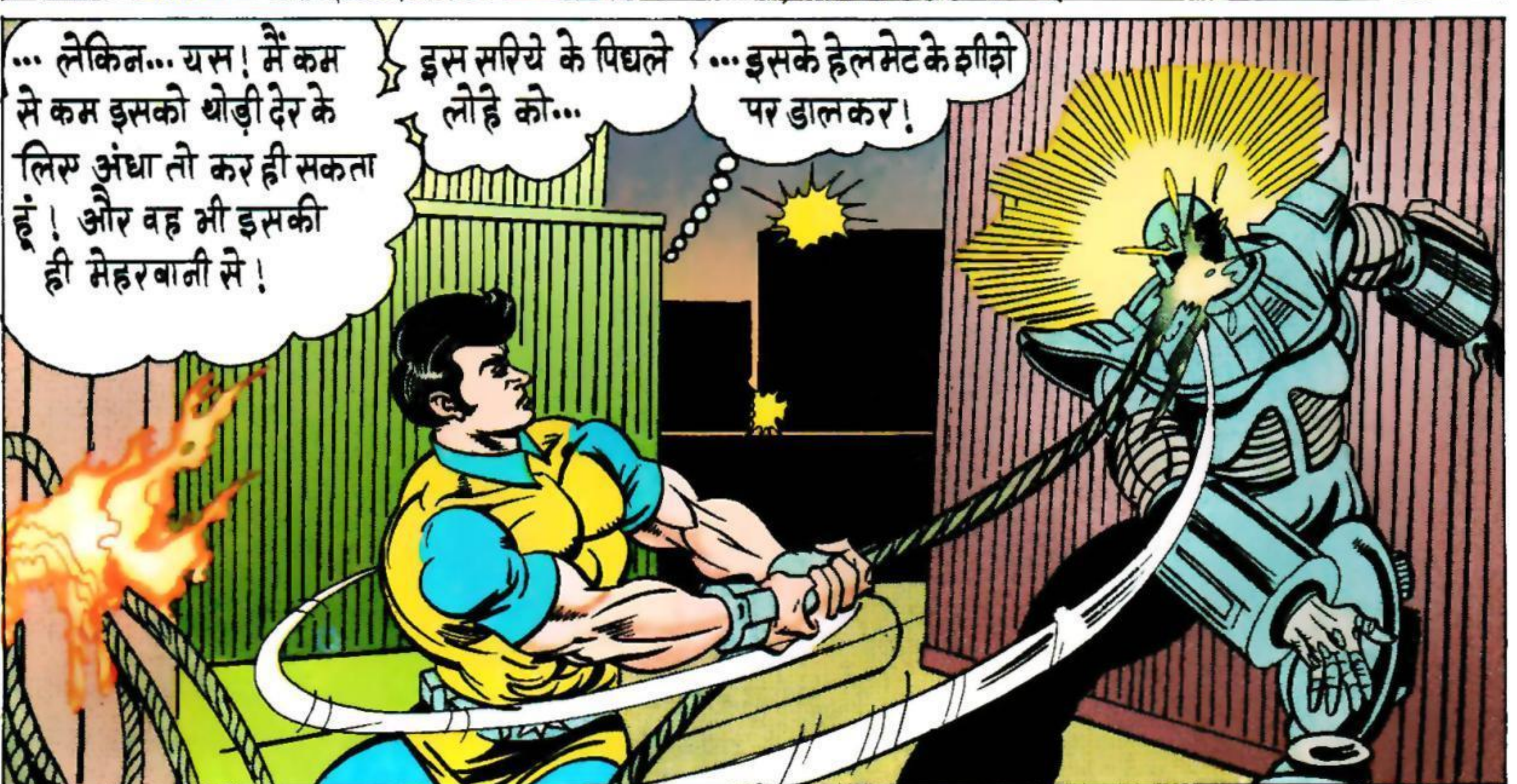
इस इलेक्ट्रो-मेगनेट यानी विद्युत चुंबक के जरिए, जिसका प्रयोग बड़े-बड़े कंटेनर उठाने में किया जाता है। इसके कवच में भी लोहा इतनी मात्रा में तो होगा ही कि चुंबक इसको चिपका सके!
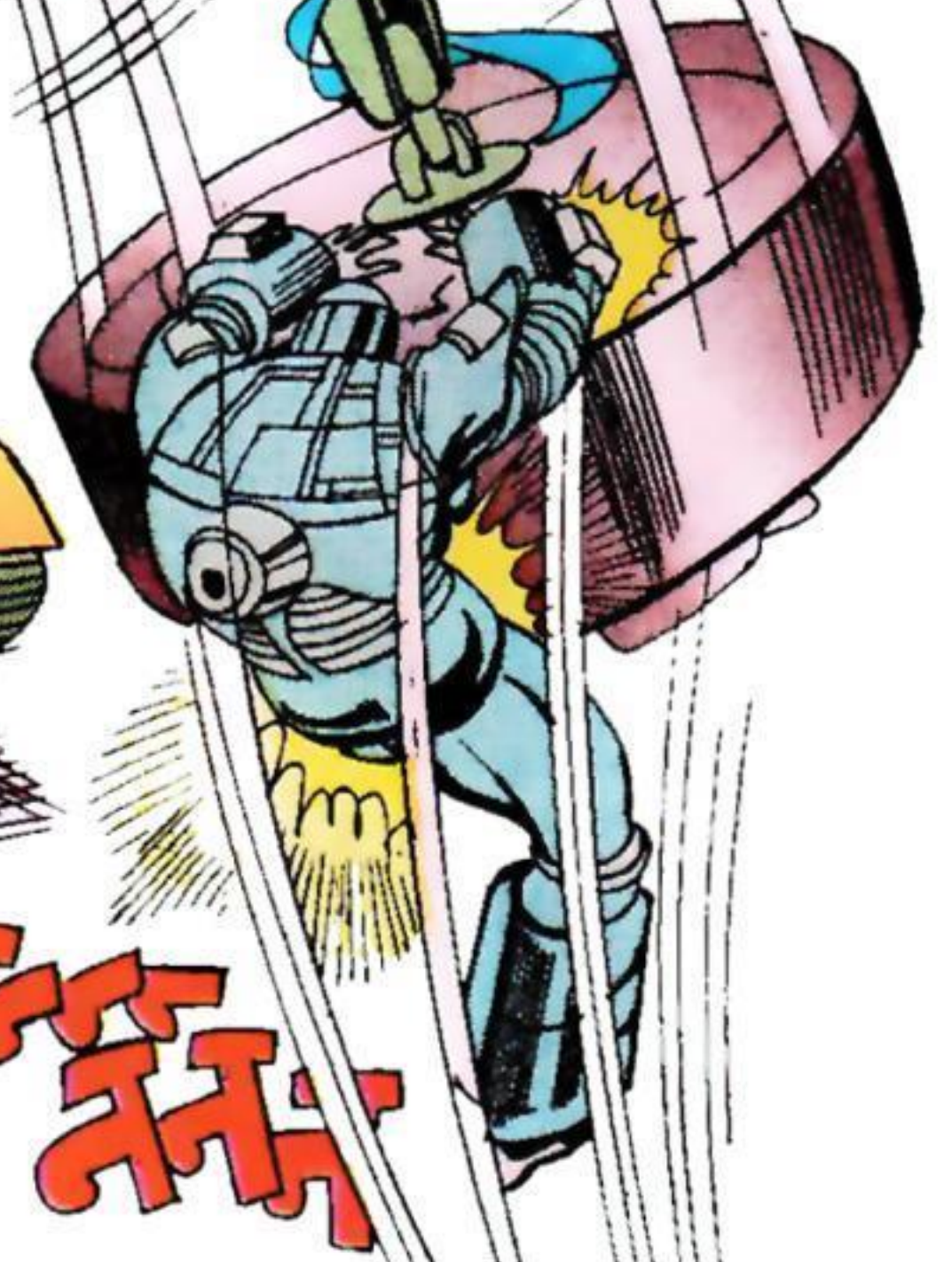
चुंबक, ट्रॉनिका को चिपकाने के साथ, अपनी विद्युत चुंबक तरंगों के कारण उसके इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों में गड़बड़ी भी पैदा कर रहा था-

ध्रुव का प्लान कामयाब तो हो जाता, अगर ट्रानिका उन तारों को न तोड़ देता, जो विद्युत चुंबक को बिजली सप्लाई करके उसे विद्युत चुंबक बनाए हुए थे-

और ध्रुव के लिए मुसीबतों का एक नया दौर शुरू हो गया था-

बौना वामन भी अभी खतरे से बाहर नहीं निकल पाया था-
कड़ाक
ओ भाई! इसने तो मेरा हैलीकॉप्टर तोड़ दिया। मैं इसी के जरिए तो उड़कर बाहर जाने वाला था!
भगवान तो मुझ जैसे पापी की मदद करेंगे नहीं! शायद ये चुड़ैल ही मुझे बचा ले!
चुड़ैल की झाड़ू का निशाना तो सही था-
और उससे निंजाजा को तकलीफ भी हुई-
लेकिन निंजाजा और हराकी की शारीरिक क्षमताओं में काफी फर्क था-
निंजाजा ने अपने शरीर में धंसे तिनकों का वार पलटकर बौना वामन पर ही कर दिया-
इ याऽऽऽऽ मर गया रे! अगली बार से हल्की जलन वाला सॉल्यूशन लगाऊंगा इन तिनको पर!
बौना वामन बेबस तो हो गया था-
लेकिन निंजाजा को इस मौके का फायदा उठाने का मौका नहीं मिला-
धूम
हराकी का रूम ठीक उस लैब के ऊपर था जहां पर अपना काम निपटाकर श्वेता, घर जाने की तैयारी कर रही थी-
कुछ कूदने की आवाजें आ रही हैं! अगर मिस्टर हराकी को डांस करने या रस्सी कूदने की आदत नहीं है तो ऊपर कुछ गड़बड़ हो रही है... और इस गड़बड़ को श्वेता नहीं...
धम्म
धाप
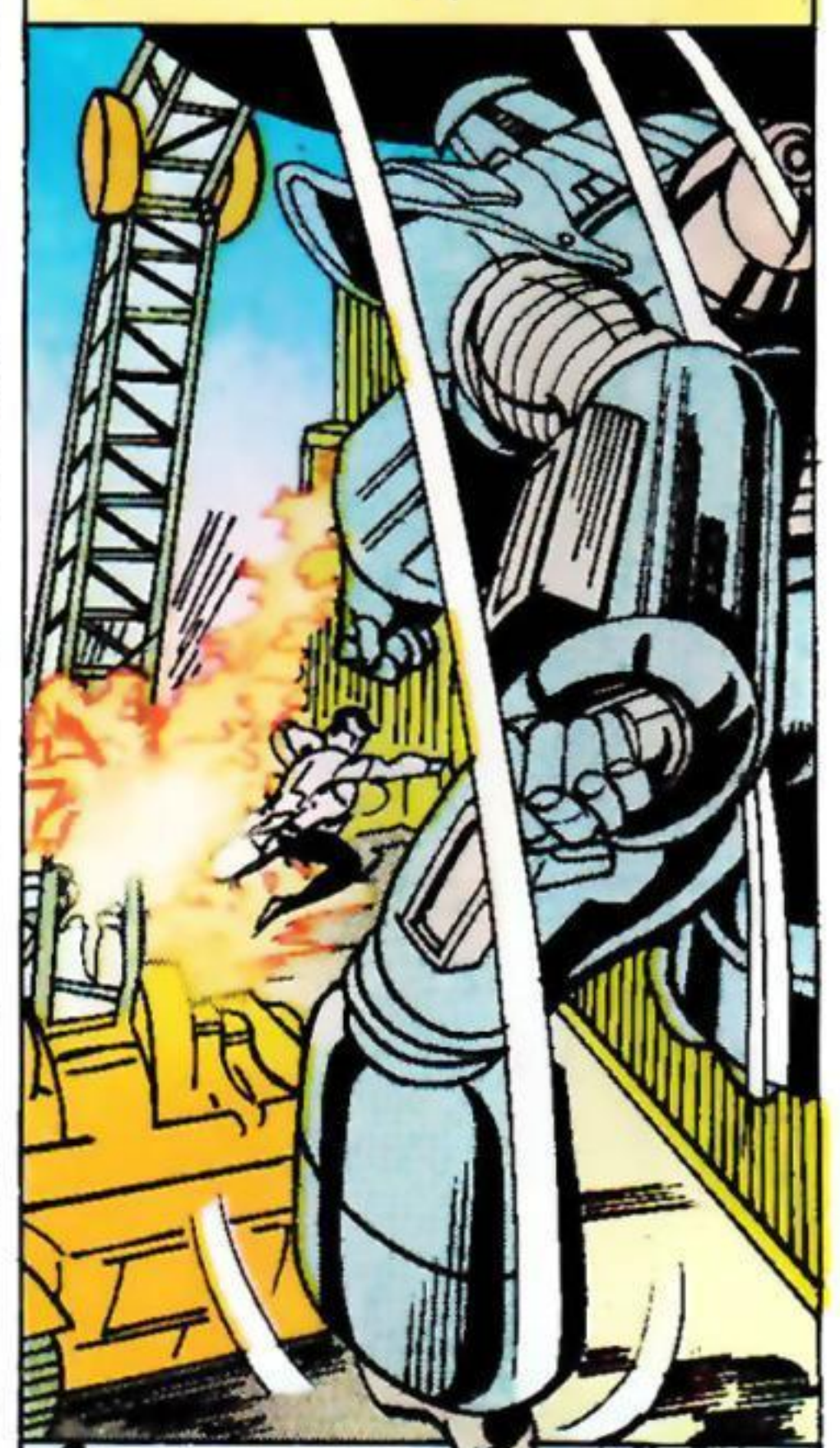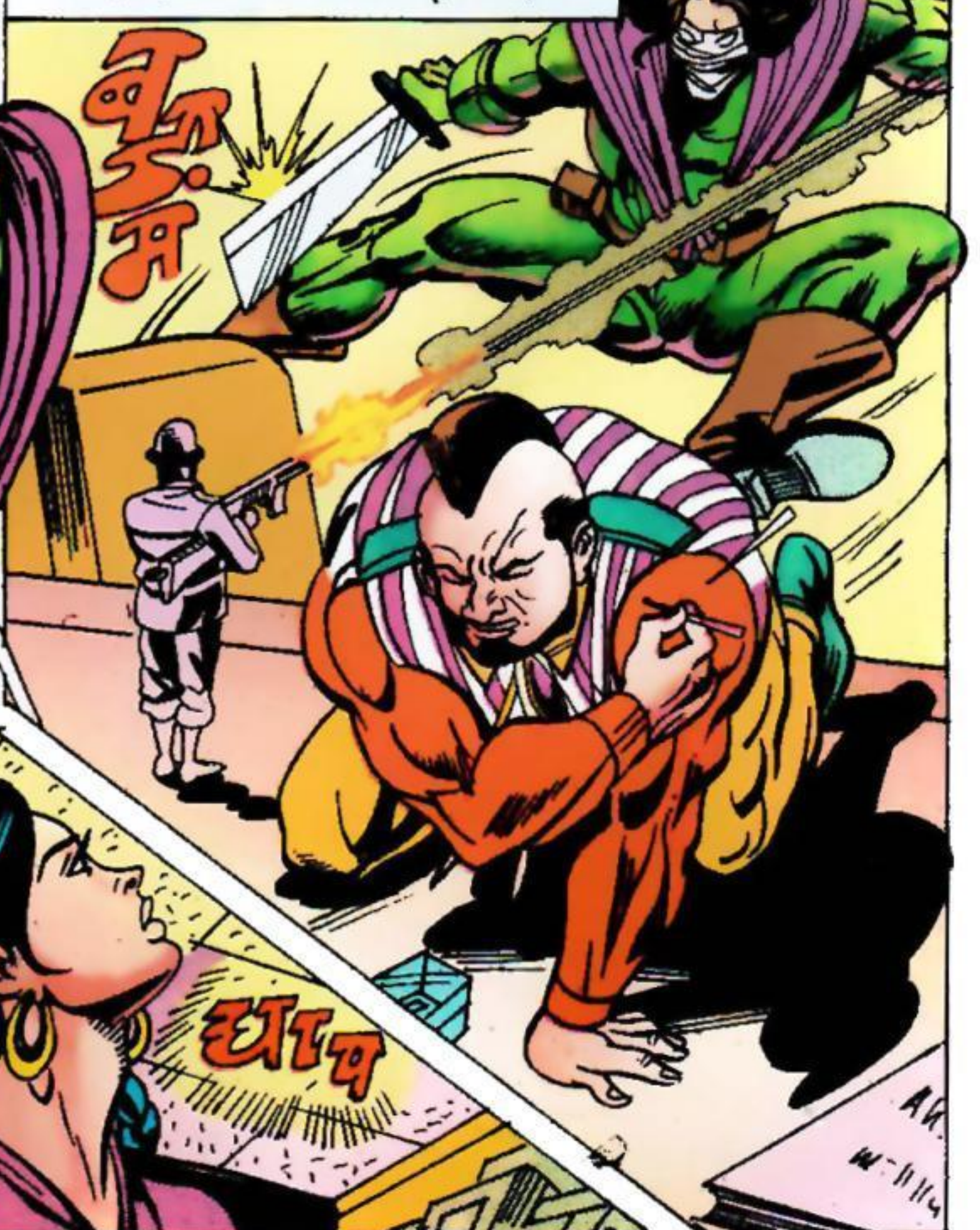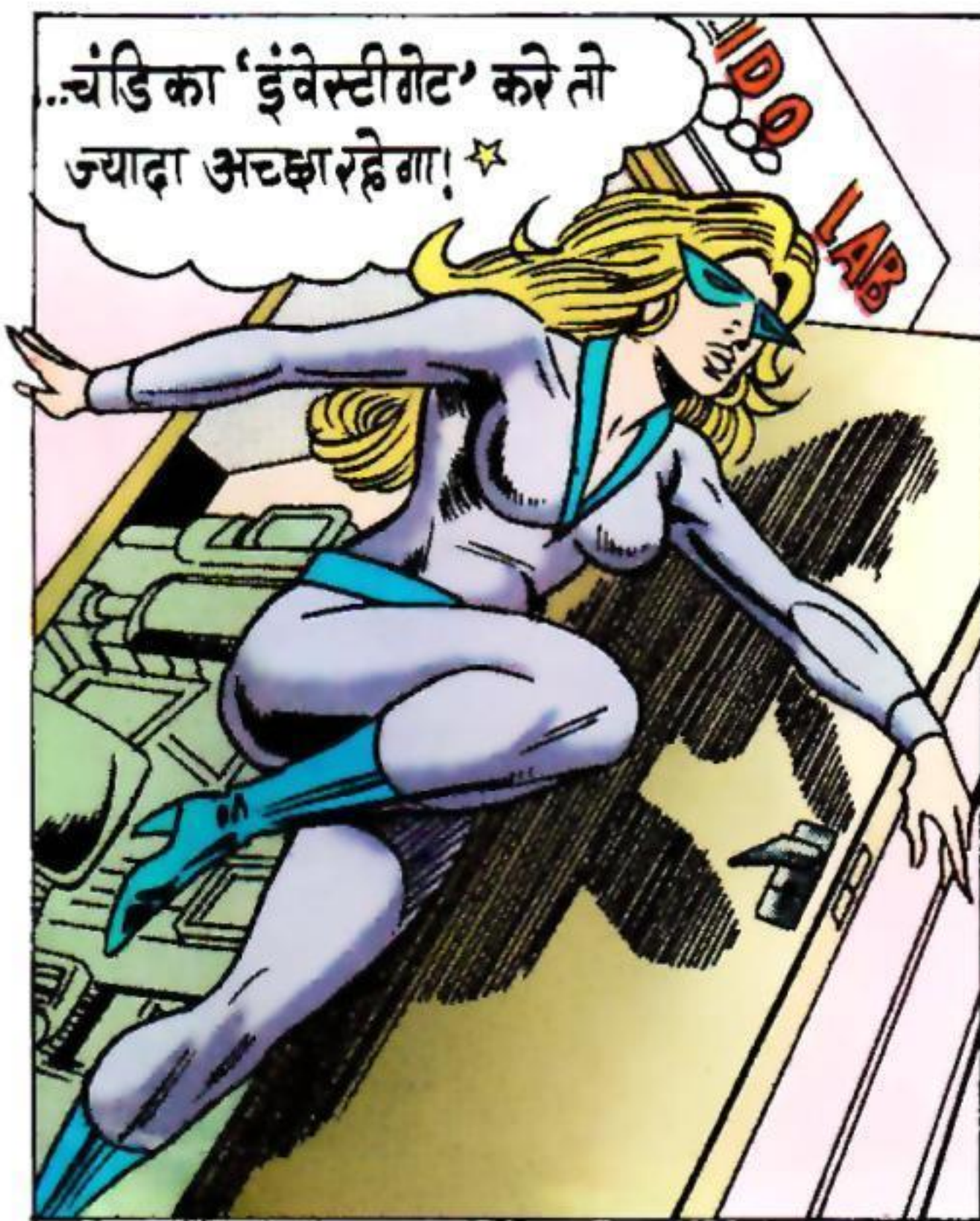
बौना वामन ने ये मौका मिस नहीं किया-

बौना वामन तो चला अपने पैसे वसूलने!

तू मालिक को अस्पताल पहुंचा!

ऐसी भी क्या जल्दी है, बौना डियर...

... जरा अपने पुराने दोस्तों से 'हाय' और 'बॉय' तो करते जाओ! ✫✫

तड़ाक्

चंडिका! तू यहां पर कैसे आ मरी?

मरने तो यहां पर तुम आए हो, वामन! मेरे हाथों से!

धम्मममं
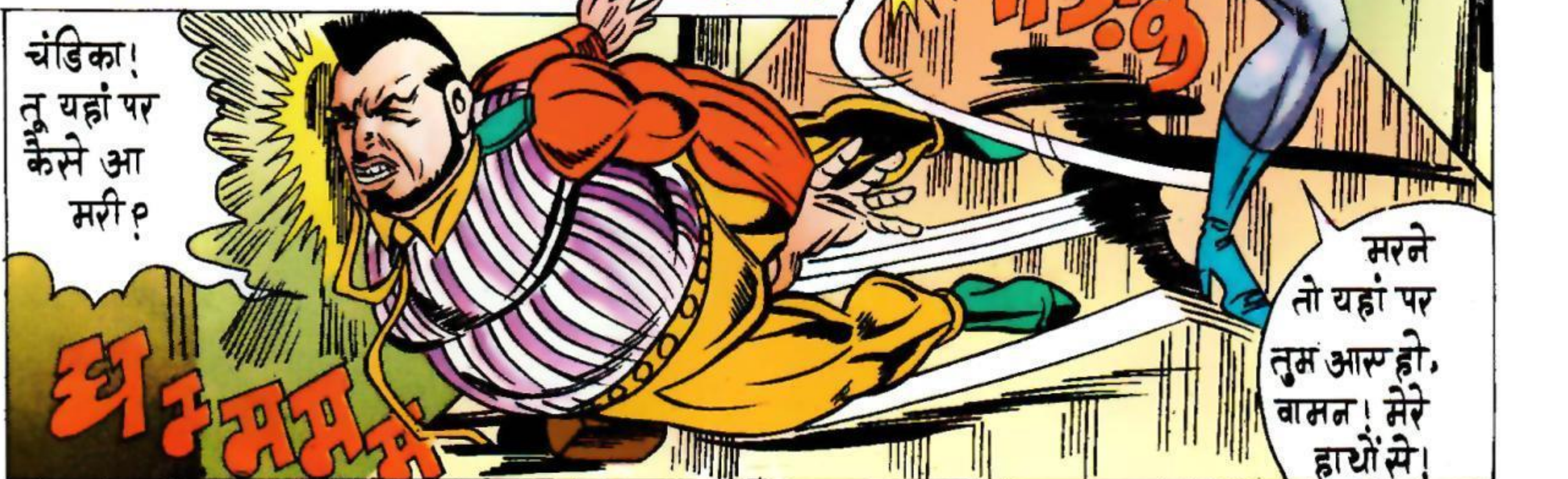
✫ श्वेता, चण्डिका बनने का सामान हमेशा अपने पास रखती है। ✫✫ चण्डिका और बौना वामन की पहली मुलाकात के बारे में जानने के लिए पढ़ें: **खूनी खिलौने**

तभी- यूकाह्वारो इलेक्ट्रॉनिक्स के सुरक्षा गॉर्ड भी घटनास्थल पर आ पहुंचे-
तुम दोनों हिलना मत! वर्ना गोली मार दूंगा! तू खड़ा हो बौने, और दिखा कि तेरे कमर के 'पाऊच' में क्या है?
मैंने कुछ नहीं किया गॉर्ड जी!

ये लड़की तो मुझे ख्वामख्वाह ही पीटे जा रही थी! छोटों को सभी दबाते हैं। मेरे पाऊच में देखो, सिर्फ ये खिलौना है!
रबर का!
रबर का खिलौना!
बस!

बस नहीं है! ये तो एक गुड्डा है! लेकिन ये मामूली गुड्डा नहीं है! इसमें पानी भरा हुआ है। एक छोटा सा हीटर भी लगा है। बटन दबाने से हीटर चलता है! हीटर पानी को भाप बनाता है! ...
... भाप भरने से रबर का गुड्डा फूलता जाता है!
फूलता जाता है। फूलता जाता है!
भागो!

और फिर धड़ाम से फट जाता है!

हा हा हा! अब तू मुझे पकड़ नहीं पाएगी चंडिका!
ये मुझ पर 'गम पिस्टल' से गोंद छोड़ रहा है!
फ्स्स
तुझ पर नहीं! तू तो उछल-उछलकर बच ही जाएगी! मैं दीवार पर गोंद छोड़ रहा हूं!

ताकि तुझे दीवार से चिपका कर भाग सकूं!
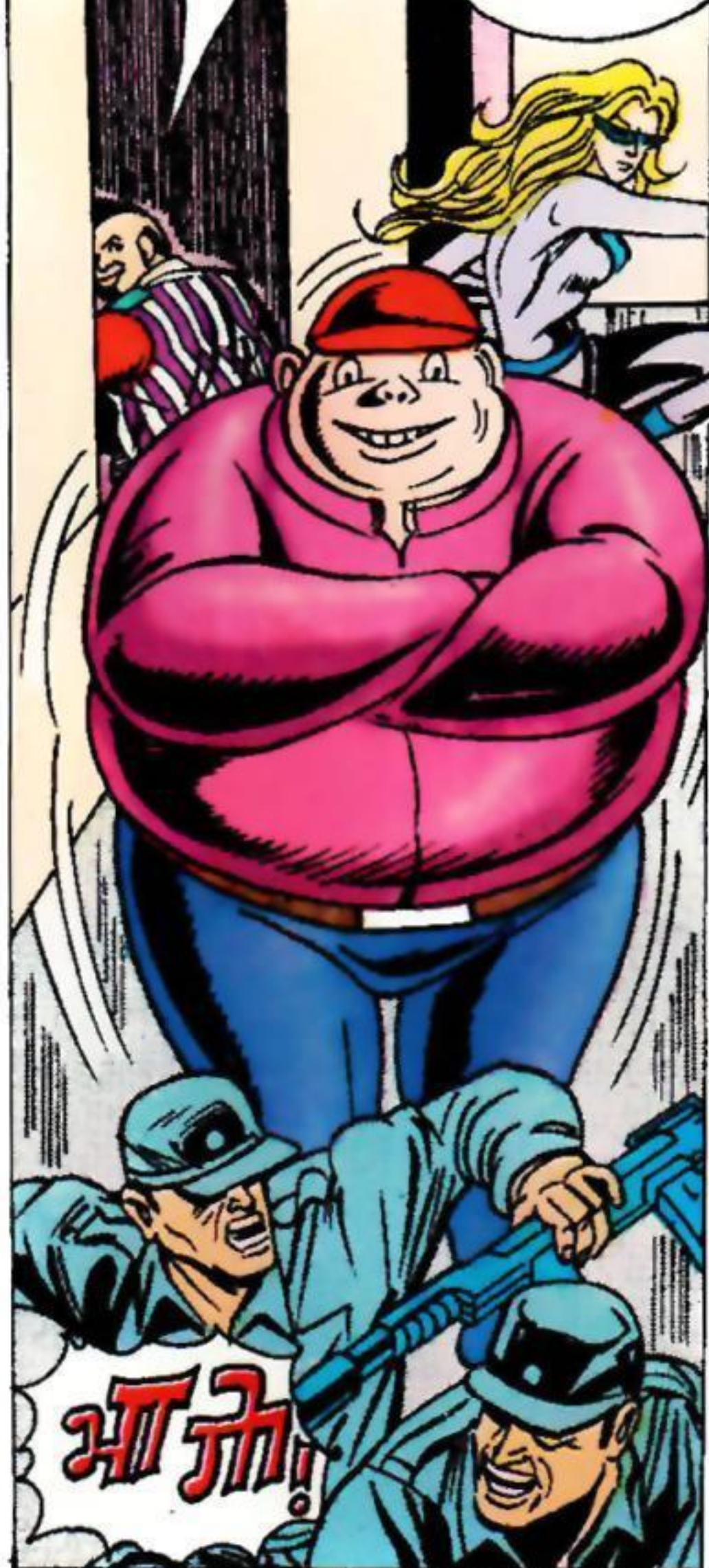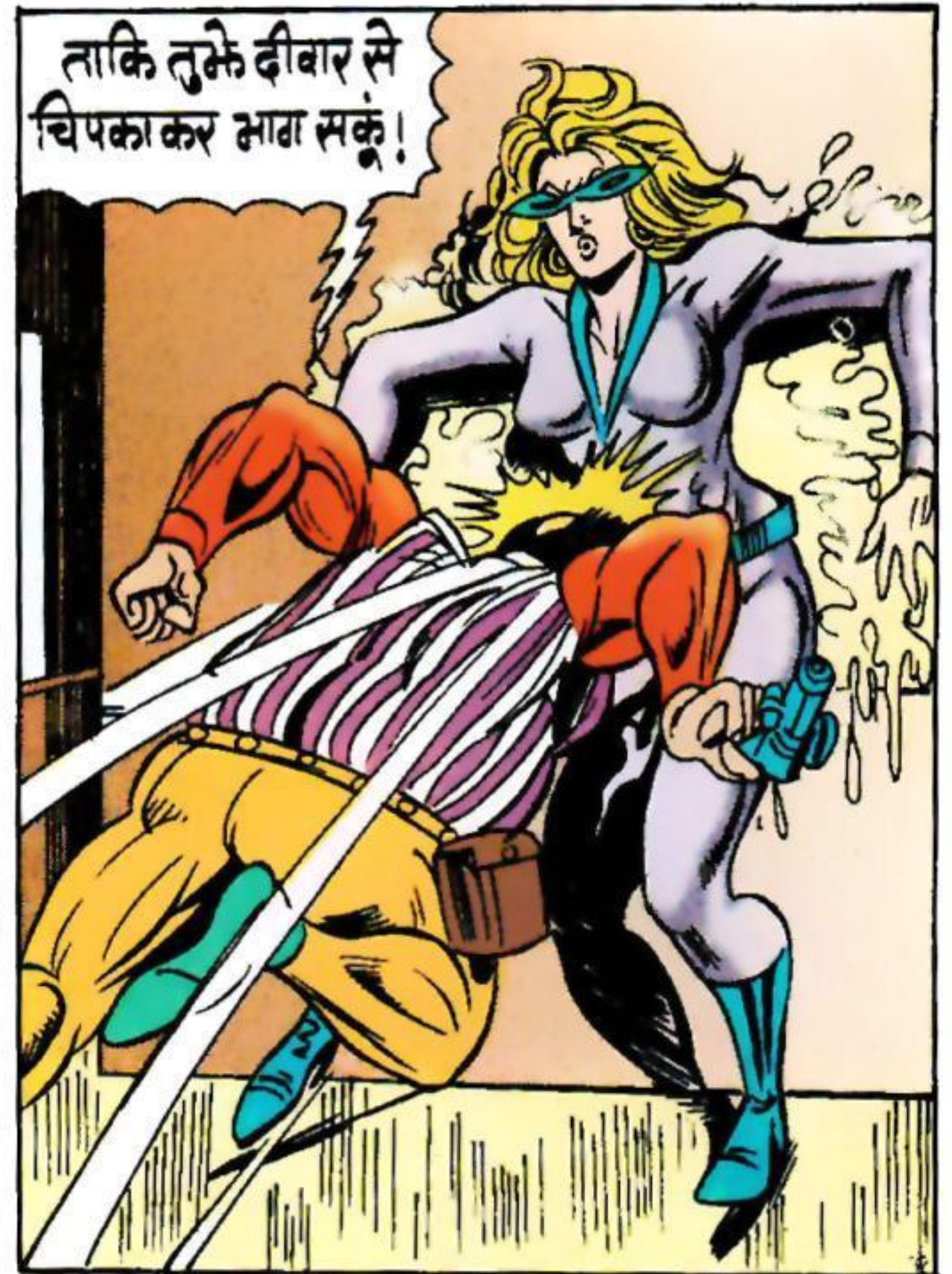
ओफ! ये बौना क्या कर गया! इसके गोंद ने मेरी पोशाक के अन्दर घुसकर पोशाक को भी मेरे शरीर से चिपका दिया है! वर्ना मैं शर्म छोड़कर पीठ और हाथ का कपड़ा फाड़ कर ही आजाद हो जाती!
अब तो एक ही तरीका बचता है!...

...कि मैं दीवार का प्लास्टर तोड़कर आजाद हो जाऊं!
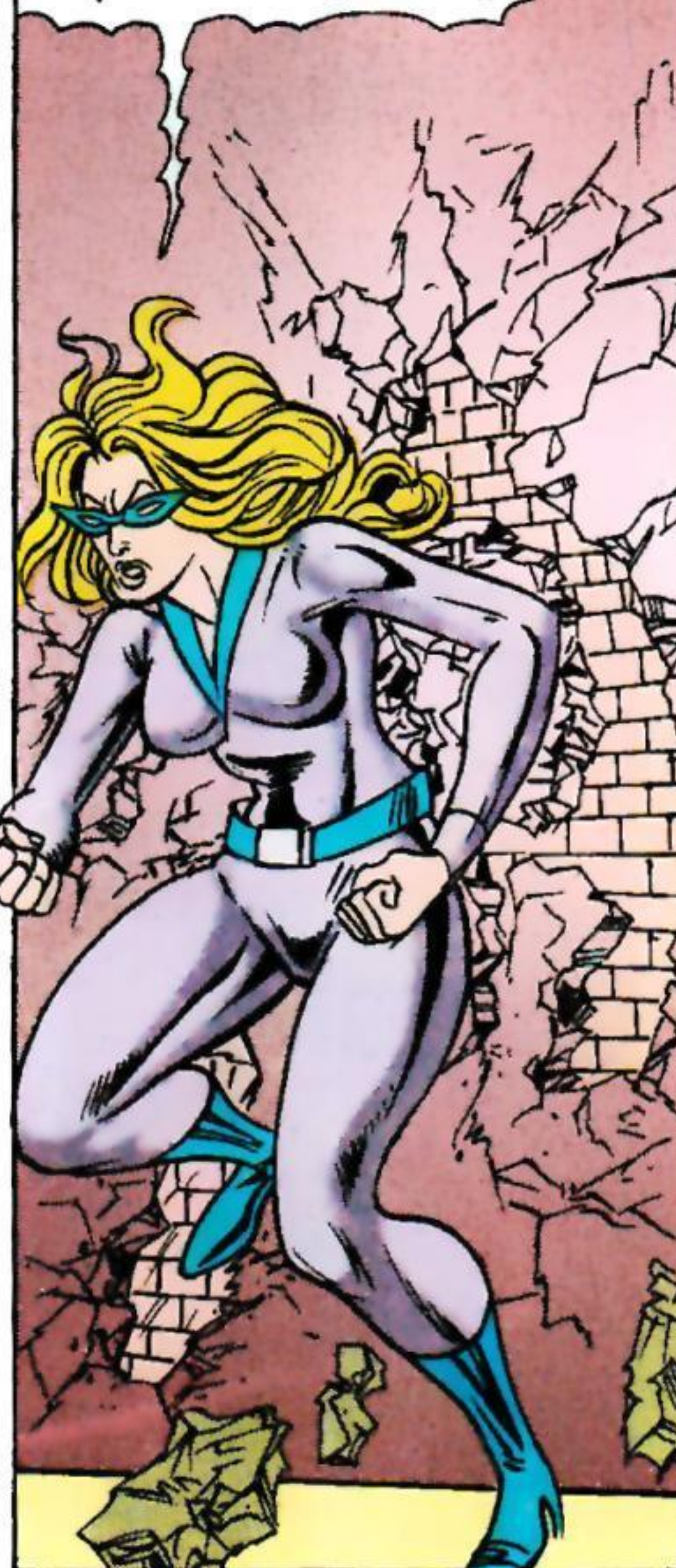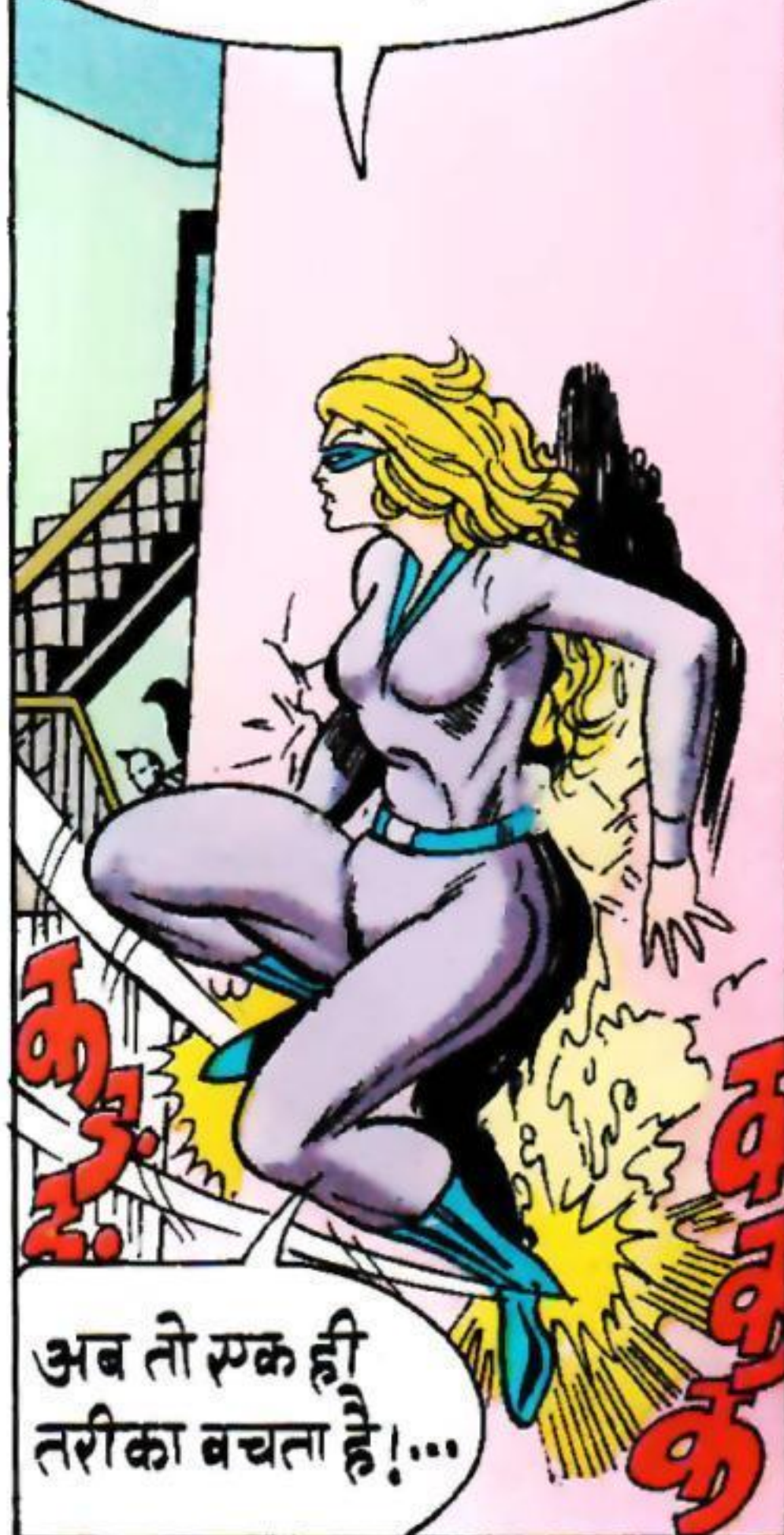
इतनी देर में बौना वामन कई मंजिल नीचे पहुंच चुका था! और अब चंडिका उस तक शायद नहीं पहुंच सकती थी-
3rd FLOO
या पहुंच सकती थी-
रेलिंग पर फिसलती चंडिका ने शीघ्र ही बौना वामन को जा पकड़ा-

चंडिकाssss
मुझसे पंगा मत ले! वर्ना तुझे न तो स्वर्ग पहुंचाऊंगा और न ही नर्क! बीच में झुला कर रख दूंगा!
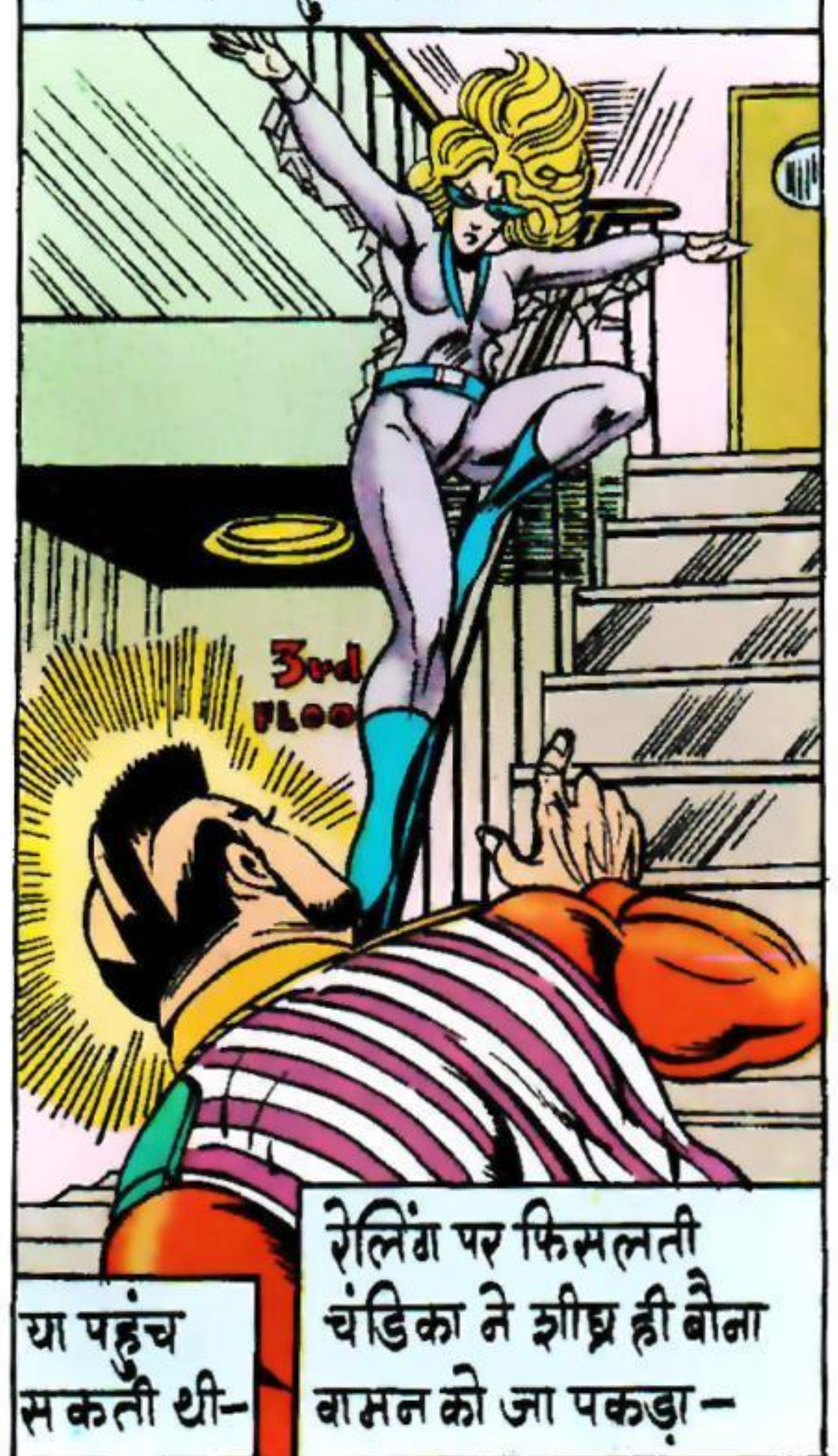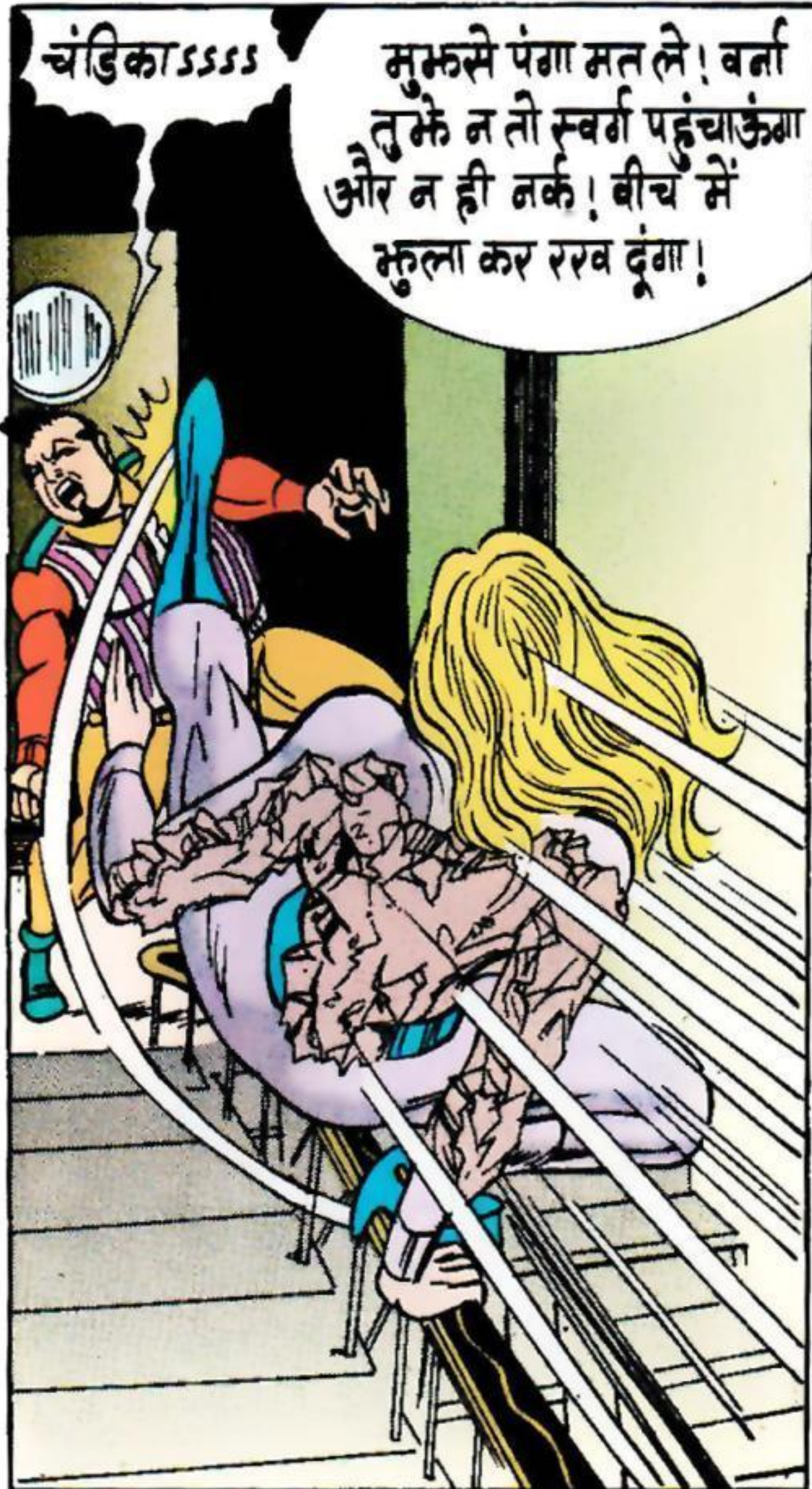
वैसे तो मैं तुझसे रुककर जरूर लड़ता, पर क्या करूं? मजबूरी है! पैसा कलेक्ट करने जो जाना है!
बेल्ट का एक बटन दबते ही बौना वामन की पोशाक फूलनी शुरू हो गई-

और बौना वामन और तेजी से भागने लगा-
ओह! अब यह गेंद बनकर लुढ़कता हुआ भाग रहा है!
ऐसे तो यह उस खुले दरवाजे से बाहर निकल जाएगा!
GROUND FLOOR
भूतल
धप्प
धप्प
धम
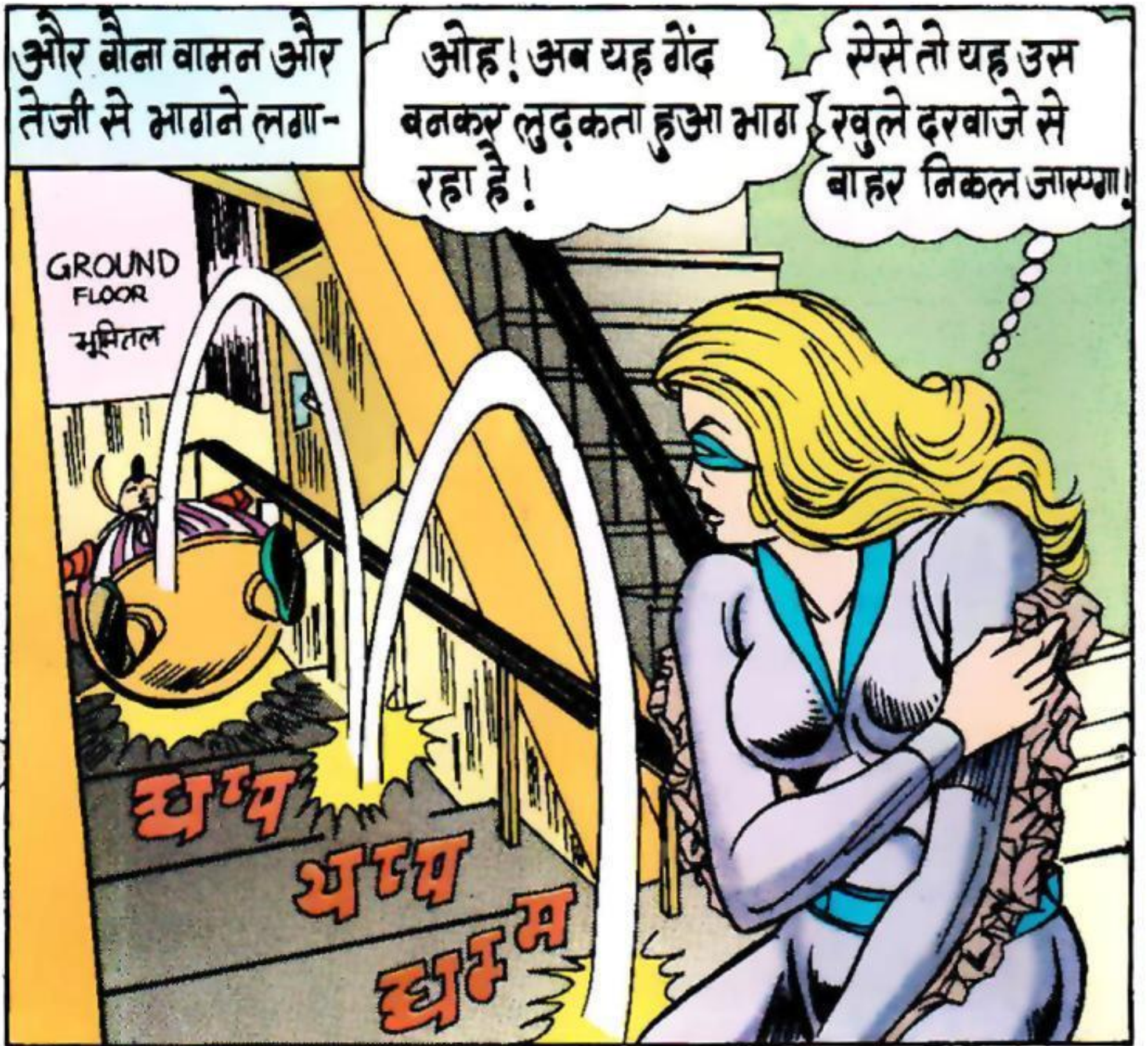
लेकिन तब जब दरवाजा खुला रहेगा! मैं अपनी पोशाक में चिपके इस प्लास्टर के टुकड़े से निशाना साधकर दरवाजे को बन्द कर सकती हूं!

और उसके बाद आराम से इस बंद जगह पर बौना वामन से फुटबाल खेल सकती हूं!
अरे, अरे! क्या कर रही है? मुझे चक्कर आ रहा है!
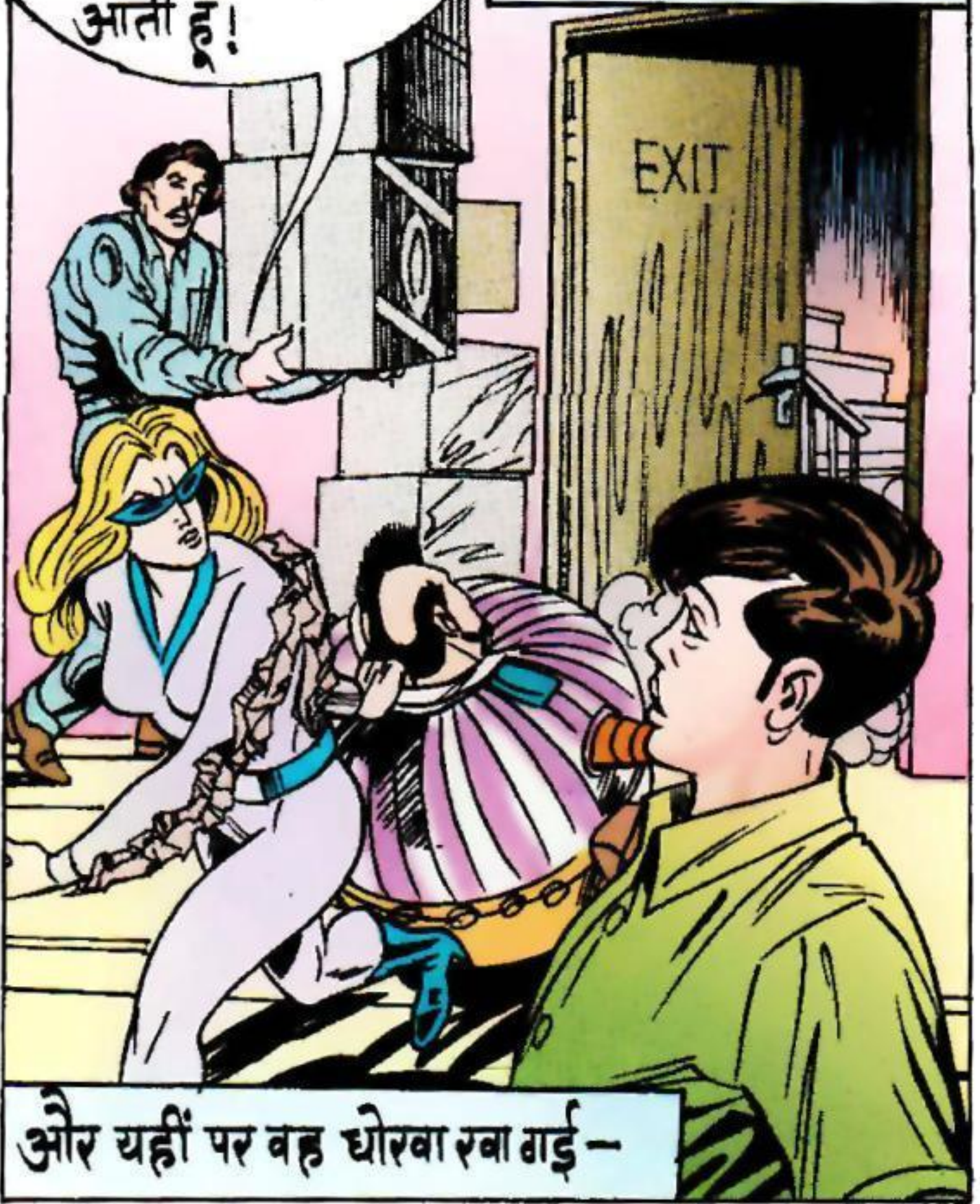
आऽऽहाऽऽऽ! बाहर की ताजी हवा सचमुच बड़ी फायदेमंद होती है! मेरा सिर चकराना बन्द हो गया है! अब मैं चलता हूं, चंडिका!

बौना वामन के गुब्बारे से गोल शरीर से हवा का एक तेज जेट निकलने लगा-

और देखते ही देखते बौना वामन बहुमंजिली इमारतों की ऊंचाइयों को छू रहा था-

हा हा! देखा चंडिका! बौना वामन एक न एक ट्रिक हमेशा बचाकर रखता है!

ओफ! ये मुझे मूर्ख बना गया! मैंने इससे इस हरकत की उम्मीद नहीं की थी!
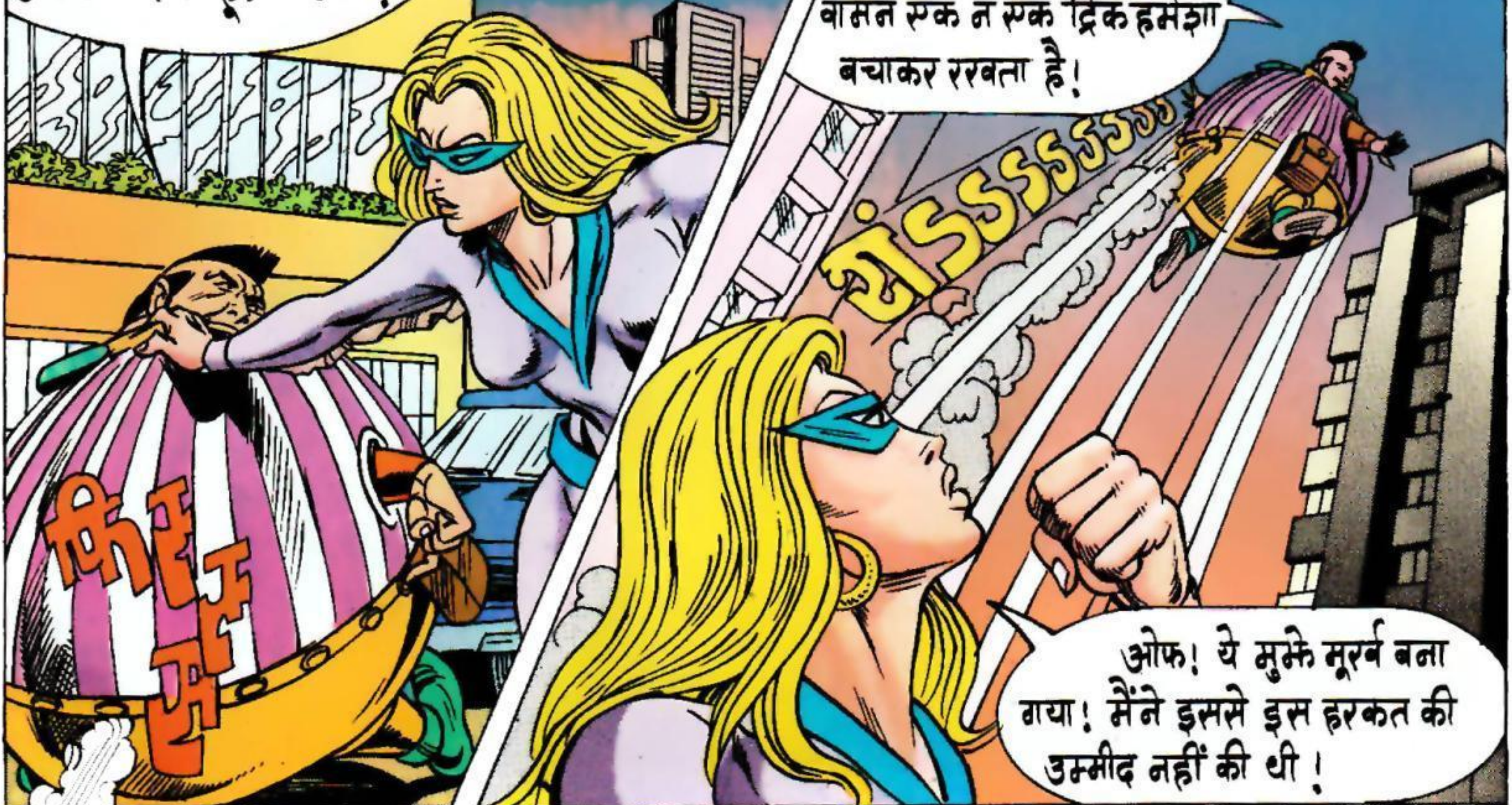
लेकिन मुझे इस बात की आशंका तो थी कि बौना वामन शायद मेरे हाथों से बचकर भागने में कामयाब हो जाए। इसीलिए मैंने उस पर एक 'माइक्रोलोकेटर' चिपका दिया है! अब मुझे घर जाकर सिर्फ उस रिसीवर को लेना है जो उस 'माइक्रो लोकेटर' के सिगनलों को ग्रहण करता है। उससे मुझे तुरन्त पता चल जाएगा कि बौना वामन इस वक्त कहां पर है?
घर की तरफ रवाना हो रही चंडिका उर्फ श्वेता को इस बात का जरा भी आभास नहीं था...
...कि ऊपर यूकाहारो टॉवर्स में एक अनहोनी घट चुकी है-
ओह नो! मुझे इस बात की आशंका थी। इसीलिए मैंने चौबीस घंटे मिस्टर हराकी के पास रहने का प्रोग्राम बनाया था!
लेकिन... लेकिन मिस्टर हराकी को हुआ क्या है डॉक्टर कुजामो?
ही इज डेड!
ये मर चुके हैं!
एक तेज दिल के दौरे से! शायद 'माइक्रोचिप' की चोरी इनसे बर्दाश्त नहीं हो सकी!
नहीं!
निंजाजा आज पहली बार अपने एसाइनमेंट में फेल हुआ है। लेकिन मैं इसका प्रायश्चित करूंगा! जरूर करूंगा! उस शैतान बौने के टुकड़े-टुकड़े करके! मैं उसे ढूंढ़कर उसकी हस्ती मिटा दूंगा! और उसे भी मिटा दूंगा, जो मुझे इस काम को करने से रोकने की कोशिश करेगा!
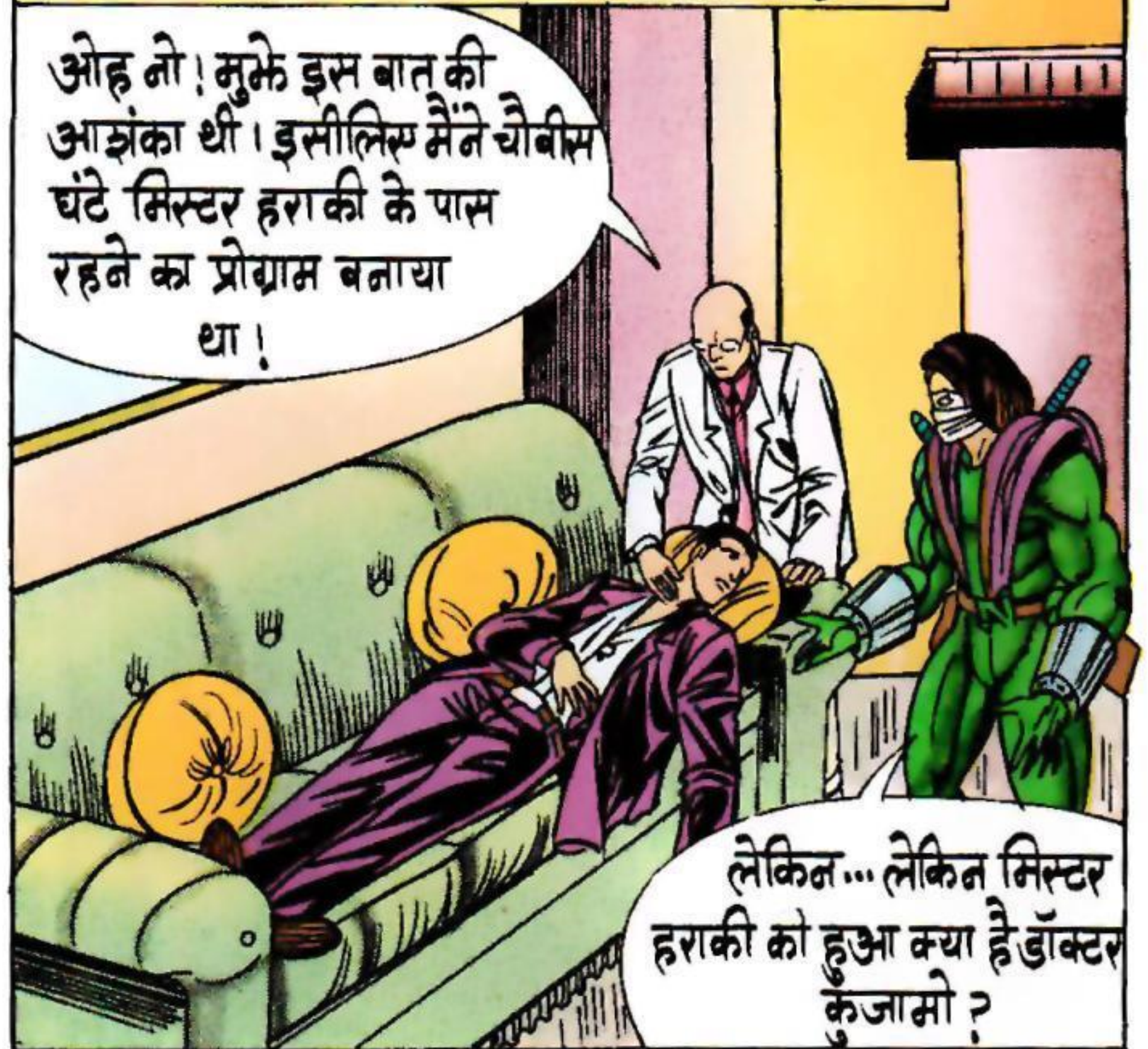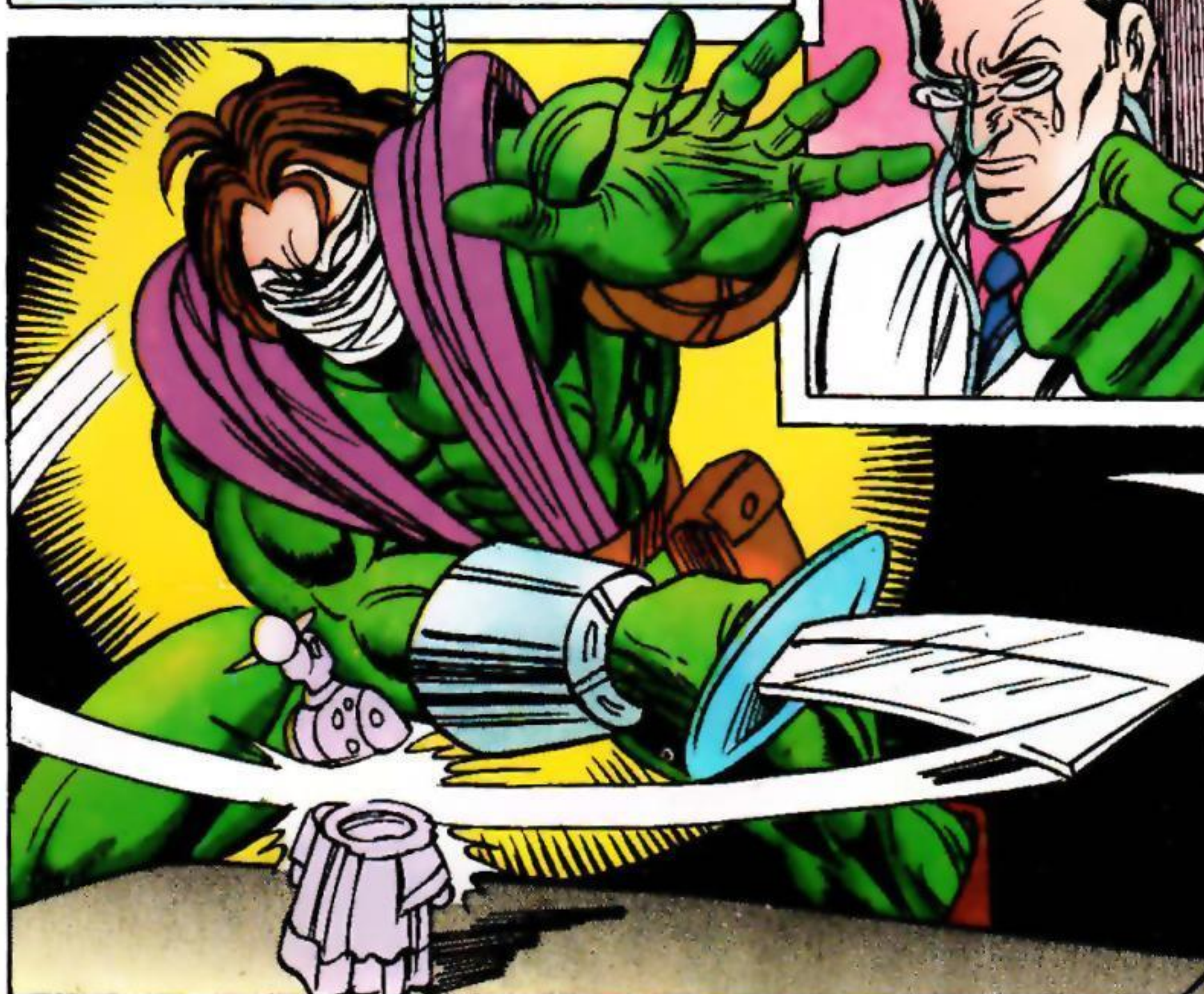
इस पूरे घटनाक्रम से ध्रुव को दूर रखने की साजिश कामयाब हो गई थी! क्योंकि 'यूकाहारोटॉवर्स' से दूर, ध्रुव अभी तक ट्रॉनिका से ही उलझा हुआ था–
विद्युत चुंबक मेरी एक मात्र उम्मीद था, और वह भी नाकामयाब हो गया! अब तो इसके सामने ज्यादा देर तक ठहरना भी मुश्किल लग रहा है। अगर चुंबक काम कर जाता तो...
तड़ाक
...आहा! ये कॉपर का मोटा तार! ये शायद मेरी मदद कर सके! लेकिन इसके लिए मुझे ट्रॉनिका को लगभग आधे मिनट के लिए असंतुलित करना पड़ेगा!
और यह काम ज्यादा मुश्किल नहीं होना चाहिए!
इस बार ट्रॉनिका के आगे बढ़ते ही ध्रुव ने उसके पैरों के नीचे अपना रोलर स्केट्स सरका दिया–
और ट्रॉनिका अपना संतुलन खोकर नीचे आ गिरा–
और उसी पल ध्रुव 'कॉपर वॉयर' का एक छोर पकड़कर–
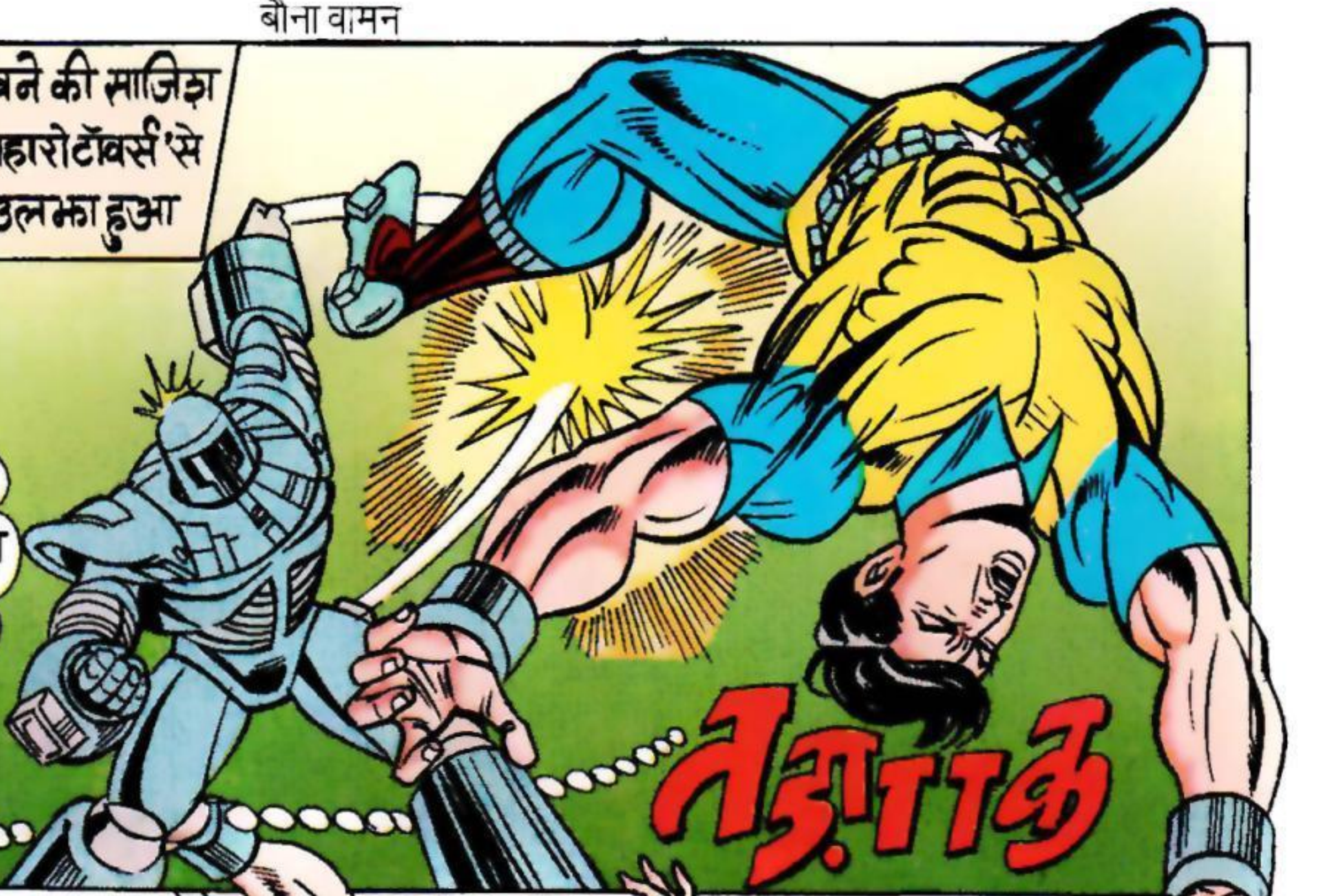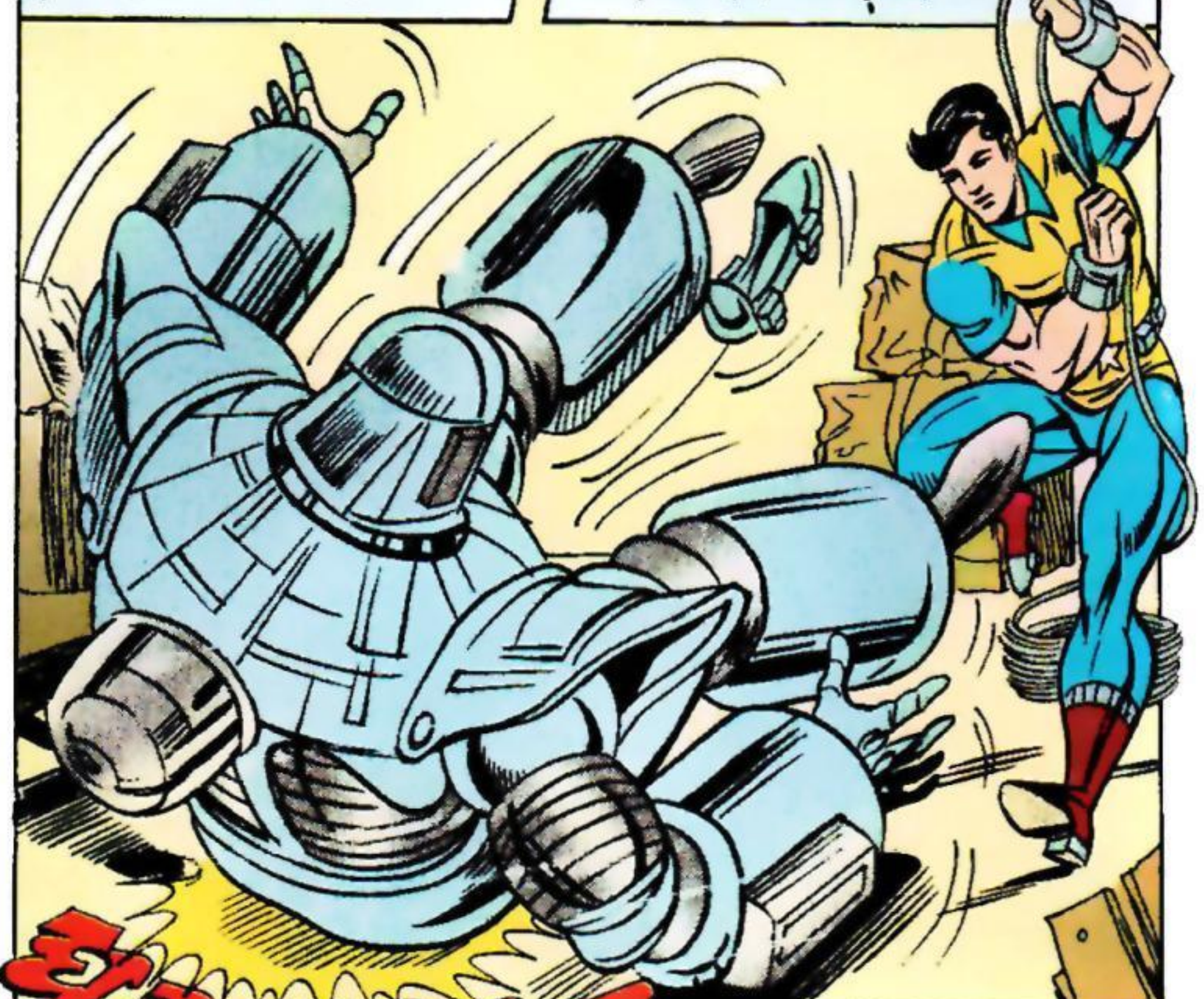
ट्रॉनिका के चारों तरफ कई चक्कर लगा गया-
और ट्रॉनिका के शरीर पर तार की एक कुंडली कस गई-
और इससे पहले कि ट्रॉनिका, मोटे तार के बंधनों को तोड़ पाता-

ध्रुव ने कॉपर वायर के दोनों छोरों को क्रेन के उसी जेनरेटर से जोड़ दिया, जो विद्युत चुंबक को बिजली सप्लाई कर रहा था-
मेरा यह प्लान इस बात पर निर्भर करता है कि ट्रॉनिका के वार से इस क्रेन का जेनरेटर न खराब हुआ हो! वर्ना... ओह, जेनरेटर काम कर रहा है!

जेनरेटर द्वारा तारों की कुंडली में बिजली दौड़ते ही ट्रॉनिका का लौह- शरीर खुद एक चुंबक की तरह काम करने लगा-
और ट्रॉनिका द्वारा तोड़-फोड़ करने के कारण फैली लोहे की हर चीज उसके शरीर की तरफ आकृष्ट होने लगी-

और कुछ ही पलों बाद ट्रॉनिका का शरीर लोहे के एक बड़े से ढेर के नीचे दबा हुआ था-
आहा! अब आया है ऊंट पहाड़ के नीचे! अब जब तक 'कॉपर क्वायल' में करेंट दौड़ता रहेगा, तब तक यह ऐसे ही दबा रहेगा!
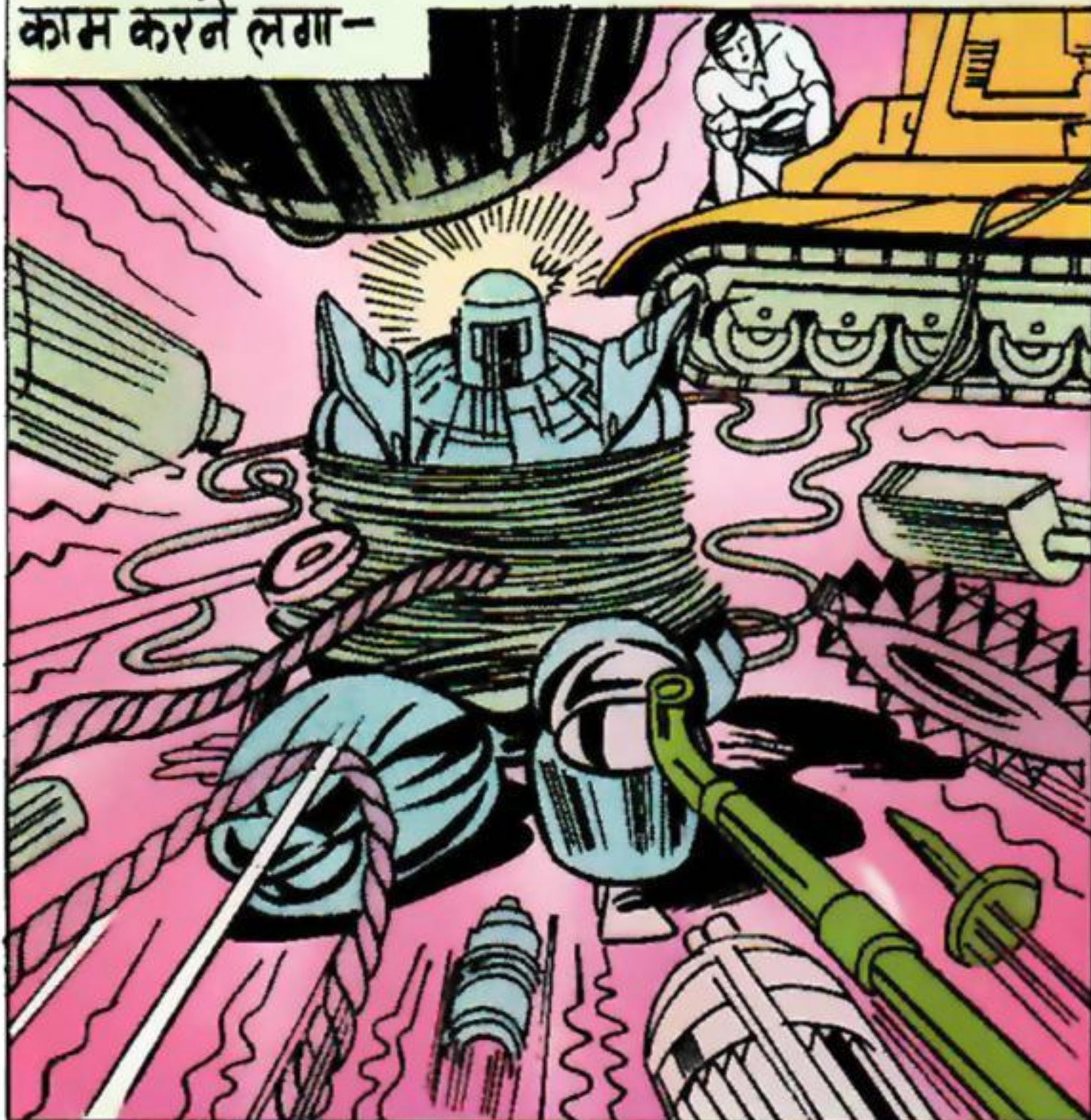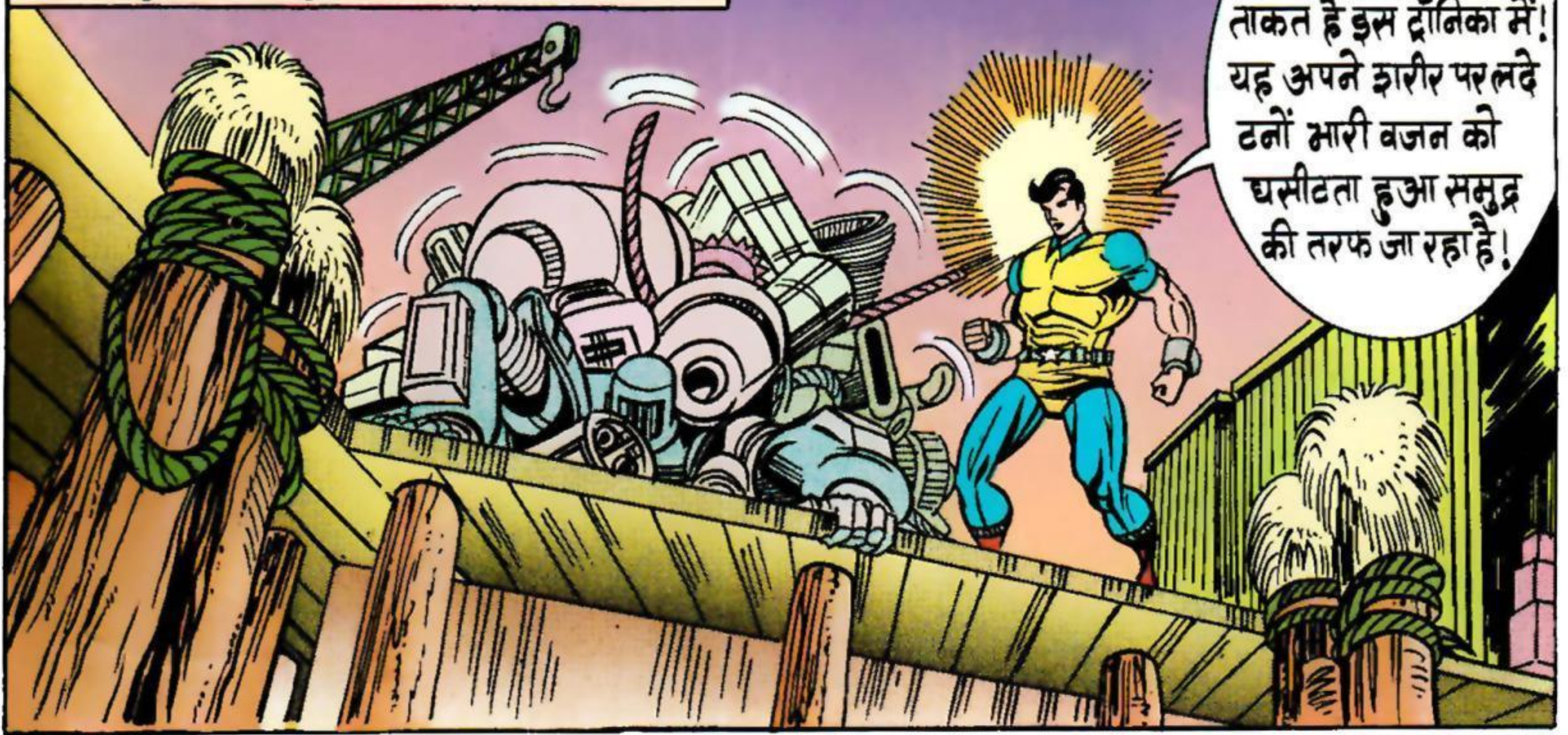
लेकिन ध्रुव की यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिकी-
अरे! अरे! कमाल की ताकत है इस ट्रॉनिका में! यह अपने शरीर पर लदे टनों भारी वजन को घसीटता हुआ समुद्र की तरफ जा रहा है!

टनों भारी वजन के साथ, ट्रॉनिका का शरीर तेजी से पानी की तरफ गिरा-

और इस झटके से क्रेन के जेनरेटर में फंसे 'कॉपर क्वायल' के तार बाहर निकल गए-

ओह! मैग्नेटिज्म खत्म हो गया है! यानी ट्रॉनिका अब तैरकर भाग सकता है!
अगर वह भाग गया तो बौना वामन का पता फिर कभी नहीं मिलेगा!
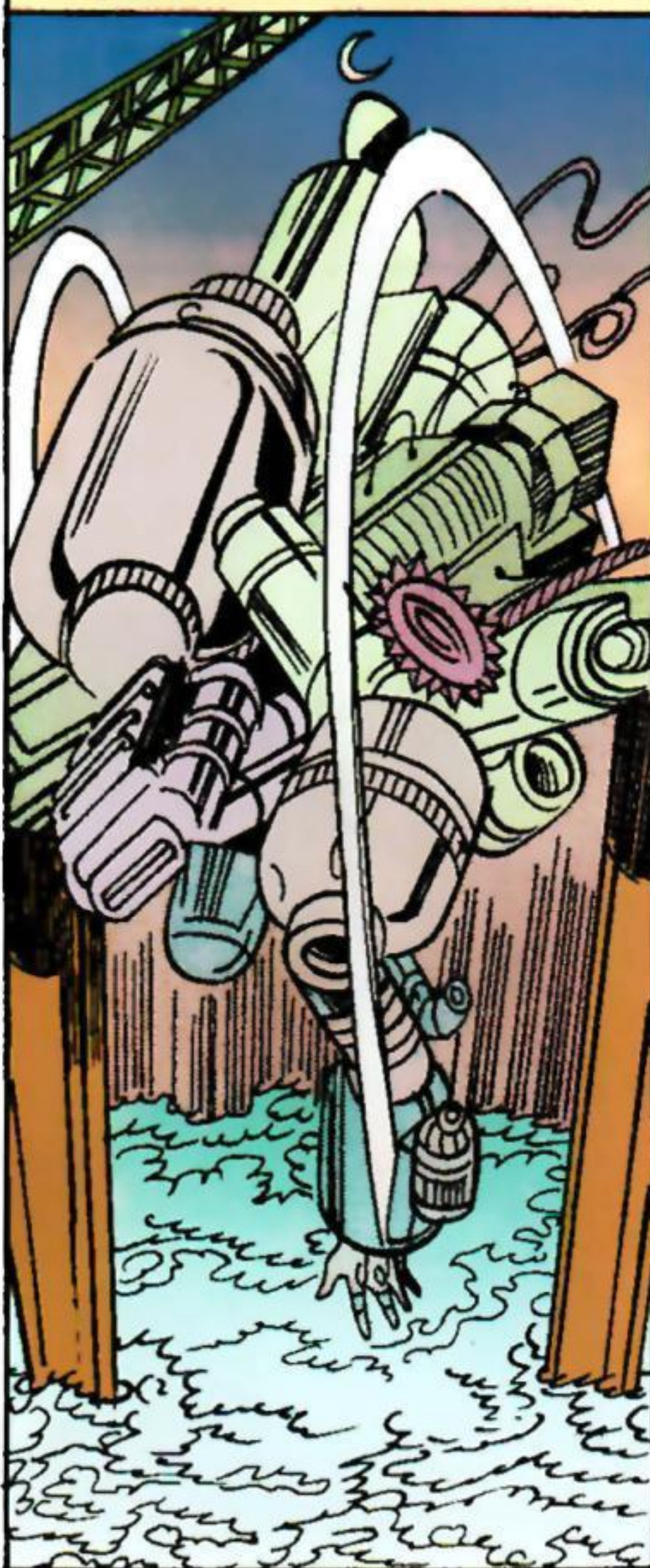
लेकिन काफी देर तक लहरों की खाक छानने के बाद भी ध्रुव को ट्रॉनिका का कोई पता नहीं मिला-

तभी–

ओह! 'स्टारट्रांसमीटर' पर मैसेज आ रहा है! अब मैं यहां पर ट्रॉनिका को ढूंढ़ने के लिए नहीं रुक सकता, क्योंकि मैसेज सुनने के लिए मुझे पानी से बाहर निकलना ही पड़ेगा। क्या करूं? ट्रॉनिका को ढूंढ़ने के लिए रुकूं, या मैसेज सुनने सतह पर जाऊं?

ट्रॉनिका के मिलने की संभावना काफी कम है! और मैसेज जरूरी भी हो सकता है। बेहतर है कि मैसेज ही सुन लिया जाए!

ध्रुव ने सही फैसला किया था–

बोलो करीम!

कैप्टेन! पुलिस हैडक्वार्टर पर बहुत बड़ी गड़बड़ हो गई है!

कोई जापानी निंजाजा पुलिस पर हमला कर रहा है!

निंजाजा को पकड़ना ही मुश्किल था! जिन्दा पकड़ना तो सुनने में असंभव सा लगता था-
इसके पैरों पर गोली चलाओ! इसे जिन्दा पकड़ना है!
हमारी गोलियां इस तक पहुंचे तो सही, सर!
यह अपनी तलवार को तेज गति से घुमाकर लोहे की ऐसी दीवार बना रहा है कि हमारी गोलियां उसके पार नहीं जा पा रही हैं!
पुलिस वालों को फिर से गोली चलाने का मौका ही नहीं मिला-
सटसटसटसट
छत का बंद दरवाजा भी निंजाजा की तेज धार तलवार के आगे टिक नहीं सका-
आऽऽह! अब ये फंस गया! बारहवीं मंजिल की छत से कूदकर ये भाग नहीं सकता!
सिर्फ मर सकता है!
तभी अचानक निंजाजा के हाथों से पहले तो फाइल खिंच गई-
और फिर वह खुद पीछे जा गिरा-
तड़ाक
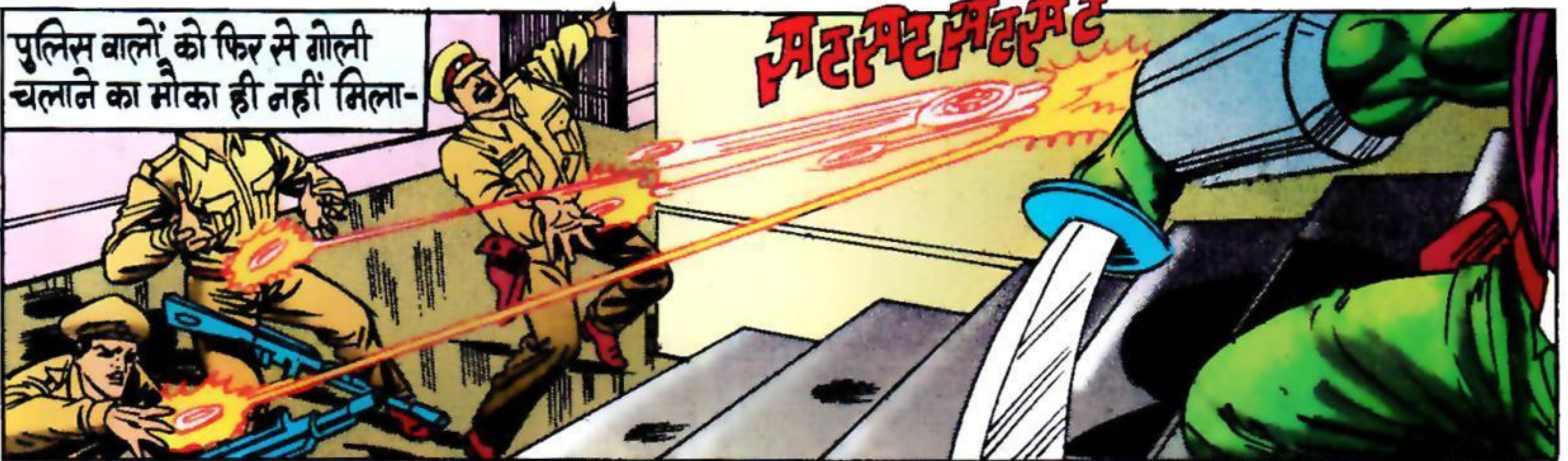
सुपर कमांडो ध्रुव ने पुलिस हेडक्वार्टर पहुंचने में देर नहीं की थी-
कौन है तू लड़के ? निंजाजा का रास्ता काटकर अपनी गर्दन क्यों कटवाना चाहता है ? ये फाइल मुझे दे दे, और हट जा मेरे रास्ते से !
ये फाइल तो बौना वामन की है ! इस फाइल से तुम्हारा क्या भला होने वाला है ?
इस फाइल से मुझे उस शैतान बौने के ठिकानों का पता मिलेगा ! और फिर मैं उसको ढूंढ़कर उसके टुकड़े-टुकड़े करूंगा !
और अपने बॉस हराकी की मौत का बदला लूंगा !
हराकी ! हराकी... मर गया ? पर कैसे ?
तू हराकी को भी जानता है ! बौना वामन को भी जानता है ! आखिर तू है कौन ?
मैं सुपर कमांडो ध्रुव हूं ! बौना वामन को मैं ने ही जेल में बंद करवाया था, और उसके जेल से भागने के सिलसिले में मैं हराकी से भी मिलने गया था !
समझ गया ! लेकिन मेरे पास बातों के लिए वक्त नहीं है ! पुलिस वाले फिर से मेरे पीछे आते ही होंगे ! और मुझे ऐसा लगता है कि मैं तुझको मारकर ही आगे बढ़ पाऊंगा !
सांय
समझ तो तुम ठीक रहे हो निंजाजा ! लेकिन मुझे मारना आसान नहीं है ! कोशिश करके देख लो !
तड़ाक
ठप्प

तूने मेरे हाथ से तलवार गिरा दी! बड़े दिनों बाद ऐसा लड़ाका मिला है! तुझको मारने में मजा आएगा!
ओह! यह मुझ पर आरीदार डिस्कों से वार कर रहा है, जिनको शायद 'शूरिकेन' कहते हैं! मैं 'स्टार ब्लेड्स' से इसका मुकाबला तो कर सकता हूं, लेकिन मेरे ब्रेसलेट में इतने 'स्टार ब्लेड्स' नहीं हैं, जो इसके शूरिकेनों की बरसात का मुकाबला कर सकें! इस 'बरसात' को रोकना होगा!
और इस बरसात को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है कि शूरिकेनों को छोड़ने वाले 'मेकेनिज्म' को ही जाम कर दिया जाए!
स्टार ब्लेड्स ने शूरिकेन को छोड़ने वाले हर मुंह को बन्द कर दिया-
त
ड़क
और ध्रुव के इस वार से चकित निंजाजा ध्रुव का अगला वार नहीं बचा पाया-

अब मैं वह फाइल नहीं ले जा सकता, लेकिन कोई बात नहीं! उसमें से बौना वामन के एक-दो ठिकानों का पता मैंने पढ़ लिया है। बाकी के ठिकानों का पता भी मैं वहीं से लगा लूंगा!

वह तो नीचे कूद गया सर! आत्महत्या कर ली उसने!

वह इतना मूर्ख नहीं है! वह अपने कंधों के लबादे का इस्तेमाल ग्लाइडर की तरह करके भाग रहा है!...

...अब हम इसे नहीं पकड़ सकते!

सबके देखते-देखते निंजाजा कहीं अंधेरे में गुम हो गया–

निंजाजा भाग तो गया है, लेकिन अपने पीछे अपनी एक चीज छोड़ गया है। यह तलवार! इसमें उसके शरीर की गंध मौजूद है, और इससे मैं यह पता लगा लूंगा कि वह कहां गया है! लेकिन क्या ये खबर सच है कि मिस्टर हराकी मर गए हैं?
हां, ध्रुव! और उसकी मौत का कारण बौना वामन द्वारा एक माइक्रोचिप का ले जाया जाना है! हराकी की लाश को जापान भेजने की तैयारी की जा रही है!
समझा! यानी बौना वामन को जेल से वही चिप चुराने के लिए भगाया गया था! हुम! इस दौरान मिस्टर हराकी के पार्टनर मिस्टर तकाशी कहां पर थे?
तकाशी एक बिजनेस मीटिंग में गए हुए हैं! वे कहां पर हैं, क्या कर रहे हैं, इसका किसी को कुछ पता नहीं है! उनसे हमारा कोई संपर्क नहीं है!

यानी यह अभी तक रहस्य ही है कि बौना वामन को जेल से भगाने वाला ट्रॉनिका आखिर कौन है, और वह किसके कहने पर यह सारे काम कर रहा है। अभी उसने ब्लैक हार्बर पर भी तोड़-फोड़ की थी! मैं वहां पर पहुंचा तो था, लेकिन उसे पकड़ पाने में असफल रहा! खैर अगर बौना वामन हराकी की मौत का कारण है तो उसको कानून की गिरफ्त में वापस लाने का यह एक और कारण है!
और इस बार मैं असफल नहीं होऊंगा!

बौना वामन इस बार एक नए अड्डे पर मौजूद था, जिसका पता ट्रॉनिका के अलावा और किसी को भी नहीं था -
आओ, बेट बॉल! मेरा सामान ले आए?
हां, बॉस! लेकिन बड़ी दिक्कत हुई! हमको 'यूकाहारी इलेक्ट्रॉनिक्स' की यूनिफॉर्म पहनकर अंदर घुसना पड़ा! पुलिस का सख्त पहरा था, लेकिन फिर भी हम यह लाने में कामयाब हो गए!
शाबाश! शाबाश!
आ गया मेरा रिमोट कंट्रोल!

अब मैं ट्रॉनिका से दस करोड़ के बजाय सौ करोड़ वसूलूंगा! क्योंकि अब डॉक्टर पिल्लै की मेहरबानी से मुझे इस 'चिप' की असली खासियत का पता लग चुका है!
मुझे पहले से ही शक था कि बौना वामन को कोई मामूली चिप चुराने जैसा काम दे ही नहीं सकता! इसीलिए इस शक की पुष्टि करने के लिए मैंने तुम्हारे हाथों डॉक्टर पिल्लै को पहले ही अपने पास बुलवा लिया था!
आप हमेशा एक न एक ट्रिक बचाकर रखते हैं, बॉस! इसीलिए आप ग्रेट...
चंडिका भी एक न एक ट्रिक बचाकर रखती है। तेरे ऊपर मेरे द्वारा चिपकाए गए 'लोकेटर' ने मुझे सीधा तुझ तक पहुंचा दिया!
चंडिका! तू मेरे पीछे क्यों पड़ गई है? बैटबॉल! इसको रोको!
अब कहीं भाग ले वामन! चंडिका तेरा पीछा नहीं छोड़ेगी!
ये मुझ पर हल्के टाइम बमों से वार कर रहा है!
जो किसी इंसान के चिथड़े तो नहीं उड़ा सकते, लेकिन उसे बेहोश जरूर कर सकते हैं!
तब तक मैं बाहर की तरफ भागता हूं!
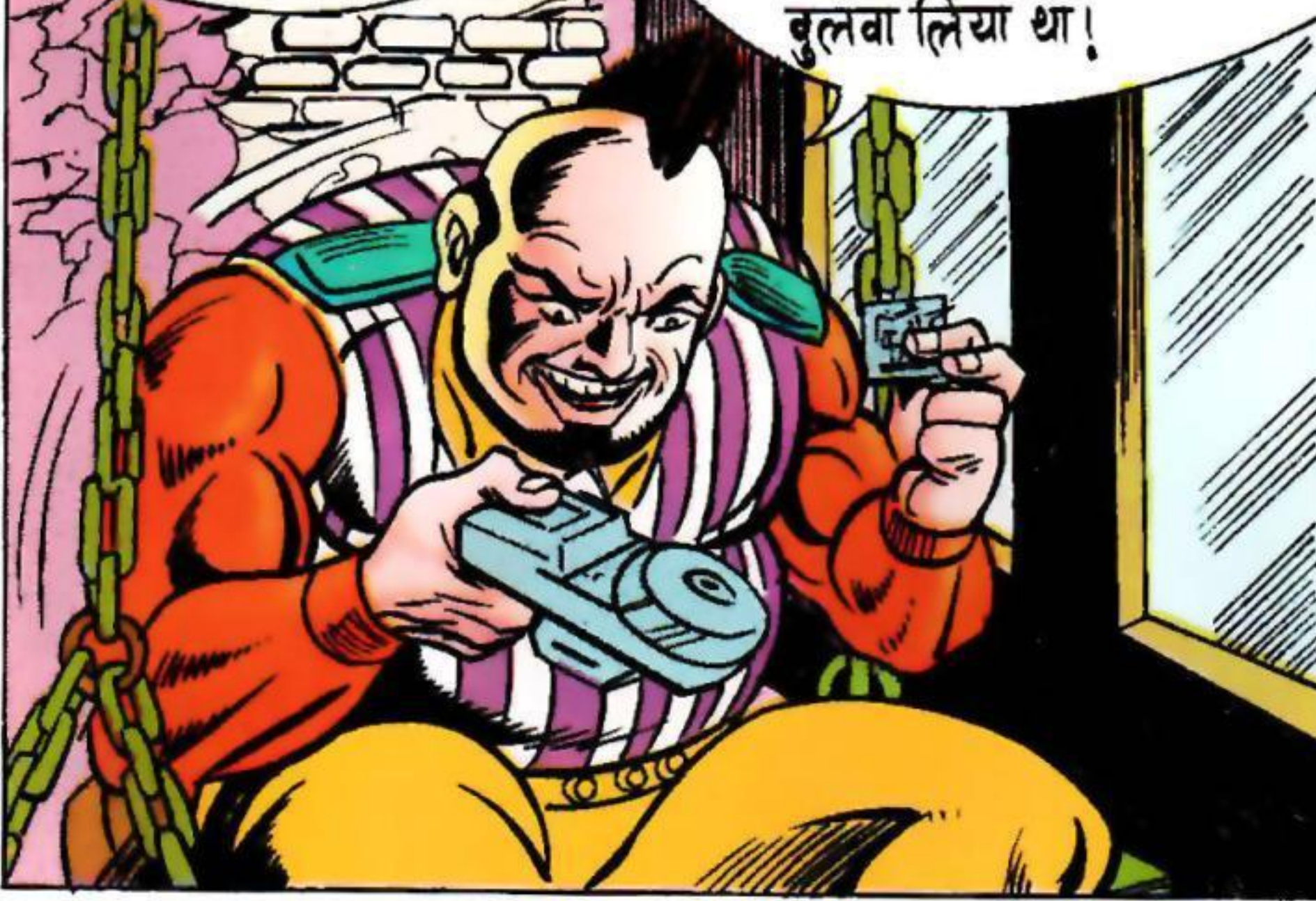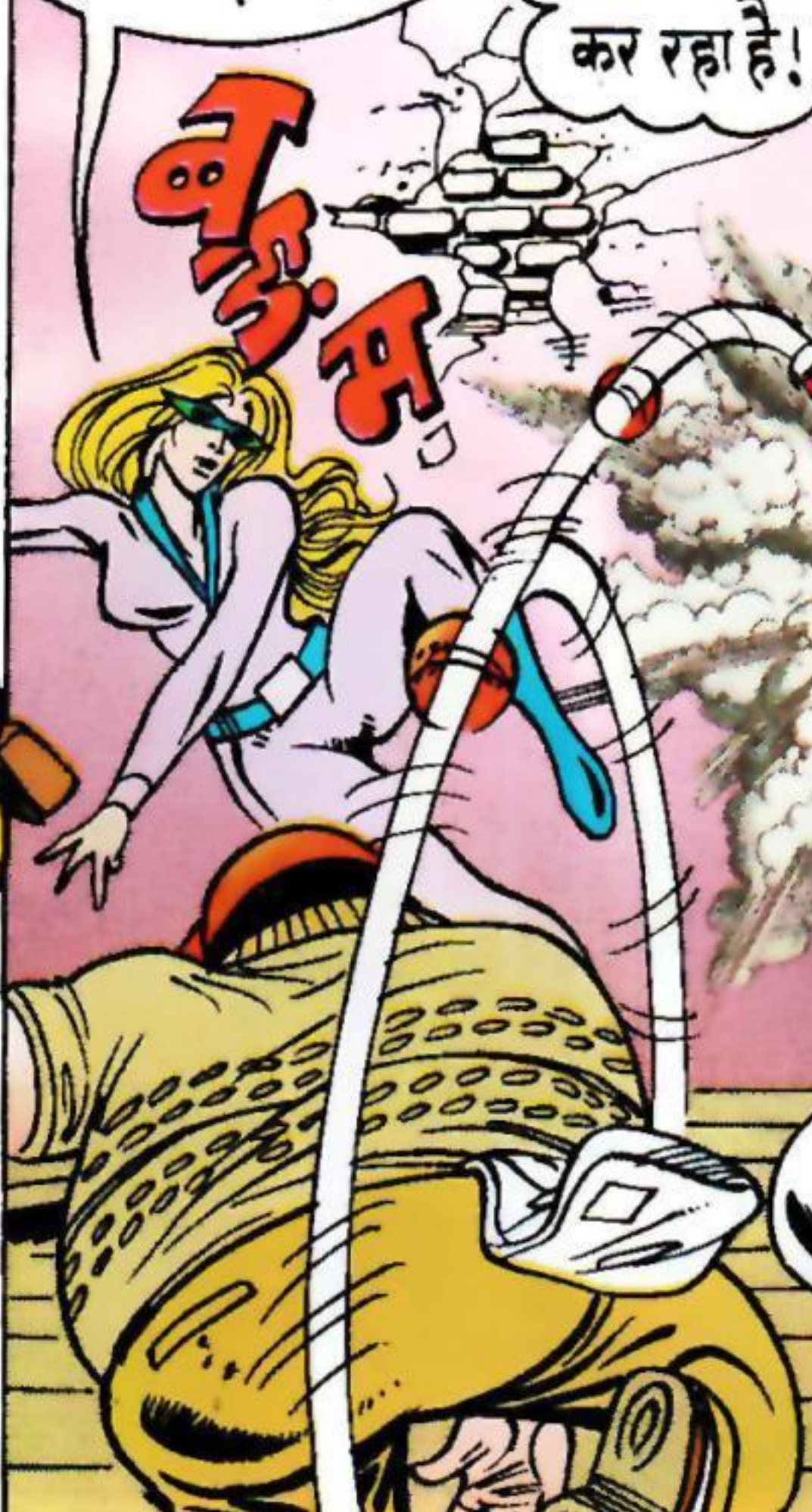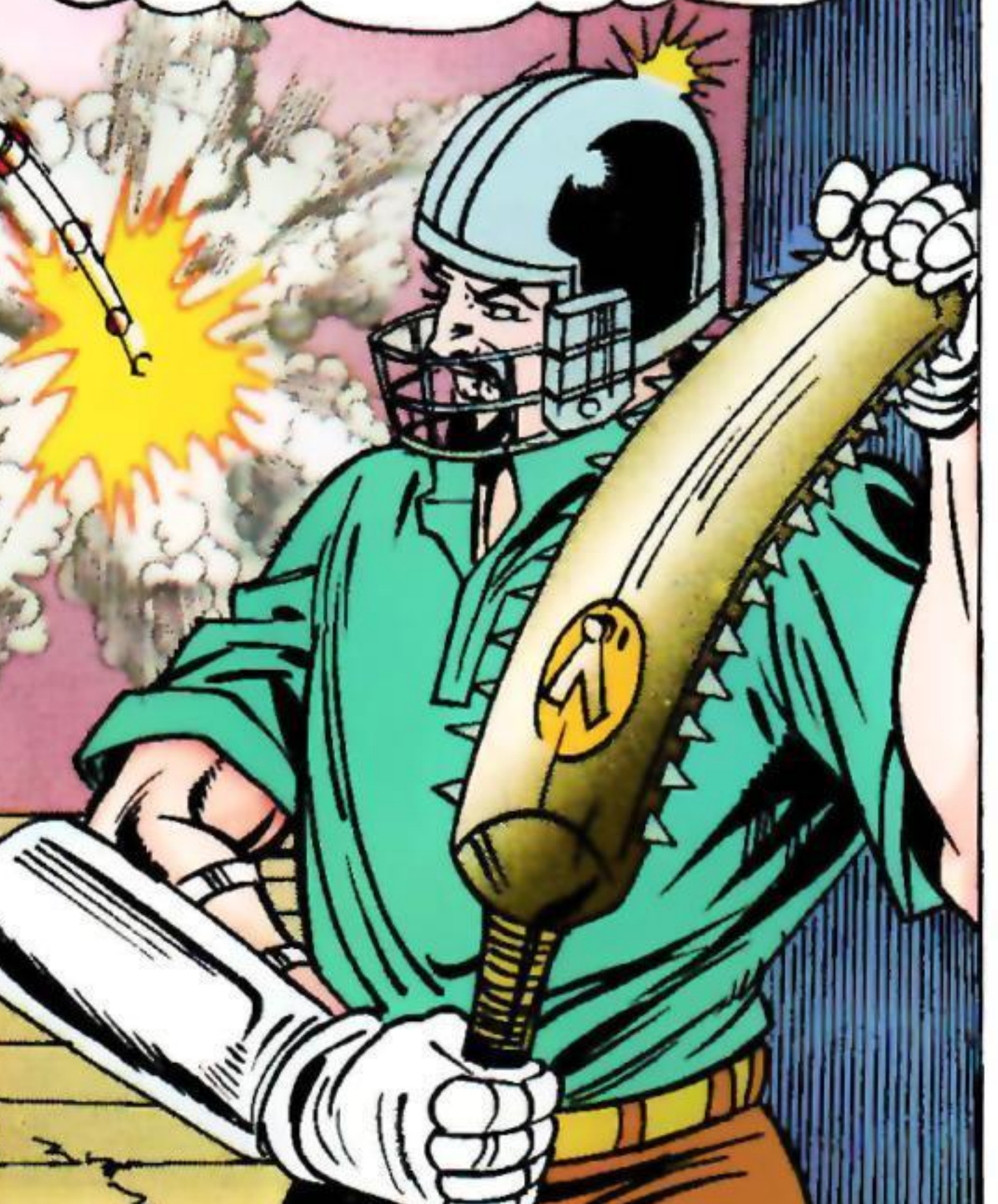
बौना वामन दरवाजे तक तो भागने में सफल हो गया था-

लेकिन उससे बाहर जाना उसकी किस्मत में नहीं था-
मौत से बचकर भाग रहा है ठिगने ?
निंजाजा ! तू... तू यहां तक कैसे आ गया ?
तूने भी मुझ पर कुछ चिपकाया था क्या ?

नहीं ! पर अब चिपकाऊंगा ! तेरे चिथड़ों को शहर भर की दीवारों पर चिपकाऊंगा !
मईया रे !
अब तो छत की तरफ ही भागना पड़ेगा !

चंडिका को अब रुक नहीं, दो तरफ से बचना पड़ रहा था ! बैट ने भी अपने बूमरैंग वार करने शुरू कर दिए थे-
ओह ! ये दोनों मुझे बौना वामन के पीछे जाने नहीं दे रहे हैं ! इनसे जल्दी निपटना होगा ! मैंने अब तक इन बॉलनुमा टाइम बमों के फटने का समय नोट कर लिया है। ये फेंकने के दो सैकंड बाद फटते हैं। यानी मुझे जो कुछ भी करना है, उसके लिए मेरे पास दो सैकंड हैं।
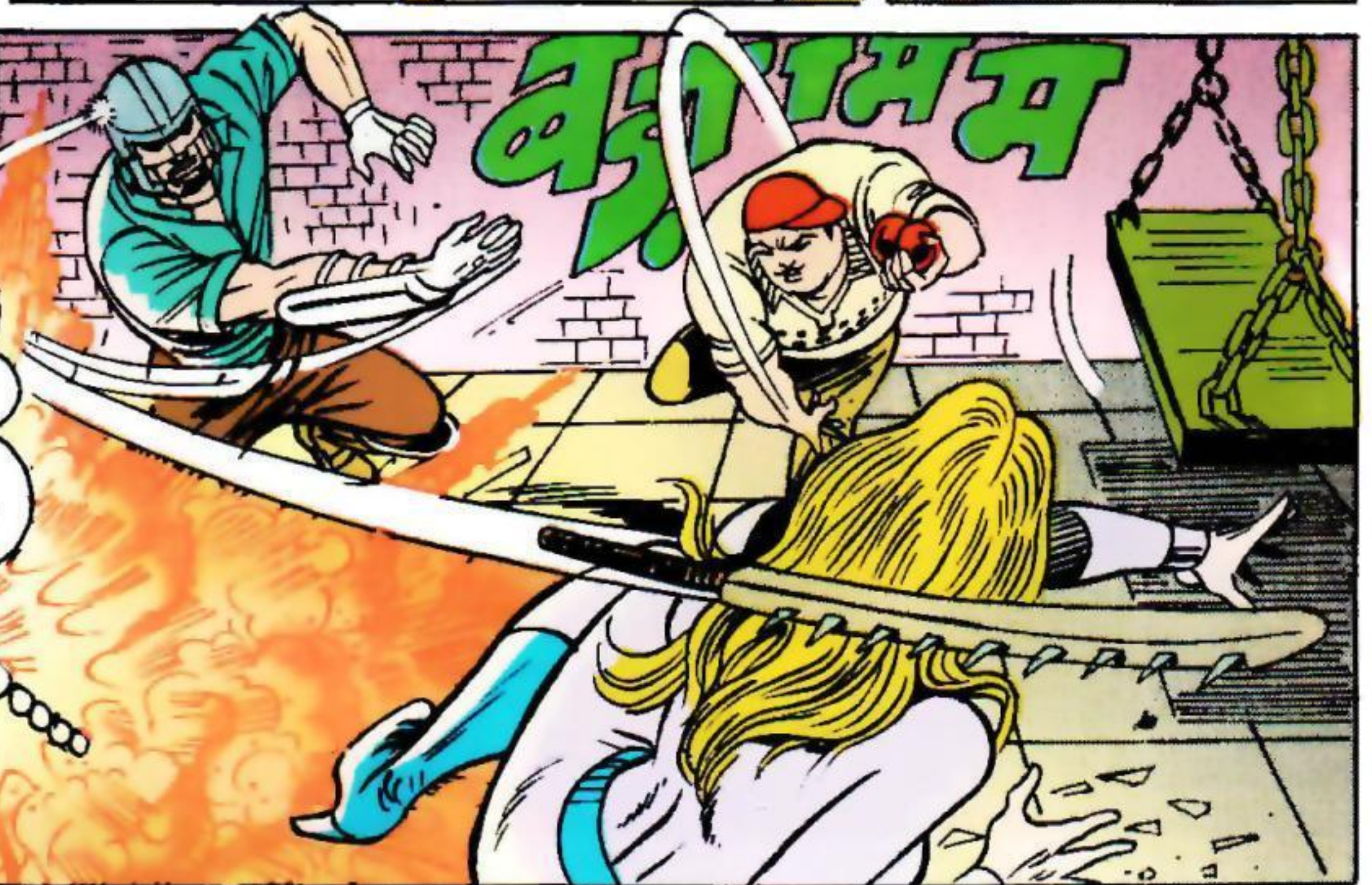
और इतना समय काफी होना चाहिए...
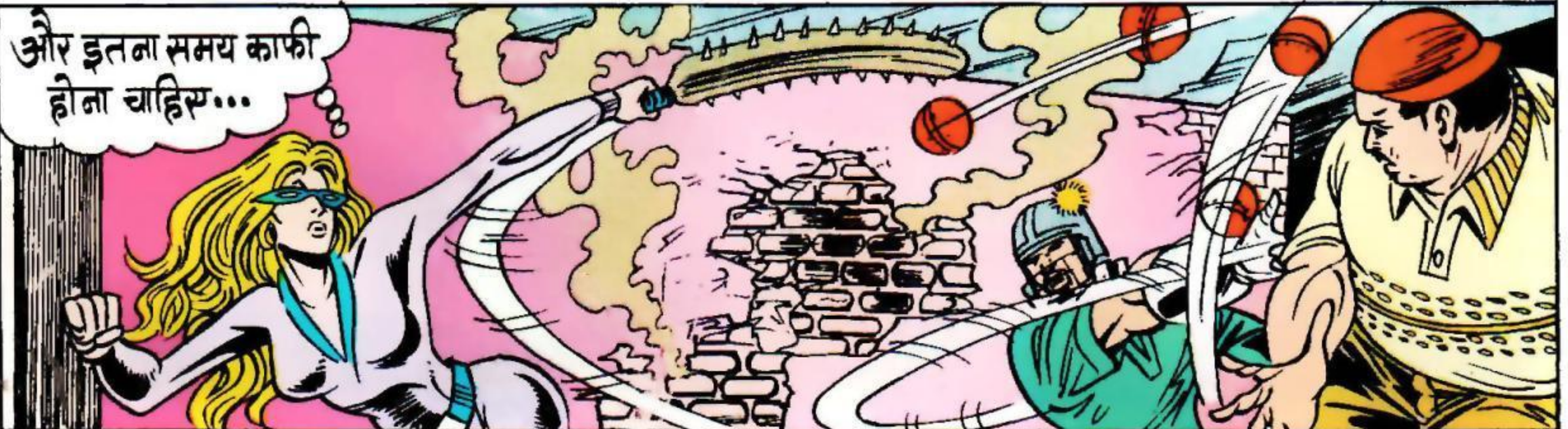
इस बॉल को 'बैट' तक पहुंचाने के लिए!
परफेक्ट शॉट!
बड़ाम
एक विकेट डाउन हो गया!
अब दूसरे की बारी है!
सनसनाता हुआ आरीदार बैट, 'बॉल' के हाथों में मौजूद गोल्ड टाइम बमों को रगड़ता चला गया-
कड़ूम
और वे सभी एक साथ फट पड़े-
बैट- बॉल से निपटने में चंडिका को कोई खास दिक्कत पेश नहीं आई थी-
अब ये बौना वामन किधर भाग गया? इतनी देर में ज्यादा दूर जाना तो संभव नहीं... ओह! वह छत पर है! ...
... यूकाहारो इलेक्ट्रॉनिक्स में भी इसका सुराग मुझे ऐसे ही मिला था!
छत पर बौना वामन था तो जरूर। मगर अकेला नहीं-
ओ निंजाजा! अगर तेरा बॉस कमजोर दिल का था तो मैं क्या करूं? मैंने उसकी धड़कन थोड़े ही रोकी है!
कारण तो तू ही है बौने! अगर तू 'चिप' न चुराता तो वे कभी न मरते!

यानी तू बातों से नहीं मानेगा! तुमसे लड़ना ही पड़ेगा!
एक बटन दबते ही बौना वामन की पोशाक पर तेज नोक वाली कीलें उभर आईं-

और निंजाजा का शरीर छलनी होने लगा-
आहहsss
देखा निंजाजा? बौना वामन से पंगा मत लेना!
क्योंकि बौना वामन एक न एक ट्रिक हमेशा बचाकर रखता है!
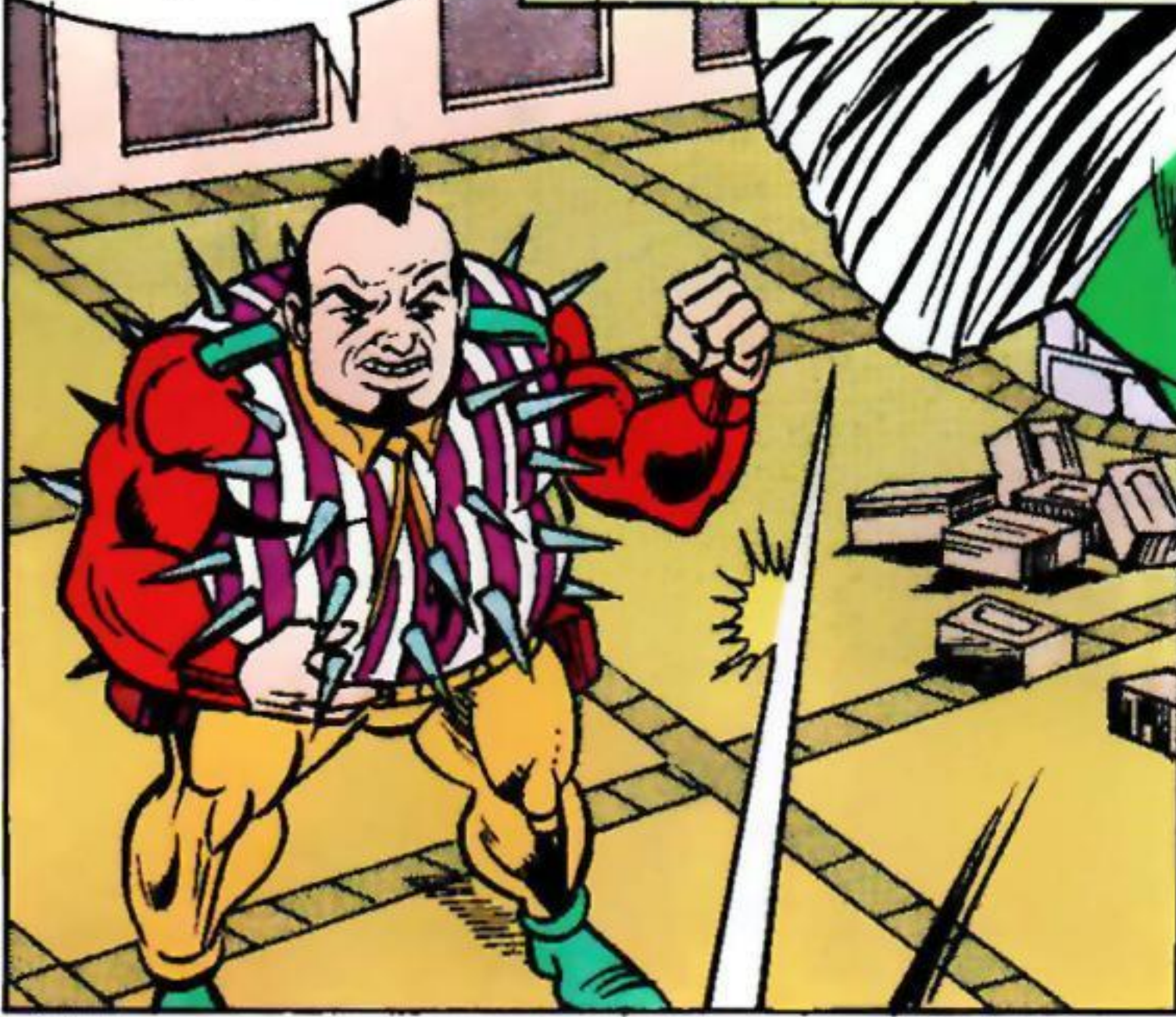
यह मुझे तलवार तक उठाने नहीं दे रहा है! लेकिन मैं भी निंजाजा हूं! दुश्मन की ताकत को कमजोरी में बदलना मुझे आता है!
निंजाजा जमीन पर पड़ी ईंटों को उठा-उठाकर निशाना साधकर फेंकने लगा-
और वे ईंटें, कीलों में धंसकर वामन का वजन बढ़ाने लगीं-

अरे! मैं तो पहले से ही डाइटिंग पर हूं! मेरा वजन और क्यों बढ़ा रहा है? अब तो कीलों को अन्दर करना ही पड़ेगा!
और दूसरी ट्रिक लगानी पड़ेगी!

तेरी कोई ट्रिक अब काम नहीं आएगी बौना वामन! क्योंकि अब तू दो तरफ से घिर गया है! इधर से मैं तुझे मारूंगी और उधर से निंजाजा! पर ये निंजाजा है कौन? और ये तुझे पीट क्यों रहा है?
तड़ाक
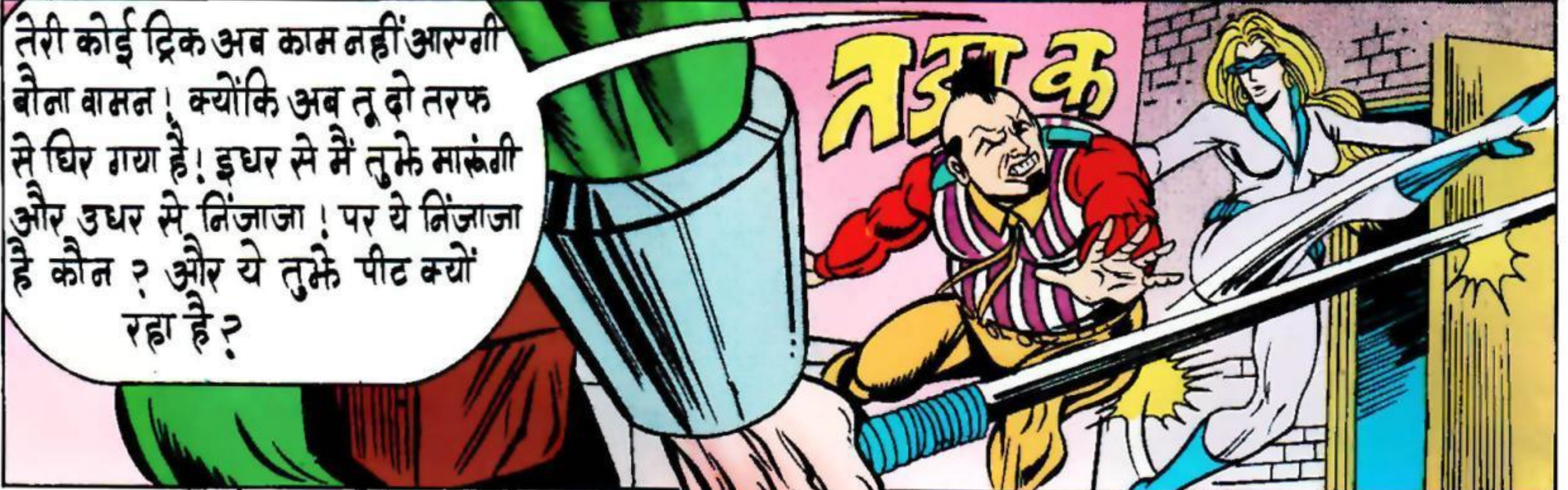
पूरी कहानी सुनाने बैठ गया तो जिन्दा कहां बचूंगा! पहले जिन्दा बच लूं, फिर आराम से कहानी सुनाऊंगा!

अब मैं तो दोनों से एक साथ नहीं बच सकता! बचने का एक ही रास्ता बचता है! और वह ये कि मैं अपने पाऊच में रखा रिमोट और वह माइक्रो चिप निकालूं और इन दोनों को एक-दूसरे से ही लड़ा दूं!

बौना वामन जो कुछ करने जा रहा था-

चंडिका को उसका आभास नहीं था-

बौना वामन ने फुर्ती से माइक्रो चिप के उभरे तारों को चंडिका की गर्दन में धंसा दिया-

आऽऽह
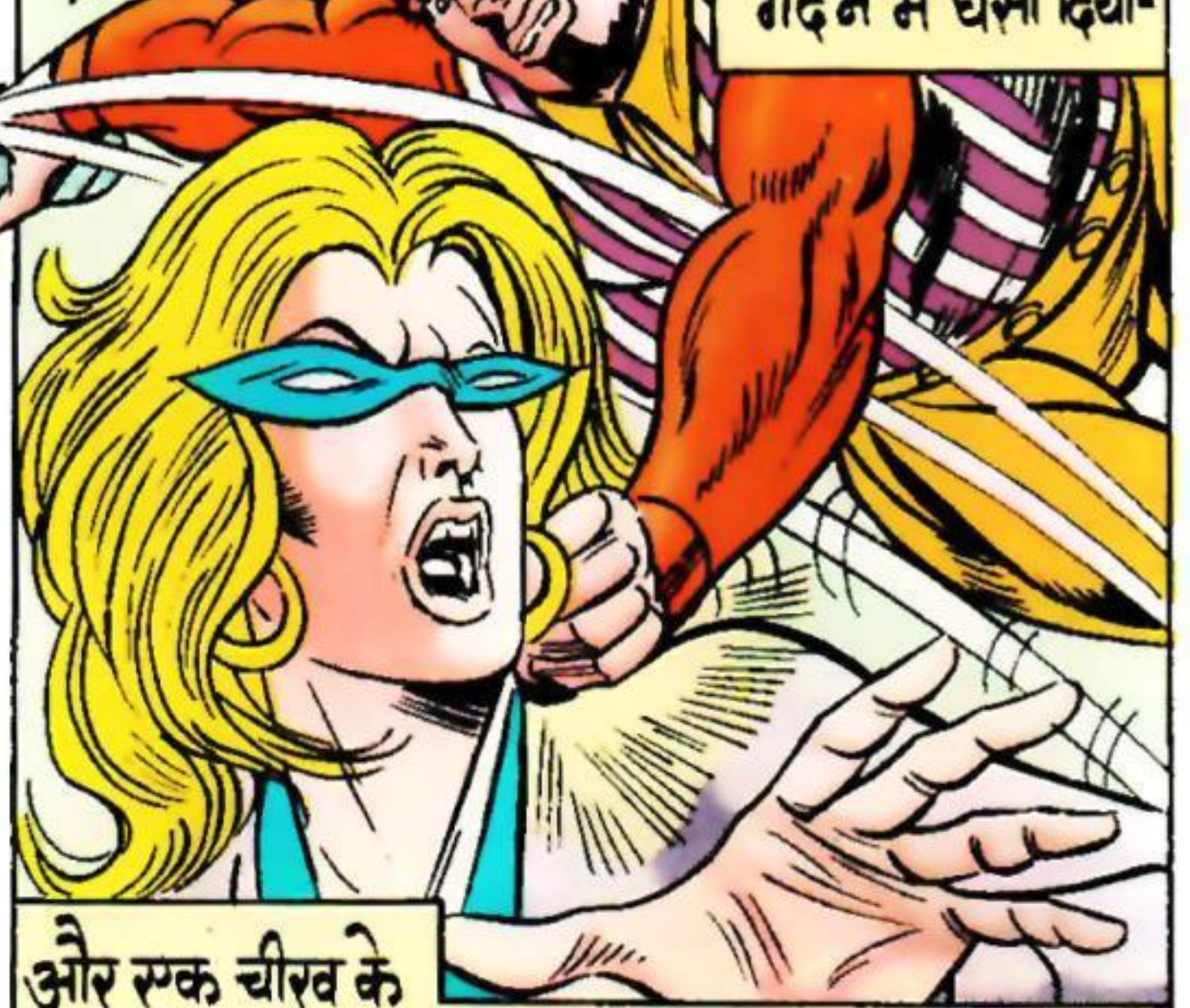
और एक चीख के साथ चंडिका का दिमाग अंधेरे में गुम होने लगा-

लेकिन चंडिका का सिर्फ जाग्रत मस्तिष्क यानी कॉन्शस माइंड ही सोया था! अर्द्ध जाग्रत यानी सेमी कॉन्शस दिमाग अभी भी जगा हुआ था-

अब चंडिका नींद में चल रही थी-

हा हा हा! डॉक्टर पिल्लै ने एकदम सही खबर दी थी। इस चिप की एक खासियत यह भी है कि इसे किसी भी इन्सान के शरीर में कहीं भी चिपका दो,

तो यह चिप उस इन्सान के नर्वस सिस्टम से जुड़ जाती है।

और फिर उस नर्वस सिस्टम के जरिए उस इन्सान के शरीर को इस रिमोट द्वारा चलाया जा सकता है!

अब चंडिका का शरीर मेरे कब्जे में है! और उसे मैं रिमोट के जरिए निंजाज़ा से लड़वाऊंगा! इसी बहाने इस चिप की टेस्टिंग भी हो जाएगी!

लेकिन उसकी इस योजना में ध्रुव का आना कहीं शामिल नहीं था-

अरे! तू यहां पर भी आ गया ध्रुव? अब तू कैसे आ गया? मैं जहां जाता हूं, वहां पर पूरी बारात क्यों इकट्ठा हो जाती है?

धड़ाक

मैं तेरे पीछे नहीं, निंजाजा के पीछे- पीछे आया हूं वामन! उसकी तलवार की महक के जरिए, मेरे दोस्त कुत्तों ने उसे ढूंढ निकाला है!

और मैं जानता था कि जहां निंजाजा होगा वहां पर तू भी मुझे जरूर मिल जाएगा!

तड़ाक
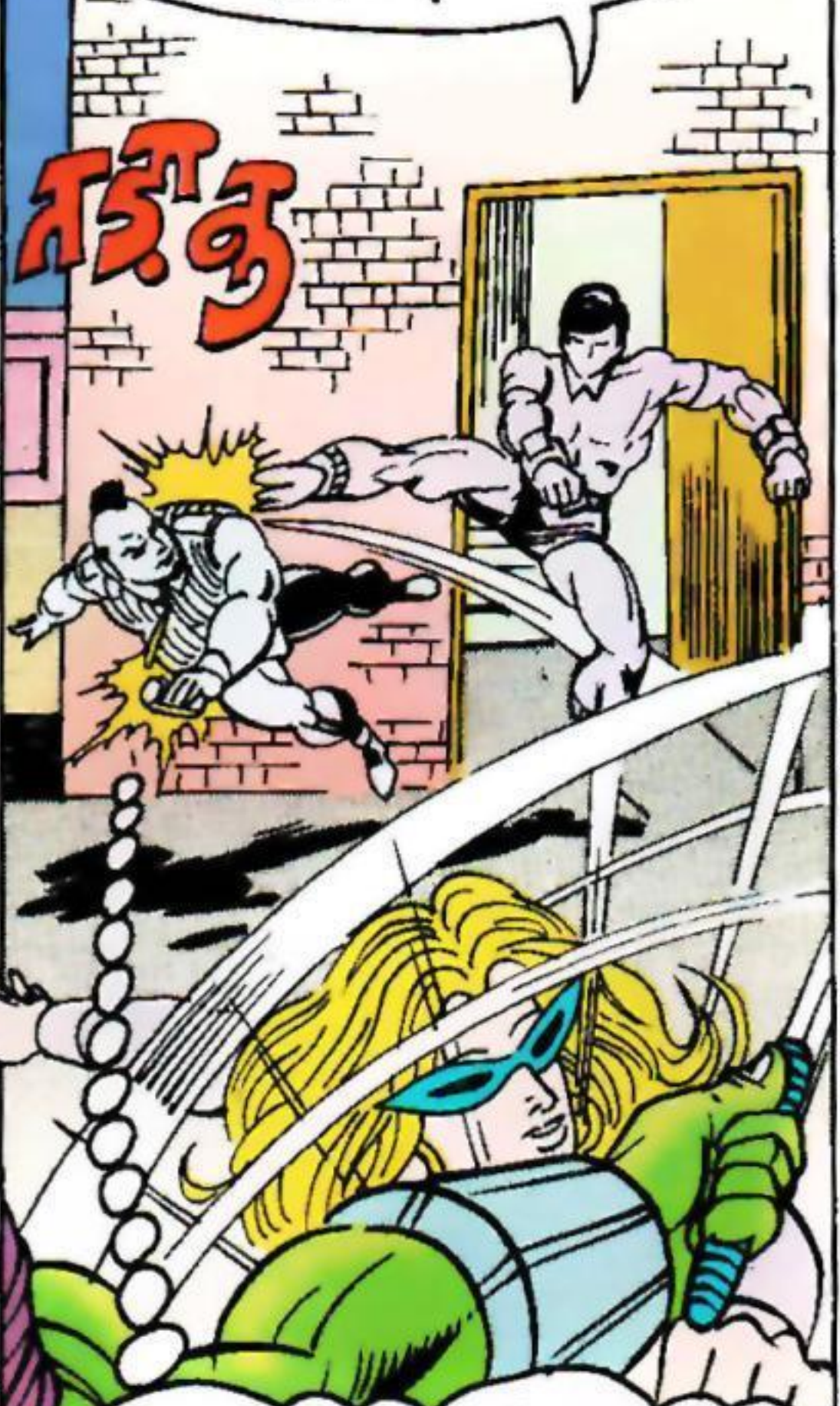
अब इसके रहते मैं चंडिका को न तो लेकर भाग सकता हूं, और न ही उसकी गर्दन से चिप निकाल सकता हूं! और ये निंजाजा भी तो मेरा पीछा नहीं छोड़ेगा! क्या करूं?

निंजाजा को रास्ते से हटाना बहुत जरूरी है! फिर ध्रुव से तो मैं निपट ही लूंगा!
और इस वक्त ध्रुव को ब्लैक मेल करने वाली परफेक्ट चीज मेरे पास है!
चंडिका!
अगले ही पल बौना वामन के इशारे पर चंडिका लड़ना छोड़कर मुंडेर पर जा चढ़ी-
बस! रुक जा ध्रुव! वर्ना मेरे एक इशारे पर चंडिका नीचे कूद पड़ेगी! इस वक्त उसका दिमाग मेरे कब्जे में है!
ओह! तू चाहता क्या है वामन? ऐसे थोड़ी- थोड़ी देर के लिए तो तू बच सकता है। लेकिन आखिरकार तो पकड़ा ही जाएगा!
वह बाद में देखेंगे ध्रुव! अभी तो तू निंजाजा से लड़, और इसको हराकर मेरी जान बचा! वर्ना तेरी दोस्त की जान पहले ऊपर से नीचे जाएगी, और फिर नीचे से एकदम ऊपर!
तड़ाक
यह तो मैं देख चुका हूं कि चंडिका सचमुच वामन के इशारे पर नाच रही है! कैसे यह मुझे नहीं पता! लेकिन चंडिका को बचाने के लिए यह लड़ाई मुझे जल्दी से जल्दी जीतनी होगी!
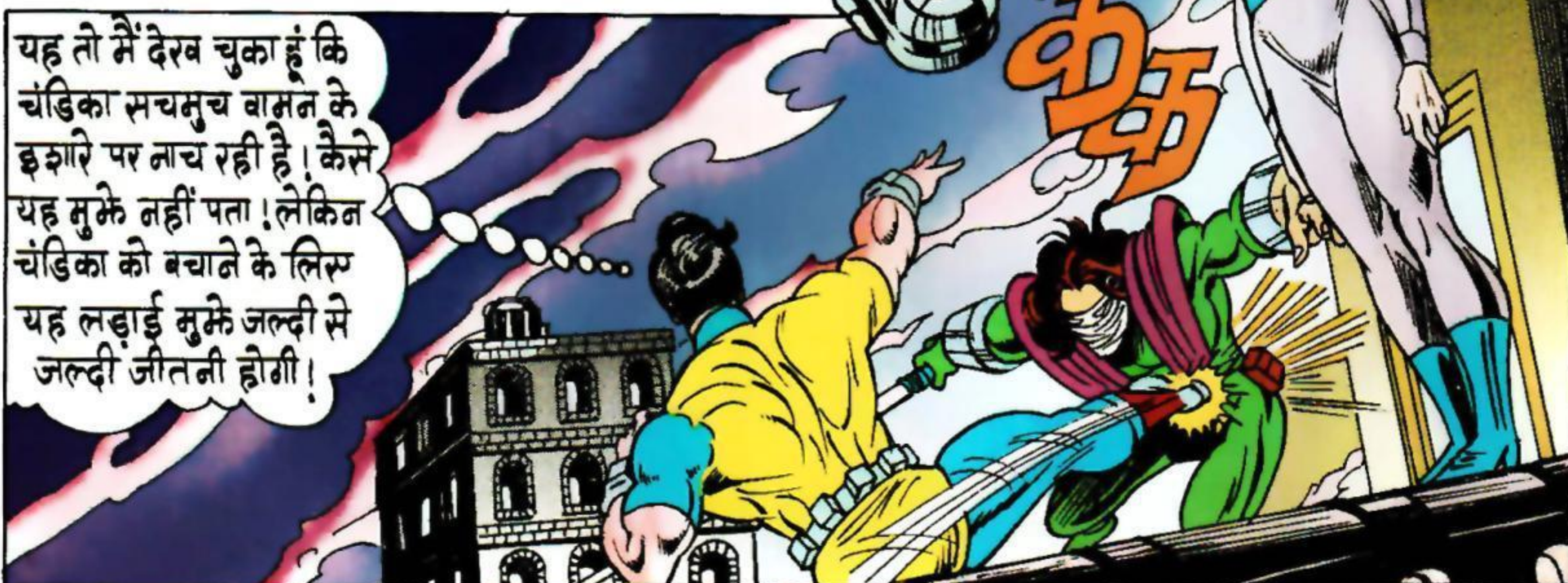
लेकिन लड़ाई जीतनी ही मुश्किल थी! 'जल्दी जीतना' तो असंभव जैसा लग रहा था-
कड़ड़ड़ाक
पिछली बार तू सिर्फ इसलिए मेरे सामने टिक पाया था लड़के, क्योंकि मैंने तुझे कमजोर समझा था! इस बार मैं यह गलती नहीं करूंगा!
ओफ! इसकी फुर्ती और इसकी तेज धार तलवार से देर तक बच पाना मुश्किल है! नर्व गैस का प्रयोग करके देखता हूं!

तू मुझे गैस से बेहोश करना चाहता है? बहुत बचकानी चाल है। क्योंकि मैं अपनी तलवार पंखे की तरह हवा में घुमाकर तेरी गैस को वायुमंडल में बिखेर कर बेअसर कर सकता हूं!
फटाक

अब मैं बौना वामन के पीछे जाने से पहले तुझे खत्म करूंगा! क्योंकि तू हर बार मेरे अभियान को विफल करने की कोशिश कर रहा है!
और निंजा-नीति यही कहती है कि पहले रास्ते के कांटे को साफ करो, और फिर आगे बढ़ो!
वाह! क्या 'नीति' है! यानी अब निंजाजा न तो खुद मेरे पीछे आएगा, और न ही ध्रुव को आने देगा। मुझे भागने का इससे ज्यादा सुनहरा मौका तो मिल ही नहीं सकता!
सांय

बौना वामन ने एक पल की भी देर नहीं की-
कटाक
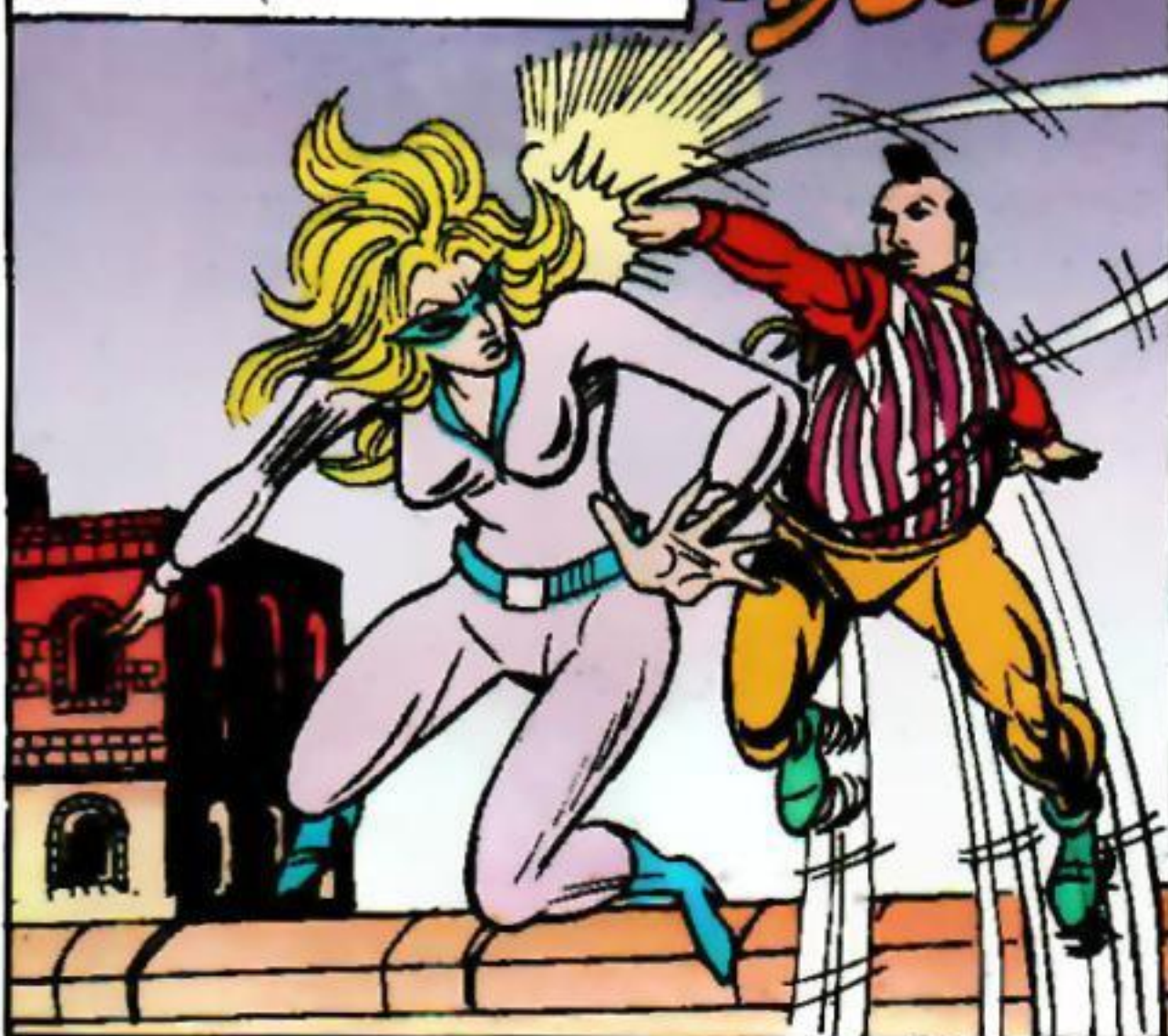
क्योंकि एक पल बाद ही बौना वामन बेहोश चंडिका की गर्दन से चिप निकालकर भाग रहा था-
लड़ाई रोको निंजाजा! बौना वामन भाग रहा है!
भाग रहा है तो भागे! वैसे भी तू जब तक जिन्दा है, मैं उसे मार नहीं सकता!
इसीलिए पहले तू मरेगा, और फिर बौना वामन!

पिचानवे करोड़! नशा करके आए हो क्या? बात तो दस करोड़ की थी! और एडवांस का पांच करोड़ मैं दे भी चुका हूं!

अब बचे हैं तो सिर्फ पांच करोड़! पिचानवे करोड़ नहीं!
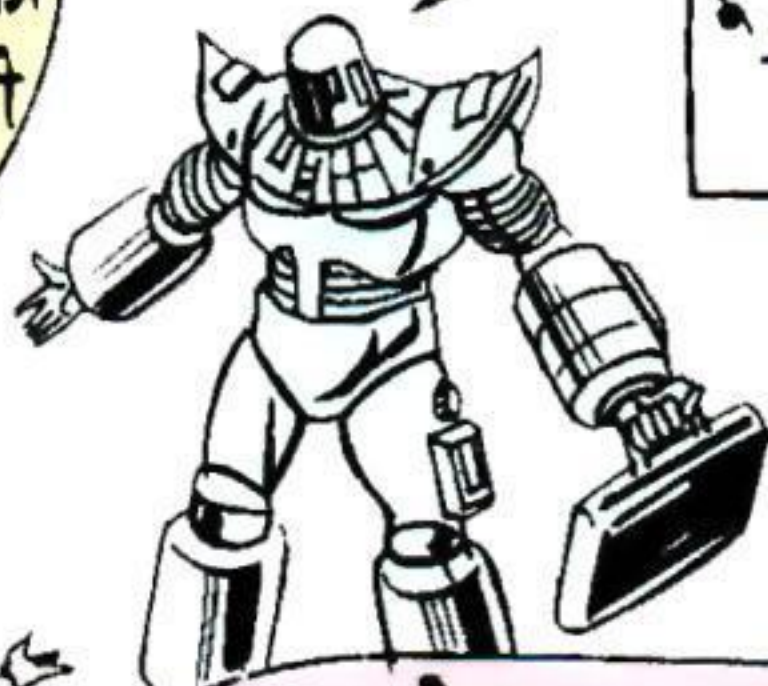
अब मैंने रेट बढ़ा दिया है, ट्रॉनिका! अब चिप की कीमत सौ करोड़ है! चलो रिमोट भी ले जाना!
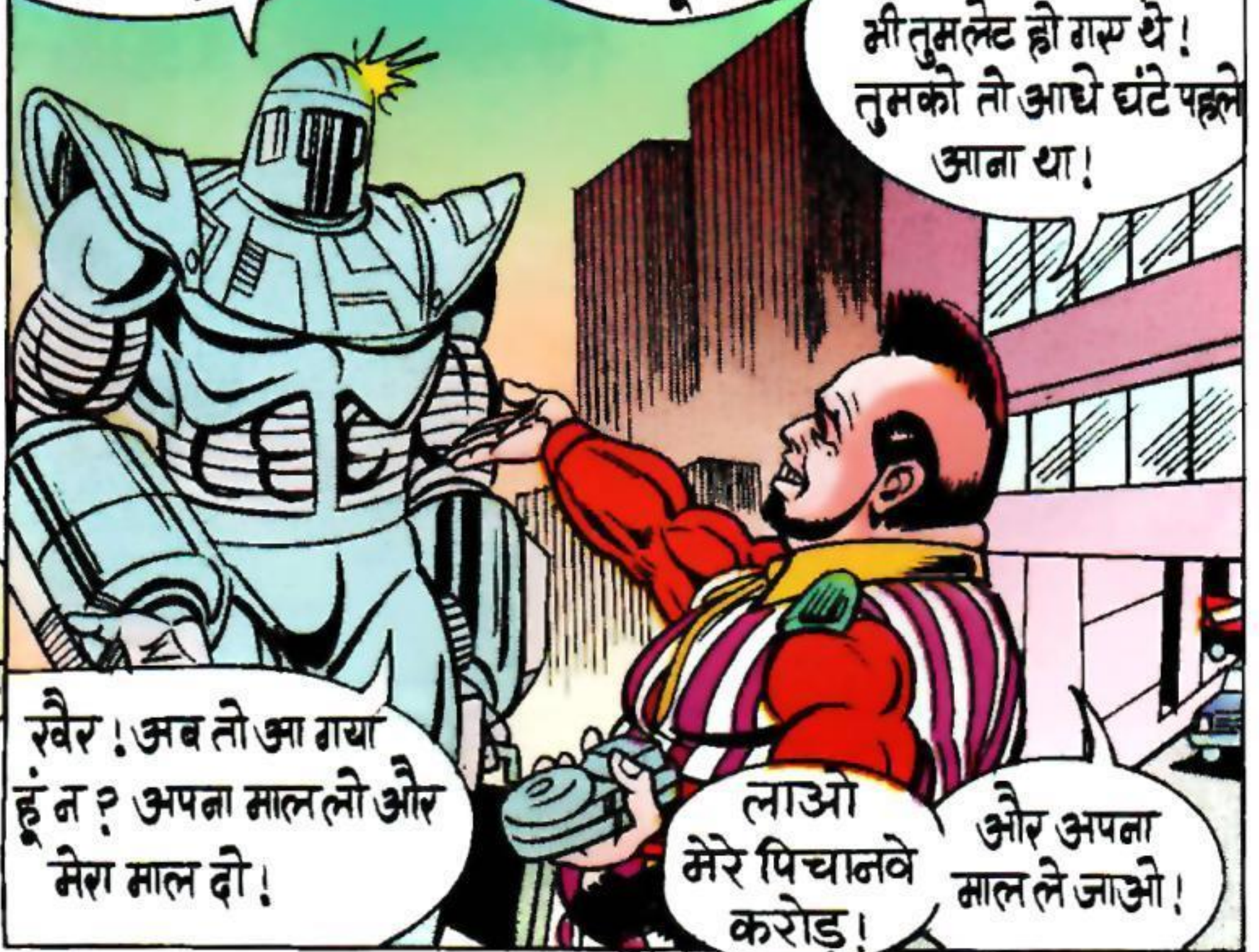
मेरे उस गुप्त अड्डे पर दस मिनट के अन्दर-अन्दर तीन लोग आए! एक तो थी चंडिका जो मुझ पर चिपकाए गए 'लोकेटर' की मदद से मेरे अड्डे तक पहुंची थी। दूसरा... नहीं, वहीं... तीसरा ध्रुव था जो निंजाजा की तलवार में बसी उसकी गंध का, अपने कुत्तों द्वारा पीछा करवाता हुआ मुझ तक पहुंच गया! और दूसरा था निंजाजा!...
...जिसे मेरे अड्डे का पता नहीं था!
मेरे और बैट-बॉल के अलावा सिर्फ तुमको इस अड्डे का पता था! और निंजाजा को उसका पता सिर्फ... तुम बता सकते थे!
यह क्या बकवास है! तुम मुझे ब्लैक मेल करने के लिए बहाने बना रहे हो!
बहाना ही समझ लो! तुमने सोचा था कि निंजाजा मुझे मार डालेगा और उससे तुम चिप हासिल कर लोगे! शायद तुमको एडबॉस के पांच करोड़ भी मिल जाते! लेकिन बौना वामन को मारना बहुत मुश्किल है ट्रॉनिका!
क्योंकि बौना वामन एक न एक ट्रिक हमेशा बचाकर रखता है!
देखते हैं कि अब तू कौन सी ट्रिक लगाकर बचता है बौने!
न न न! अगर मैं जल गया तो मेरे पाउच में रखी चिप भी जल जाएगी!
ऐसा कर, तू पहले मेरे सूमो पहलवान से लड़ ले। अगर जीत गया तो मुझसे लड़ लेना!
ये रबर का गुड्डा! ये मेरे स्टील के बदन से लड़ेगा! ये तो मेरी एक फूंक से गुब्बारे की तरह फट जाएगा!
रबर को इतना कमजोर मत समझो ट्रॉनिका! रबर में कई खासियतें होती हैं!
जो स्टील में नहीं होतीं!
जैसे रबर कभी-कभी एसिड प्रूफ होती है। मगर स्टील नहीं होता!
सूमो गुड्डे के मुंह से निकले एसिड फुहार के बादलों ने ट्रॉनिका के शरीर को घेर लिया—
फ्र्र्र्रस्स
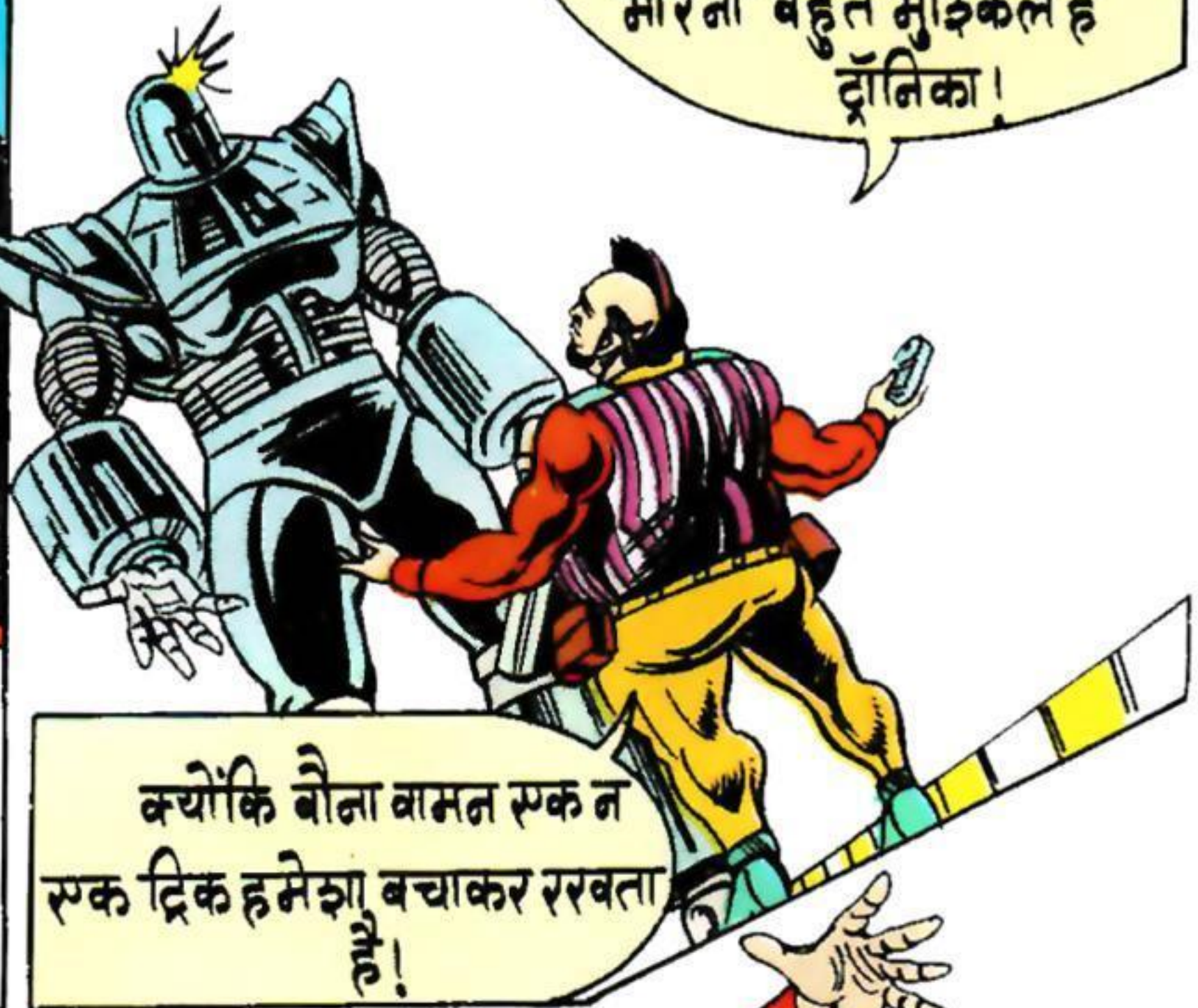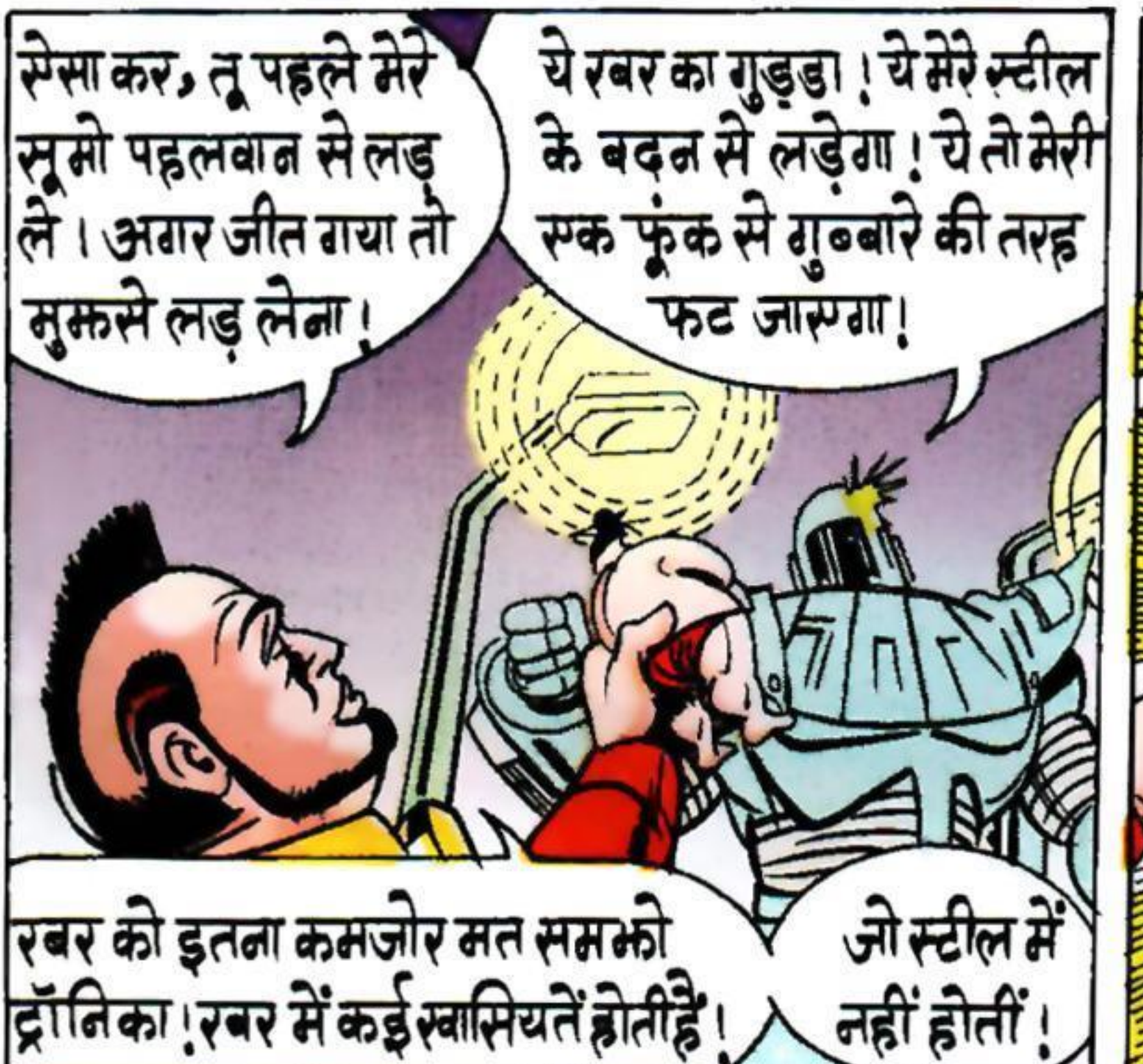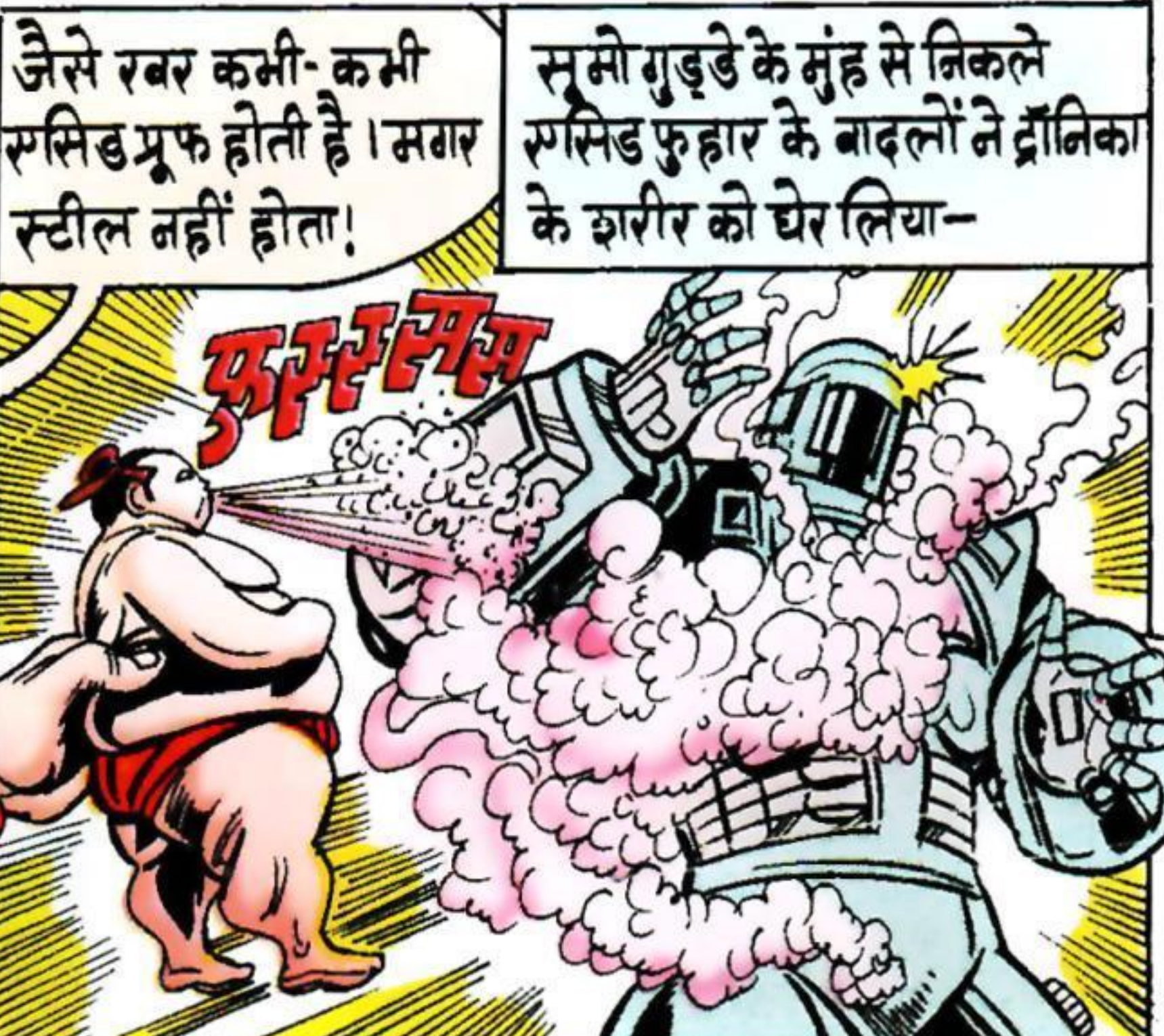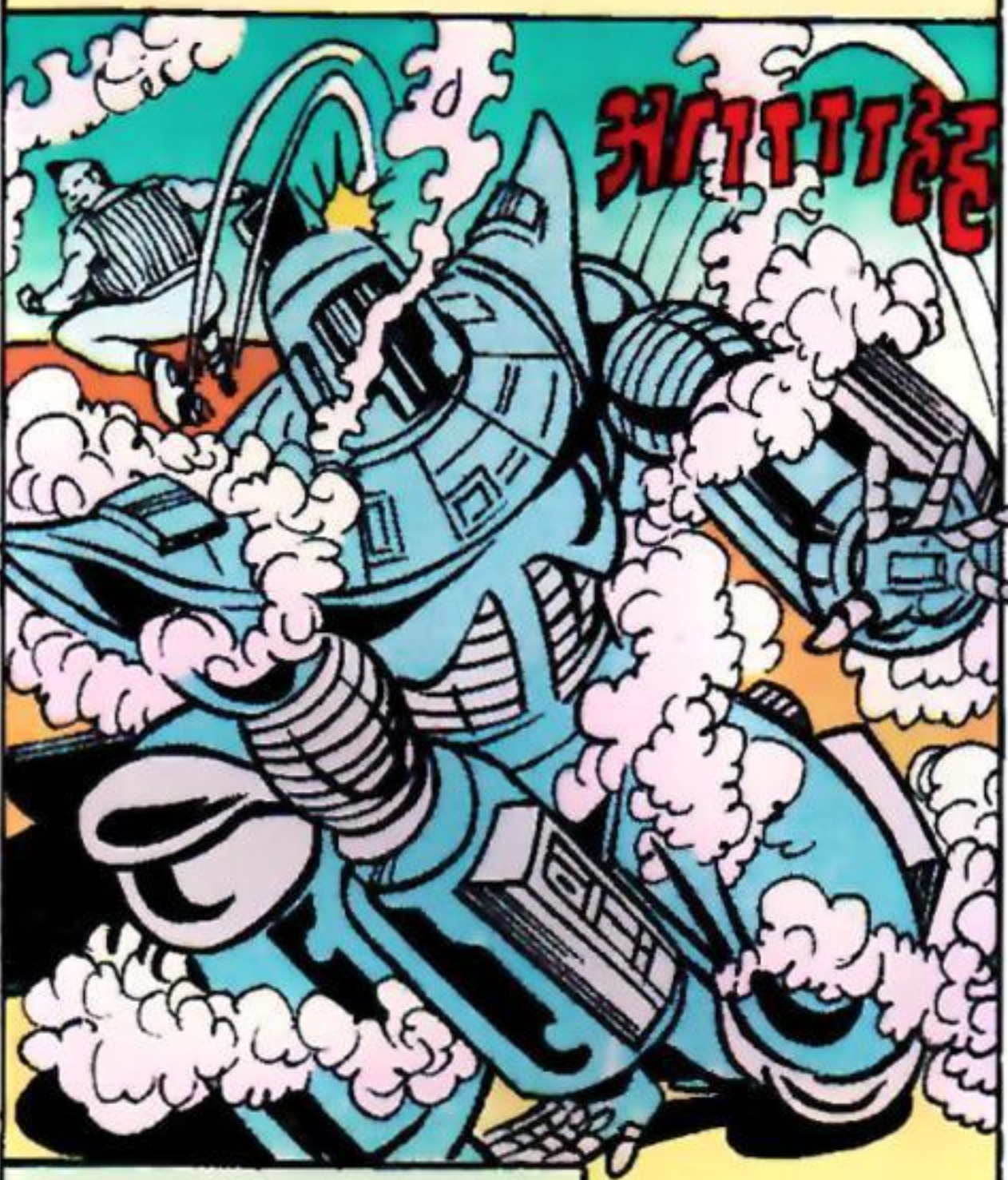
ध्रुव लड़ाई जल्दी खत्म करने की ताक में था-

तू बहुत फुर्तीला है लड़के! लेकिन देखते हैं कि जब तू मेरी तलवार को देख ही नहीं पाएगा तो उससे बचेगा कैसे?

ओह! ये किसी तरह के स्मोक बमों का इस्तेमाल कर रहा है। जो तेजी से चारों तरफ फैलकर हम दोनों को ढक रहे हैं।

धुंए की मोटी चादर के अन्दर क्या हो रहा था, यह नजर आना तो मुश्किल था-

लेकिन आवाजें यह जरूर बता रही थीं कि लड़ाई काफी तेज हो रही है-

सांय

ठड़ाक

खच्च्च

कट्ट

और उस धुंए की चादर से बाहर आने वाला पहला शरीर निंजाजा का था-

बेहोश हालत में-

तुम्हारा जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास तुमको ले डूबा निंजाजा! तुम समझे कि धुंए की चादर में सिर्फ तुम ही मुझको महसूस कर सकते हो! लेकिन तुम यह नहीं जानते थे कि ध्रुव आंखों पर पट्टी बांधकर भी दुश्मन की हरकतों का अनुमान लगा सकता है!

कुछ पलों तक ध्रुव की आंखों के आगे सिर्फ रोशनी की चिंगारियां चमकती रहीं! और जब उसकी आंखें कुछ देखने लायक हो पाईं तो—

ओफ! ट्रॉनिका भाग चुका है! मुझे सतर्क रहना चाहिए था! लेकिन अब क्या हो सकता है? चलूं वापस चलकर चंडिका और निंजाजा की हालत ही देख लूं!

यानी हम जहां थे, घूम फिर कर वहीं आ गए हैं! बौना बामन और ड्रॉनिका भाग चुके हैं! हराकी मर चुका है, और उसका पार्टनर लापता है! निंजाजा ने कुछ बताया नहीं! हमको तो यह तक पता नहीं है कि आखिर ये हो क्या रहा है?

सिवाय सिर्फ एक बात के। जो मुझे बार- बार परेशान कर रही है। और उस बात का जवाब हराकी के डॉक्टर से ही मिल सकता है।

इस बात को जानने के लिए हमको थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। क्योंकि फिलहाल बौना बामन अपनी एक ट्रिक चलने वाला है-

अब मेरे पास दस करोड़ रुपए हैं जो मैंने मेहनत से कमाए हैं! अब हमारे अतिथि डॉक्टर पिल्लै इन पैसों से हमारे लिए एक चिपडुप्लिकेटिंग मशीन और एक कंट्रोल पेनल का निर्माण करेंगे, और वह भी सिर्फ दो दिनों में!

मैं ऐसा कभी नहीं करूंगा! तुम मेरी बोटी- बोटी कर दो, तब भी नहीं करूंगा!

हम तुम्हारी बोटी- बोटी क्यों करेंगे डॉक्टर साहब? हम कोई कसाई हैं क्या?...

...हम तो गोली मारेंगे! और वह भी तुम्हें नहीं! तुम्हारे बीबी बच्चों को मारेंगे!
नहीं!
मेरे परिवार वालों ने...
...तुम्हारा क्या बिगाड़ा है? हमारे झगड़े में इन मासूमों को क्यों घसीट रहे हो? बोलो, बोलो! मारो फिल्मी डॉयलाग!
म... मैं तुम्हारा काम करने को तैयार हूं!
देखा? बौना वामन एक न एक ट्रिक हमेशा बचाकर रखता है!
अगले दो दिनों तक राजनगर में तूफान से पहले की सी शांति छाई रही-
और फिर- हमला शुरू हो गया-
अब हम क्या करें? ऐसे ही नोट आ रहे हैं!
भाई ये नोट जरा बदलकर तो दो! टेप लगा नोट दे रहे हो!
TELLER
बैंक में घुसते उस मशीनी मकरवी दल पर किसी ने भी ध्यान नहीं दिया-
जिनके पैरों में दबी थीं एक- एक कंप्यूटर चिप-
जो बैंक कर्मियों की गर्दनों में धंसती जा रही थीं-
और फिर सब आंखें फाड़े देखते रह गए-
अरे, भई! सारा पैसा लेकर कहां निकले जा रहे हो? मुझे तो पेमेंट देते जाओ! ये तो कुछ सुन ही नहीं रहे हैं। कुछ गड़बड़ है!
MANAGER
पुलिस को फोन करो!

बौना वामन को रोकना होगा! उसके पास लोगों के दिमाग वश में करने की तकनीक आ गई है। और इस तकनीक से वह किसी के भी दिमाग को अपने कब्जे में कर सकता है। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति या सेना के जनरलों के दिमाग को भी! मुझे उसे रोकना होगा! किसी भी कीमत पर रोकना होगा!

वरूंऽऽऽऽऽऽ

बौना वामन को भी ध्रुव की इसी हरकत का इंतजार था-
आ गया! आ गया! मेरे मक्खी कैमरे इसी को तो ढूंढ़ रहे थे। अब सबसे पहला काम इसको अपना गुलाम बनाना है! क्योंकि अगर मैंने ऐसा नहीं किया तो ये पूरे राजनगर को गुलाम बनाने वाली मेरी योजना को टांय-टांय फिस्स कर देगा!
ध्रुव बैंक तक नहीं पहुंच पाया-
क्योंकि बीच में ही उसकी मोटरसाइकल एक झटके से पलट गई-
टक्क
फ्रीssssईई
ओफssss! एकदम से मोड़ मुड़ते ही सामने यह क्या आ गया?
यह तो रबर का एक विशालकाय गुड्डा है!
यह वामन का ही नया हथियार लगता है! लेकिन इसकी खासियत क्या हो सकती है?
अगले ही पल ध्रुव को अपने सवाल का जवाब मिल गया-
यह अपने मुंह से कुछ छोड़ रहा है! कोई लिसलिसा पदार्थ!
पिच्च
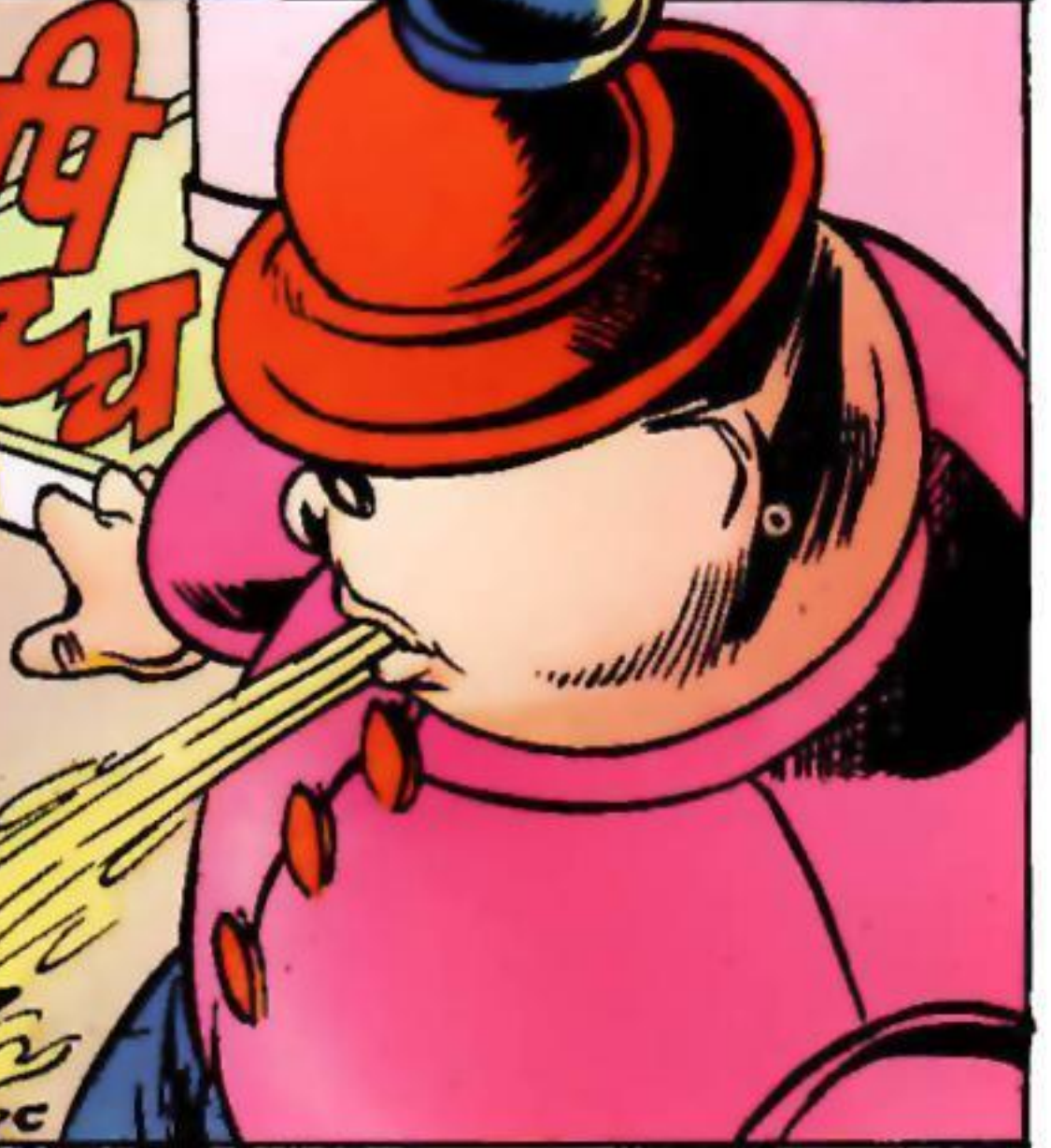
ओह! यह तो कोई 'क्विक-ड्राइंग एडहेसिव' है! फेविक्विक की तरह की चीज!
अगर मैं अपने पैर को तुरन्त न खींच लेता तो जैसे मेरे पैर के साथ जूता चिपक गया है, वैसे ही मेरा बूट और पैर जमीन से चिपक गए होते!
इस रबर पर मेरे स्टार ब्लेड भी काम नहीं कर रहे हैं। काफी मोटी रबर लगती है! इस मोटू को पार करके भी नहीं जा सकता!
इसके बटन! हां, यहीं से शायद वामन ने इस गुड्डे में एडहेसिव भरा है। अगर मैं इन बटनों को खींच लूं, तो इसका सारा एडहेसिव बहकर बाहर निकल जाएगा, और यह गुड्डा पिचक जाएगा!
फर्रर्रर्र
घटप
अगले ही पल ध्रुव का शरीर हवा में उछलकर गुड्डे के बटन खींच रहा था! और यहीं पर वह गलती कर गया—
और ध्रुव के हाथ गुड्डे के शरीर से चिपककर रह गए—
उस मक्खी को देखते हुए भी भगा तक नहीं सकता था, जो उसकी गर्दन में चिप चिपकाने जा रही थी—
वह चिप, गर्दन में धंसते ही—
ध्रुव का दिमाग अंधेरे में डूबता चला गया—
क्योंकि लगभग तुरन्त ही गुड्डे के शरीर में बने महीन छेदों से एडहेसिव बाहर निकलने लगा—
अब ध्रुव अपने बचाव में कुछ भी नहीं कर सकता था—
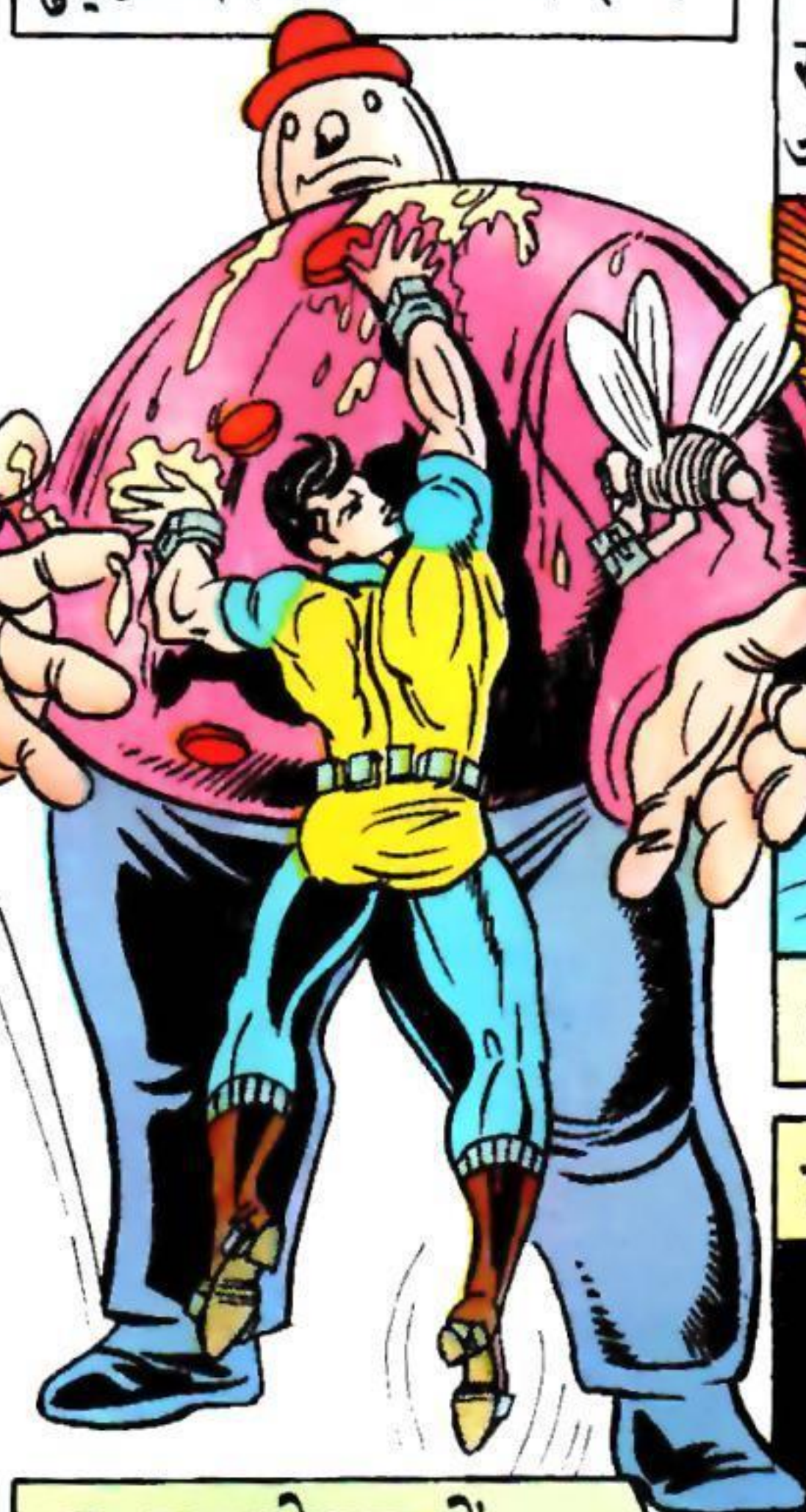
उसके बाद- ध्रुव को यह पता नहीं था कि वह किसके हाथों का खिलौना बना हुआ है-

हां, अब गुलाटी खा! वाह वा! रिमोट टेस्टिंग हो गई है। ध्रुव का दिमाग पूरी तरह से मेरे कब्जे में है। अब मैं इसको अपना पर्सनल बॉडीगॉर्ड बनाऊंगा! और उसके बाद राजनगर तो क्या, पूरे हिन्दुस्तान का दिमाग अपने कब्जे में लेकर इस देश पर राज करूंगा। और फिर सारी दुनिया पर!
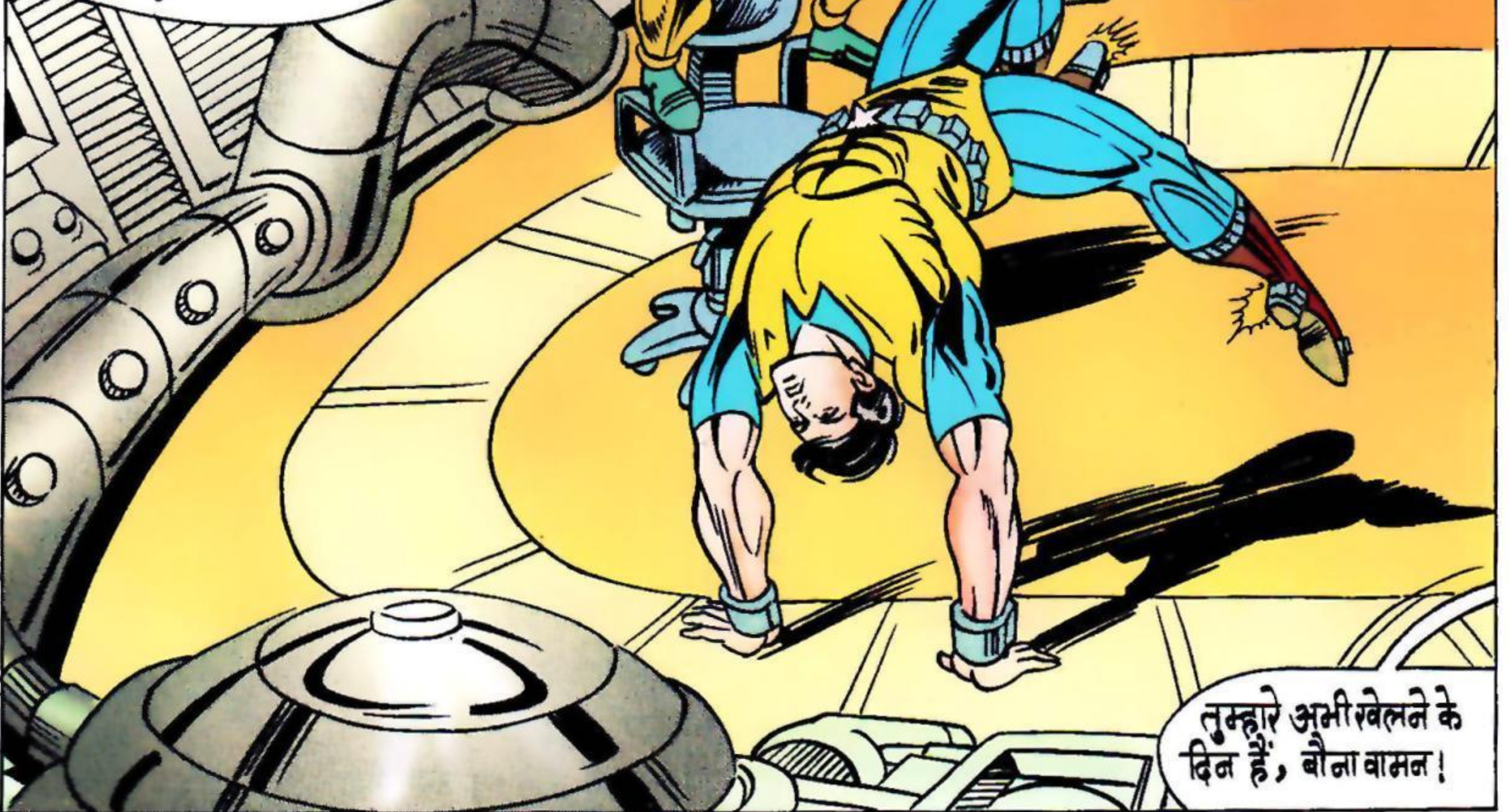
तुम्हारे अभी खेलने के दिन हैं, बौना वामन!

राज-काज जैसी बड़ी चीजें बड़े लोगों को ही करने दो!

ट्रॉनिका! तू...तू मेरे कंट्रोल टॉवर तक कैसे आ गया?

और... यहां पर आकर तू मेरे उस कंट्रोल सिस्टम को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है, जिससे मैं राजनगर के कई दिमागों को कंट्रोल कर रहा हूं!

बैट- बॉल! कहां मर गए दोनों हरामखोरो? रोको इस टीन के कनस्तर को!

अभी तक तो नहीं मरे थे बॉस! लेकिन अब जरूर मरेंगे। आप खुद तो खतरा देखकर पीछे हट जाते हैं और हमको मरने के लिए आगे कर देते हैं!
अबे, बातें कम कर! इसे अपने बैट से काट डाल!

लेकिन ट्रॉनिका जैसी शक्तिशाली शख्सियत के सामने बैट- बॉल जैसे मामूली गुंडे टिक नहीं सकते थे-

अरे! ये दोनों तो गए। और अब ये राक्षस ट्रॉनिका मेरे कंट्रोल पेनल पर कोई नया कंप्यूटर प्रोग्राम बना रहा है। अरे! अरे! यह तो मेरी कंप्यूटर चिप को नष्ट करने वाला प्रोग्राम लगता है। अब मैं क्या करूं? कैसे रोकूं इसे? घबराहट में तो कुछ सूझ ही नहीं रहा है!
अरे हां! हां! मेरा बॉडीगार्ड ध्रुव! ये रोकेगा इसे! मैं इसके दिमाग को आटो पर डाल देता हूं!

यानी अब यह बगैर मेरे इशारों के, अपनी उन सारी खूबियों को इस्तेमाल कर सकेगा, जो इसके अंदर मौजूद हैं! बस फर्क इतना होगा कि अभी यह सोए-सोए लड़ेगा!
ओह!
तड़ाक

ओह! अब तू ध्रुव को मेरे खिलाफ लड़वा रहा है! लेकिन तेरी यह चाल सफल नहीं होगी! क्योंकि ध्रुव को तेरे कंट्रोल से बाहर निकालने के लिए मुझे सिर्फ इसकी गर्दन में धंसी चिप को बाहर निकालना पड़ेगा!
तड़ाक

तुझे न तो ध्रुव की चिप बाहर निकालने का मौका मिलेगा, ट्रॉनिका, और न ही इस 'चिप' को नष्ट कर सकने वाला कंप्यूटर प्रोग्राम बनाने का! क्योंकि मैंने तेरे लिए एक और ट्रिक बचाकर रखी हुई है!
फ़िस्स्स्स
ये स्पेशल जंग स्प्रे!

जब तक तू ध्रुव से जंग लड़ेगा, तब तक इस सोल्यूशन के खास कैमिकल तेरे कवच में जंग लगा देंगे। और तेरा कवच बेकार होते ही तू भी बेकार हो जाएगा!
यह सच कह रहा है। जंग पूरे कवच में तेजी से फैलता जा रहा है। ध्रुव के मामूली वार भी मेरे कवच को तोड़ते जा रहे हैं!
तड़ड़ड़ड़
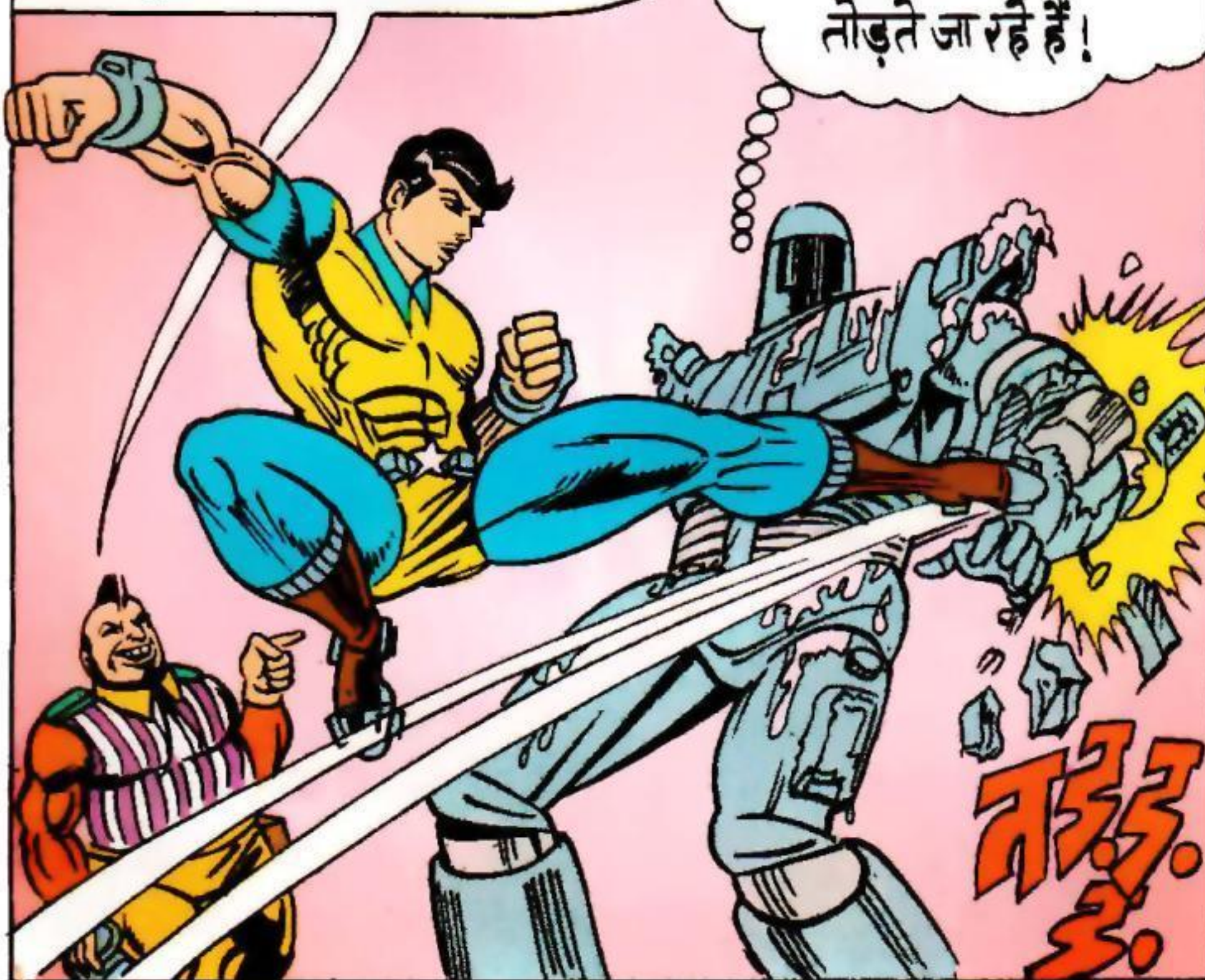
बौना वामन, 'जंग' देखने में इतना मशगूल था कि वह उन दो हाथों की तरफ ध्यान ही नहीं दे रहा था, जो तेजी से कंप्यूटर पर एक खास प्रोग्राम लिखते जा रहे थे—
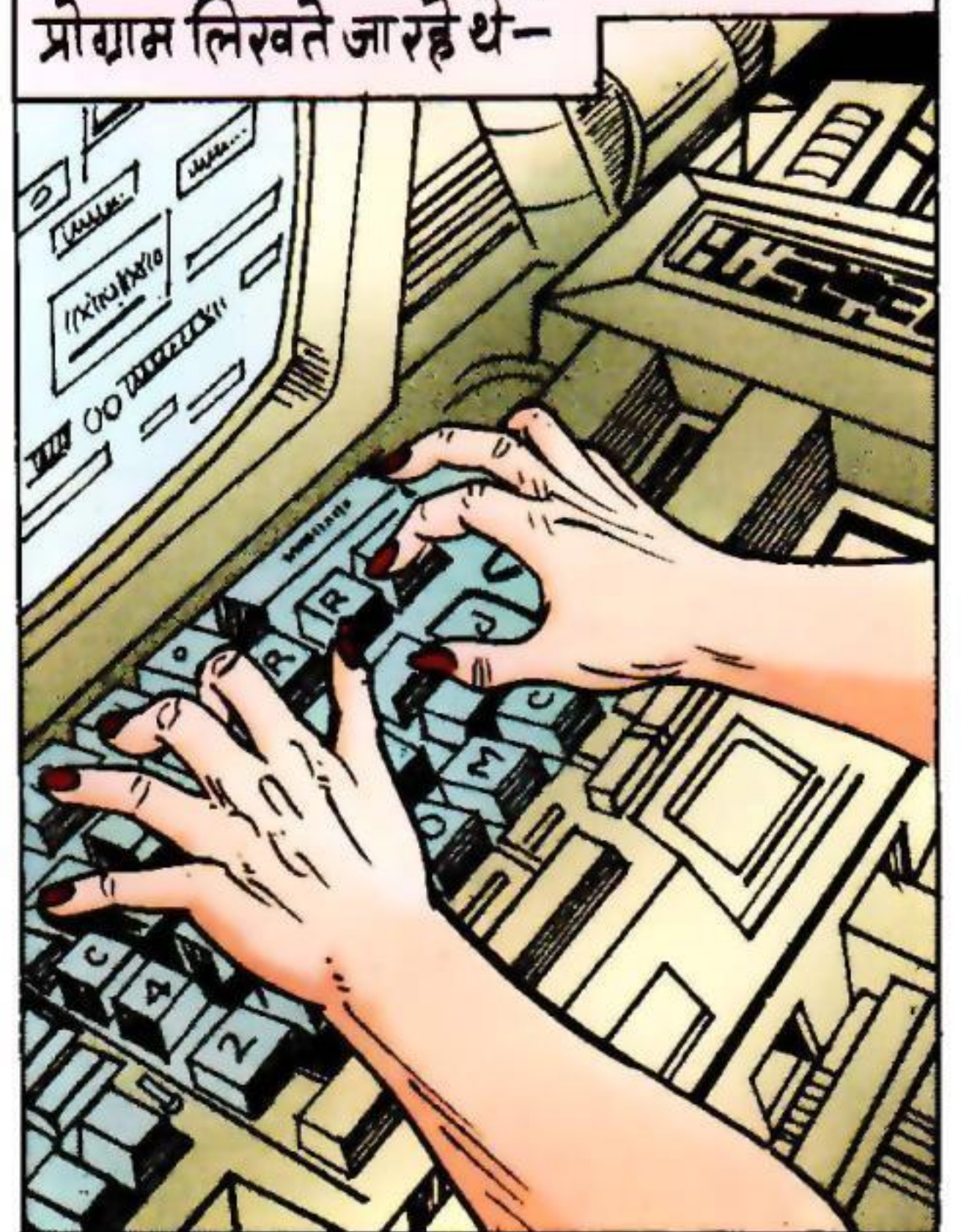
उसका ध्यान तो ट्रॉनिका पर था, जिसके अंग एक-एक करके टूटते जा रहे थे-
आखिर ट्रॉनिका लड़खड़ा कर गिर पड़ा-
तड़ाक
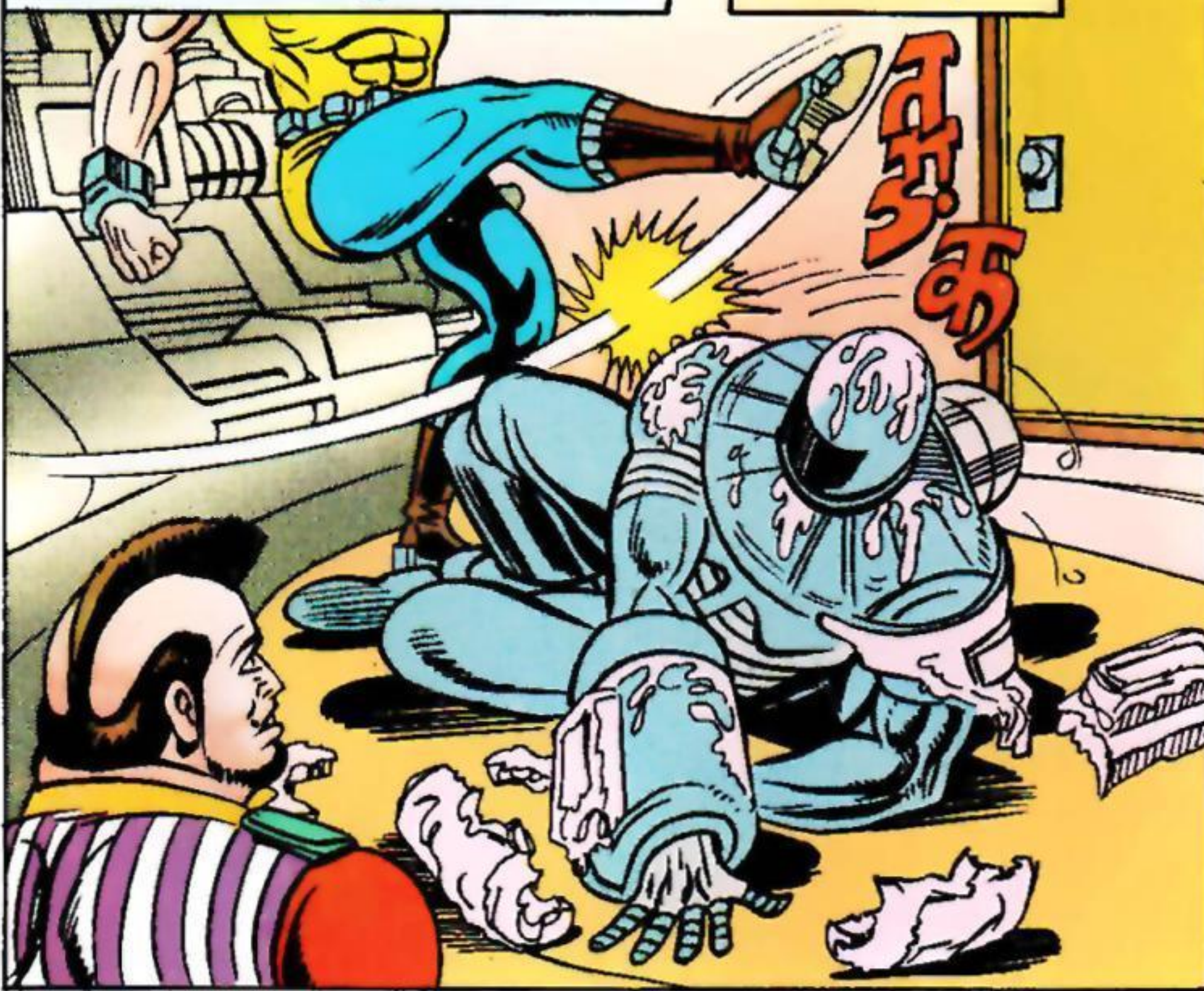
शाबाश मेरे बॉडीगार्ड! अब मैं देखूंगा कि इस हेलमेट के नीचे किसका चेहरा छुपा हुआ है!

लेकिन तभी-
आऽऽऽह! ये... ये क्या हो रहा है! ध्रुव मुझे मार रहा है। यानी... यानी ध्रुव पर से मेरा कंट्रोल खत्म हो गया है! ऐसा तो सिर्फ एक ही सूरत में हो सकता है!
तब जब कि इसकी गर्दन में धंसी कंप्यूटर चिप बेकार हो गई हो!
ऐसा ही हुआ है बौना वामन! मेरे प्रोग्राम ने तुम्हारी सारी कंप्यूटर चिपों को बेकार कर दिया है!
श्वेता! तू यहां कैसे?
तू... तू तो श्वेता है! ध्रुव की बहन! तू यहां कैसे आई? और तूने चिप को बेकार कैसे कर दिया?

आई तो मैं चंडिका के रूप में थी। लेकिन यहां की स्थिति देखकर मुझे ऐसा लगा कि श्वेता यहां पर ज्यादा काम की साबित होगी!
यहां पर मैं कैसे आई, इसको छोड़ो वामन! बस इतना जान लो कि इस चिप को बनाने में मेरा भी छोटा सा योगदान था। इसीलिए मुझे यह भी पता था कि इस चिप को निष्क्रिय कैसे किया जा सकता है! अब तुम्हारी चिप का किसी के भी दिमाग पर कंट्रोल नहीं रहा!

नहीं वामन! हराकी जिन्दा है और अपने डॉक्टर के साथ जेल में बंद है! वही ट्रॉनिका था।

हराकी जिन्दा है! ये... ये तुमको कैसे पता चला?

ट्रॉनिका से! जब मैं पहले ट्रॉनिका से लड़ा था तो उसकी आवाज मशीनी थी! लेकिन दूसरी मुलाकात में आवाज मानवीय लग रही थी। जाहिर था कि पहला ट्रॉनिका रोबॉट था, मगर दूसरा नहीं!

सवाल यह था कि ट्रॉनिका की पोशाक में सिर्फ एक बार रोबॉट फिट करके भेजने में किसका फायदा था! फायदा भी सिर्फ एक ही हो सकता था! असली ट्रॉनिका द्वारा दुनिया को यह जताना कि वह ट्रॉनिका नहीं है। क्योंकि उस वक्त ट्रॉनिका कहीं और मौजूद था और वह शख्स कहीं और! मेरा शक हराकी या तकाशी पर जा रहा था! तकाशी उपलब्ध नहीं थे क्योंकि हराकी ने इनको कैद करके रखा हुआ था। लेकिन हराकी के डॉक्टर ने जरा सा जोर पड़ते ही सब कुछ उगल दिया!

हराकी मरा नहीं था! उसने मरने का ड्रामा किया था! ताकि दुनिया की नजरों में वह मर जाए और फिर ट्रॉनिका के रूप में चिप लेकर सारी दुनिया पर राज करे! उसके लिए तुमको नारका जेल से छुड़ाना आसान था। क्योंकि जेल का सिक्योरिटी सिस्टम उसी ने डिजाइन किया हुआ था। फिर जब तुम चिप चुरा रहे थे तब उसने निंजाजा का ध्यान बंटाकर तुमको भाग जाने का मौका दिया। चिप चोरी हो गई थी!

फिर उसने निंजाजा को तुम्हारा पता बता कर तुम्हारे अड्डे पर भेजा ताकि तुम मारे जाओ, और चिप चोरी की कहानी ही खत्म हो जाए! उसने तकाशी को भी कैद कर लिया था! ताकि शक तकाशी पर डाला जा सके! पर तुमने उसका प्लान फेल कर दिया!

चिप की कार्य प्रणाली के बारे में सिर्फ तीन लोग जानते थे। तकाशी, हराकी, और डॉक्टर पिल्लै! हम अब जान गए हैं कि डॉक्टर पिल्लै को तुमने उठवा लिया था। क्योंकि तुमको भी ट्रॉनिका पर शक हो गया था! अगर तुम ऐसा नहीं करते तो हराकी पिल्लै को भी कैद कर लेता!
लेकिन तुम सब और मैं भी श्वेता के बारे में भूल ही गए थे!
तकाशी को मैं ट्रॉनिका के रूप में इसीलिए अपने-पीछे-पीछे लाया था ताकि वह यहां पहुंचकर चिप को निष्क्रिय कर सके!

वैसे तुमने मुझ पर भरोसा करके बहुत बड़ा खतरा उठाया था। मैं असफल तो हो ही गया था, और मेरे असफल होने का मतलब था कि तुम हमेशा के लिए वामन के गुलाम बन जाते!
नहीं, तकाशी! मेरे स्टार ट्रांसमीटर के जरिए मेरा कैडेट करीम हर पल मेरी स्थिति पर नजर रखे हुए है!
वामन मुझे ज्यादा देर तक गुलाम बनाकर नहीं रख सकता था!

लेकिन तुम लोग भी वामन को गुलाम बनाकर नहीं रख पाओगी! क्योंकि वामन एक न एक ट्रिक हमेशा बचाकर...
कोई ट्रिक नहीं वामन!
वर्ना कई ट्रिगर दब जाएंगे!
...ओऽऽऽ

क्या सिर्फ भाइयों का ही फर्ज होता है बहनों की रक्षा करने का?
बहनें अपने भाइयों की रक्षा क्यों नहीं कर सकतीं? बगैर थैंक्यू के!
कर सकती हैं भइया! कर सकती हैं!

अब कम से कम थैंक्यू तो बोल दो भइया! तुमको मैंने बचाया है!
श्वेता जीनियस ने!

तुझे किस बात का 'थैंक्यू' करूं?

समाप्त

GREEN PAGE-132

प्रिय पाठक मित्रो, नमस्कार!

आपने सुपर कमांडो ध्रुव का नया कारनामा **बौना वामन** पढ़ा। आशा है आपको यह विशेषांक व बौना वामन के कारनामे पसंद आए होंगे, जो हमेशा अपने पास एक ट्रिक बचा कर रखता है। ध्रुव के आगामी विशेषांक में भी हम ध्रुव का एक पुराना विलेन दोबारा ला रहे हैं। जी हां, ध्रुव के अगले विशेषांक **काल ध्वनि** में ध्रुव के सामने होगा ध्वनि राज। यह विशेषांक आपको अक्तूबर 2000 में पढ़ने को मिलेगा। आप अपने अमूल्य सुझाव सदैव की भांति हमें अवश्य भेजते रहें।

इस बार हम ग्रीन पेज में आपको एक कहानी पढ़ने को दे रहे हैं। आशा है यह कहानी आपको पसंद आएगी व आपको प्रेरणा देगी।

सैम नामक एक सज्जन लन्दन में एक कम्पनी में मैनेजर थे। किसी कारण से बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स से उनका मतभेद हो गया और उन्होंने त्याग पत्र दे दिया।

सैम ने नयी नौकरी पाने का प्रयास किया पर नौकरी नहीं मिली। सैकड़ों जगह एप्लाई किया, रोजगार कम्पनियों का सहारा लिया, पर नतीजा शून्य निकला। घर में बेकार बैठे चार वर्ष गुजर गए। घर का खर्च बेकारी भत्ते पर कब तक चलता? घर में बीवी बच्चों से आंखें मिलाते भी लज्जा आने लगी। सैम ने एक निर्णय लिया।

उसने गले में एक तख्ती लटका ली जिस पर लिखा था 'मुझे नौकरी दो' और वह एक चौराहे पर बैठ गया। लोगों ने पूछा, 'यह क्या पागलपन है?' मित्रों ने देखा तो वह भड़क गए, 'यार! तू हमारी भी नाक कटवाएगा।' रिश्तेदार बोले, 'इस तरह कहीं नौकरी मिलती है? क्यों हम सबकी बेइज्जती करवा रहे हो?'

सैम ने कहा, 'मुझे नौकरी चाहिए। इसे पाने के लिए मैं कुछ भी करूंगा।' सैम एक तमाशा बन गया। लोग उसे देख खूब हंसते। एक दिन एक कम्पनी का डायरेक्टर वहां से गुजरा। उसने सैम को देखा। कम्पनी में जाकर प्रेजीडेंट और दूसरे डायरेक्टरों से बात की।

अगले दिन कम्पनी की लीमोजीन कार चौराहे पर रुकी। ड्राइवर ने कार से निकल सैम को एक पत्र दिया। यह जनरल मैनेजर के पद पर सैम की नियुक्ति का पत्र था।

बाद में कम्पनी के शेयर होल्डरों ने डायरेक्टरों से सैम जैसे तमाशे की नियुक्ति का कारण पूछा। उन्होंने उत्तर दिया, 'जो आदमी नौकरी के लिए स्वयं को इस तरह जलील करने पर उतर आया हो जरा सोचो उसे नौकरी दी गई तो वह किस लगन से काम करेगा।'

जानते हो सैम ने इस लगन से काम किया कि कुछ ही वर्षों में वह कम्पनी एक बहुराष्ट्रीय कम्पनी बन गई और आज वही सैम उस मल्टीनेशनल कम्पनी का आजीवन प्रेजीडेंट बन गया है। जिन मित्रों व रिश्तेदारों ने उसकी खिल्ली उड़ाई थी वह आज सैम से आंखें तक नहीं मिला पाते।

आशा है आपको यह कहानी पसंद आई होगी। हमें अपने विचार जरूर लिखें। जिससे कि हम आगे भी यह प्रयास जारी रख सकें।

पत्र व्यवहार इस पते पर करें :–**ग्रीन पेज-132, राजा पॉकेट बुक्स, 330/1, बुराड़ी, दिल्ली-84.**

मेरी गोद में नागद्वीप का नया सम्राट है, नागराज! विसर्पी के पिता मणिराज का पुत्र!
और इसका आधा पिता मैं हूं।... इसलिए अब नागपाशा नागद्वीप का सम्राट है भतीजे।
और नागद्वीप के राजदंड की मंत्र शक्ति से अब मैं तुझे दूंगा...
अगस्त 2000 में उपलब्ध
पृष्ठ संख्या: 64
मूल्य:20/-
मृत्युदंड
पिता की मौत के वर्षों बाद पैदा हुआ एक बालक सम्राट और उसका आधा पिता बन बैठा नागपाशा।
राज कॉमिक्स पेश करते हैं नागद्वीप के राज परिवार के इन रहस्यों को खोलता हुआ एक विचित्र विशेषांक